@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 6 नवंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 1 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किया दावा

'हरियाणा चुनाव में 25 लाख वोटों की चोरी, 10 बूथों में ब्राजीली मॉडल के 22 फर्जी वोट

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कथित तौर पर वोट चोरी के आरोप को दोहराया। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए हरियाणा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि हरियाणा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की भारी बहुमत से जीत हो रही थी। अधिकतर एग्जिट पोल्स के रुझान भी यही दर्शा रहे थे। पोस्टल बैलट में सर्वे एजेंसियां कांग्रेस को करीब 73 सीटों पर और भाजपा को मात्र 17 सीटों पर जीतते हुए दिखा रही थीं, लेकिन नतीजे इसके उलट आए। उन्होंने जोर देकर बताया कि हरियाणा के चुनाव इतिहास में इससे पहले पोस्टल बैलट के नतीजे कभी भी आखिरी परिणाम से अलग नहीं रहे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 'ऑपरेशन सरकार चोरी' के तहत कांग्रेस की भारी जीत

को हार में बदलने की साजिश पहले से ही चालू हो गई थी। बाद में नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस हरियाणा में मात्र 22,779 वोटों (8 सबसे कम अंतर वाली सीटों का योग) से चुनाव हार गई। उन्होंने बताया कि भाजपा को 55,48,800 वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 54,30,602 वोट, जहां भाजपा को 48 सीटों पर जीत मिली और कांग्रेस को 37 सीटें। राहुल गांधी ने कथित तौर पर एक ब्राजीली मॉडल की फोटो निकालते हुए दावा किया कि राय विधानसभा के 10 बूथ में उसके 22 फर्जी वोट हैं। उन्होंने दावा किया कि ये हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी का एक उदाहरण है। राहुल गांधी ने बताया कि हरियाणा में 5,21,619 डुप्लीकेट वोटर, 93,174 अमान्य पते और 19,26,351 थोक वोटर के रूप में चुनाव में धांधली की गई। इसके अलावा, फॉर्म 6 और फॉर्म 7 का दुरुपयोग किया गया।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने जोर देकर कहा कि हरियाणा के 2 करोड़ वोटर्स में से 25 लाख वोट चोरी हुई, जिसका मतलब हर 8 में से एक की वोट चोरी हुई। राहुल गांधी ने युवा मतदाताओं से भी अपील की कि जेनरेशन जेड को इस गुप्त 'साजिश' को सुनना और समझना चाहिए, क्योंकि यह उनके भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने अपील करते हुए कहा, 'यह आपका भविष्य है जो छीना जा रहा है और आपके सपने चुराए जा रहे हैं और यह सब आपके सामने हो रहा है। '

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भाजपा का पलटवार

बिहार में कुछ बचा नहीं, ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी ने हरियाणा का मुद्दा गढ़ा : किरेन रिजिजू

एजेंसी
नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण की वोटिंग से ठीक एक दिन पहले राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया है। इस बार उन्होंने हरियाणा के चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिहार में कुछ बचा नहीं, ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा गढ़ा जा रहा है। राहुल गांधी के आरोपों के जवाब में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पिछले संसद सत्र के दौरान राहुल गांधी, एक महिला की तस्वीर टी-शर्ट पर छपवाकर पूरे संसद परिसर में घूमते रहे और उसके नाम को उछाला। शाम तक उस महिला ने ही राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई। और अब, अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी फिर से प्रेस वार्ता कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'बिहार में मतदान है, लेकिन आज राहुल गांधी हरियाणा की कहानी सुना रहे थे। इससे साफ है कि बिहार में तो मुद्दा बचा ही नहीं, इसलिए ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा गढ़ा जा रहा है। '

केंद्रीय मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा, '2004 के चुनाव के दौरान भी एग्जिट पोल और ओपिनियन पोल भाजपा और एनडीए को जिता रहे थे, लेकिन मतगणना के नतीजों में एनडीए हार गई। हमने परिणाम को स्वीकार किया और यूपीए को बधाई दी, लेकिन हमने चुनाव आयोग को गाली नहीं दी। लोकतंत्र में जीत और हार, दोनों को स्वीकार करना पड़ता है। लेकिन एग्जिट पोल जब कांग्रेस के पक्ष में होता है, तब वाहवाही करते हैं और जब विरोध में जाता है, तब मीडिया को गाली देते हैं। ' इस दौरान, किरेन रिजिजू ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा की टिप्पणी का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हरियाणा में चुनाव चल रहा था, तब कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा ने खुद कहा था कि कांग्रेस वहां नहीं जीत पाएगी, क्योंकि उसके अपने नेता ही पार्टी को हराना चाहते हैं। इसके बाद कांग्रेस के एक पूर्व मंत्री ने इस्तीफा देकर साफ कहा कि कांग्रेस हरियाणा में इसलिए हारी क्योंकि उसके नेता ही जमीन पर काम नहीं कर रहे थे। ' उन्होंने एक और उदाहरण देते हुए कहा, 'कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने माना कि पार्टी में ग्रासरूट स्तर पर तालमेल ही नहीं है।' किरेन रिजिजू ने सवाल दागते हुए कहा कि फिर कांग्रेस कैसे जीत सकती है? उन्होंने कहा, 'उनके अपने नेता कह रहे हैं कि कांग्रेस अपनी वजह से हारी है, जबकि राहुल गांधी का ये कहना कि वो वोट चोरी से हारे, इस पर आखिर कौन भरोसा करेगा? ' किरेन रिजिजू ने आरोप लगाए कि राहुल गांधी देश के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

राहुल गांधी के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का जवाब-

हर बार झूठ का बम फुस्स हो जाता है

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हरियाणा में 'वोट चोरी' के आरोपों पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी झूठ और फाल्स नैरेटिव के रिसर्च सेंटर बन चुके हैं। हर बार उनके झूठ का बम फुस्स हो जाता है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बिहार में होने वाली करारी हार से अपना सिर बचाने का एक हथकंडा मात्र है। यह सबको पता है कि राहुल गांधी देश के संविधान, लोकतंत्र, लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय प्रणाली और जनता के मताधिकार में विश्वास नहीं रखते हैं। वह एक ऐसे आदर्श लोक में खोए हैं जिसमें उनको लगता है कि 'न खाता न बही, जो राहुल गांधी कहें, वहीं सही'।' उन्होंने आगे लिखा, 'सच यह है कि इन सब बेबुनियाद हथकंडों की आड़ लेकर वह बिहार चुनाव में होने जा रही हार से अपना पल्ला झाड़ना चाहते हैं। उनको भी पता है कि कांग्रेस और राजद समेत पूरे महागठबंधन की स्थिति बिहार में पस्त है और जनता लगातार इन लोगों को नकार रही है। 'राहुल गांधी पर अपना हमला जारी रखते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि ये हर बार एक झूठ लेकर आते हैं, फिर वो झूठ का बम फुस्स हो जाता है। इसके बाद ये नया झूठ लेकर आते हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि राहुल गांधी झूठ और फाल्स नैरेटिव के रिसर्च सेंटर बन चुके हैं। उनको अब कोई गंभीरता से नहीं लेता। इन सारे हथकंडों के बाद भी राहुल गांधी अपनी एक और असफलता की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि 'वोट चोरी' सिर्फ आलंद और महादेवपुरा जैसे निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर है, जिसका एकमात्र उद्देश्य सत्तारूढ़ भाजपा को फायदा पहुंचाना है। हरियाणा का उदाहरण देते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'सारे एक्जिट पोल हरियाणा में कांग्रेस की एकतरफा जीत दिखा रहे थे। सभी का कहना था कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बन रही है, लेकिन नतीजा बिल्कुल दूसरा आया। ऐसा पहली बार हुआ कि पोस्टल बैलेट के नतीजे और चुनाव के नतीजे अलग थे। हमें पता चला कि 'ऑपरेशन सरकार चोरी' चल रही है। कांग्रेस पार्टी हरियाणा चुनाव करीब 22 हजार वोट से हारी थी। वहीं, कांग्रेस और भाजपा के बीच कुल 1.18 लाख वोटों का अंतर रहा। 'उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में पांच तरीके की 'वोट चोरी' है, जिसमें डुप्लीकेट वोटर, इनवैलिड एड्रेस, बल्क वोटर, फॉर्म-6 और फॉर्म-7 का दुरुपयोग शामिल है। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि फॉर्म 6 और फॉर्म 7, जिनसे वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है, महादेवापुरा और आलंद के बाद चुनाव आयोग ने इसका डेटा देना बंद कर दिया है।

वोट को बर्बाद न करें, महागठबंधन बिहार के लिए कई काम कराना चाहता हैः प्रियंका गांधी

● कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वाल्मीकि नगर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया।

एजेंसी
बेतिया । बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार थम चुका है। अब दूसरे चरण के लिए एनडीए और महागठबंधन के नेता धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वाल्मीकि नगर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 20 वर्षों से बिहार में एनडीए की सरकार है, लेकिन आज भी यहां के लोगों को रोजगार के लिए अन्य राज्यों में जाना पड़ रहा है। आज खेती-किसानी से भी लोग कमा नहीं पा रहे हैं। एक

जमाने में खेती काफी थी, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। आज उपज के सही दाम नहीं मिल रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज ये लोग देश में किसी भी खराब चीज के लिए जवाहरलाल नेहरू को जिम्मेदार बताते हैं, लेकिन आज न्यूयॉर्क में एक अमेरिकी शख्स ने चुनाव जीता और उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की बात की। आज विदेशों में नेहरू की बात हो रही है, लेकिन उनके देश में भाजपा उनका अपमान करती है। उन्होंने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की चर्चा करते हुए कहा कि आज सरकार महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए दे रही है, लेकिन चुनाव के बाद नहीं मिलने वाले हैं। इनकी नीयत समझने की बात है। प्रियंका ने जनता से कहा कि पैसे ले लो, लेकिन वोट सोच समझकर दो। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती ने देश को क्या कुछ नहीं दिया, लेकिन आज शिक्षा व्यवस्था ठप हो गई है। आज बिहार में अपराध बढ़ गए हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि वोट को व्यर्थ नहीं करें। महागठबंधन यहां कई काम करना चाहता है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ यात्रा निकाली, लेकिन ये कहते हैं कि घुसपैठिए के लिए यात्रा निकाली, तो क्या यहां के वोटर घुसपैठिए हैं? महागठबंधन लोगों के अधिकरों की लड़ाई लड़ रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने गुरुपर्व के अवसर पर पटना साहिब गुरुद्वारा में माथा टेका

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 5 नवंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का बिहार विधानसभा में प्रचार अभियान जारी है। अपने तूफानी प्रचार अभियान में मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सबसे पहले तख्त श्री हरमंदिर जी, पटना साहिब में माथा टेका और बिहार व देश की शांति, प्रगति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि गुरुपर्व के इस पावन दिन पर पवित्र पटना साहिब में आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य महसूस कर रही हूं। बिहार की यह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत पूरे देश को प्रेरित करती है। अपने प्रचार अभियान में मुख्यमंत्री ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुला गांधी पर तीखा हमला बोला ओर कहा कि वह अपने चुनावी प्रचार अभियान में अब सेना को भी कीचड़ में घसीटने की कोशिश कर रहे हैं, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पवित्र पटना साहिब में शीश नवाने के बाद मुख्यमंत्री ने अरवल, गया शहर और औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो और जनसभाओं को संबोधित किया। इन कार्यक्रमों के दौरान जनता में उत्साह देखने को मिला, वहां लोग नारे लगाते मिले कि बिहार पकड़ चुका है रफ़्तार, जनता मांगे फिर से एनडीए सरकार। इस प्रचार अभियान में मुख्यमंत्री के साथ वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं की भी दमदार उपस्थिति थी। विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हालिया वक्तव्यों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कह कि ये वही दल हैं जो वर्षों तक जातीय राजनीति में लिप्त रहे हैं और अब सेना को भी इस कीचड़ में घसीटने की कोशिश कर रहे हैं, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जो लोग विदेशों में देश की छवि खराब कर सकते हैं, अब देश की सेना पर पर सवाल उठा सकते हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर सकते हैं और भगवान राम के अस्तित्व तक को नकार सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों के लिए कहने को बस इतना ही काफी है

कि उन्हें डूबने के लिए पूरे तालाब की नहीं, एक मुट्ठी पानी ही काफी है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि राजद वालों के बारे में सब कहते हैं कि ऐसा कोई 'सगा' नहीं, जिसे इन लोगों ने 'ठगा' नहीं। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी पशुओं के चारे तक को खाने से पीछे नहीं हटे, वे आज जनता को झूठ और भ्रम का चारा खिलाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन बिहार की जनता अब समझदार है और इनकी चालों में आने वाली नहीं। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि बिहार ने एक समय 'जंगलराज' का दौर देखा था, साथ ही अंधकार, अपराध और भ्रष्टाचार का युग। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को उस दौर से निकालकर कानून–व्यवस्था और विकास की नई राह पर आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज बिहार की जनता जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारकर विकास और सुशासन को अपना रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित राजनीति की नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

हरियाणा में राहुल गांधी का वोट हेरफेर का दावा बेबुनियाद : चुनाव आयोग

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की तरफ से हरियाणा में कथित वोट हेरफेर के आरोपों को चुनाव आयोग के एक सूत्र ने बेबुनियाद करार दिया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने इस सूत्र के हवाले से कहा कि राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। सूत्र ने सवाल उठाया, ''अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई?'' बता दें कि राजनीतिक दल मतदान प्रक्रिया की निगरानी और संभावित अनियमितताओं की पहचान के लिए बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) भी नियुक्त करते हैं। एक अधिकारी ने कहा, 'इंडियन नेशनल कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने संशोधन के दौरान एक ही नाम की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने के लिए कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की?' उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गई और मौजूदा समय में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में सिर्फ 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। बता दें कि चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के अंदर संबंधित उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दाखिल की जा सकती है। एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'कांग्रेस के पोलिंग एजेंट मतदान केंद्रों पर क्या कर रहे थे? अगर कोई मतदाता पहले ही मतदान कर चुका हो या उसकी पहचान पर संदेह हो, तो आपत्ति दर्ज करना उनका दायित्व है।

● **चुनाव आयोग ने फिर एसआईआर को बताया जरूरी**

अधिकारियों ने यह भी कहा कि आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का उद्देश्य मृत, दोहराए गए या स्थानांतरित मतदाताओं को हटाना और नागरिकता की पुष्टि करना है। एक अधिकारी ने सवाल किया, 'क्या राहुल गांधी एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं या इसका विरोध?' उन्होंने यह भी जोड़ा कि बिहार और हरियाणा दोनों में कांग्रेस के बूथ एजेंटों ने संशोधन के दौरान दोहराए गए नामों को लेकर कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की।

'अदालत-एजेंसियों से न खेलें'

आरोपी के दुबई से गायब होने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, ईडी को यह निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को महादेव सट्टेबाजी एप के फरार सह-संस्थापक का पता लगाने और उसकी मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सट्टेबाजी प्रकरण का आरोपी दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है, जिसके बाद कोर्ट ने यह निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा ऐसे मामलों के आरोपी अदालतों और जांच एजेंसियों को खेल समझें, इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी रवि उप्पल की ओर से कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के मामले को गंभीरता से लिया और कहा, 'इससे हमारी अंतरात्मा को धक्का लगा है और अदालत को इस बारे में

कुछ करना होगा। '

कथित तौर पर उप्पल दुबई से भागकर अज्ञात स्थान पर गया

भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल कथित तौर पर दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने उसके खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्यवाही बंद कर दी है। पीठ ने कहा, 'उस जैसे सरगनाओं के लिए अदालतें और जांच एजेंसियां महज खेलने का साधन हैं। हमें इस बारे में कुछ करना होगा।' पीठ ने ईडी को उसे तलाशने और हिरासत में लेने का निर्देश दिया। अदालत ने मंगलवार को कहा, 'हम उसकी याचिका खारिज कर देंगे। पता लगाइए कि उसे कैसे हिरासत में लिया जाए। ऐसा लगता है कि वह एक जगह से दूसरी जगह जाने में काफी कुशल है। '

जातिसूचक टिप्पणी मामले में पंजाब कांग्रेस प्रमुख राजा वड़िंग पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी
चंडीगढ़। भारत के पूर्व गृहमंत्री के संबंध में बयान देकर विवादों में फंसे पंजाब कांग्रेस प्रधान एवं लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ कपूरथला में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। राजा के खिलाफ स्व. बूटा सिंह के बेटे सरबजोत सिंह सिद्धू ने पुलिस को शिकायत दी थी। दरअसल, राजा वड़िंग ने तरनतारन में चल रहे उपचुनाव के दौरान एक जनसभा में स्व. बूटा सिंह को लेकर विवादित बयान दिया था।

बिहार में पहले चरण मतदान आज

● **45,341 बूथ बनाए गए, चुनावी मैदान में 1314 उमीदवार**

एजेंसी
पटना। बिहार में पहले चरण मतदान आज यानी छह नवंबर को है। 115 विधानसभा क्षेत्र के 45341 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग होगी। छह विधानसभा क्षेत्रों के 2135 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से पांच बजे तक ही वोटिंग होगी। बुधवार सुबह से ही डिस्पैच सेंटरों से मतदान कर्मी ईवीएम-वीवीपैट और अन्य सामग्री लेने में जुट गए। आज शाम तक सभी मतदान केंद्र पर सुरक्षा बल पहुंच जाएंगे। गुरुवार सुबह पांच बजे ही बूथ लेवल एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल किया जाएगा। इसके दो घंटे बाद यानी सात बजे मतदान शुरू होग।

पहले चरण में इन जिलों में मतदान

पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होगा। यह जिले हैं- मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर। इन 121 सीटों पर कुल 2496 नामांकन दाखिल हुए थे। जांच के क्रम में 1939 को वैध पाया गया। उनमें से 70 प्रत्याशियों ने

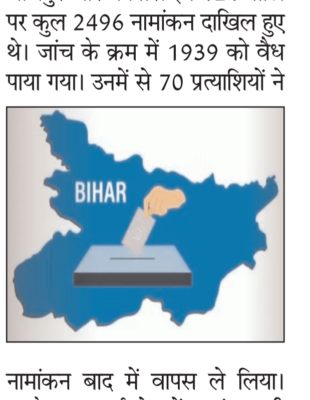

नामांकन बाद में वापस ले लिया। इसके बाद, कई सेट में नामांकन की छंटनी करते हरेक प्रत्याशी के एक नामांकन को लिया गया तो प्रत्याशियों की कुल वास्तविक संख्या 1314 रह गई। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। इस चरण में 102 सामान्य और 19 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर मतदान होगा।

100 वर्ष से अधिक आयु वाले 6,736 मतदाता

पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।। इसके अलावा, 1, 00, 904 सर्विस वोटर भी इस चरण में वोट डालेंगे। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। 3, 22, 077 दिव्यांग मतदाता और 5, 31, 423 वरिष्ठ नागरिक मतदाता (जिनमें 80 वर्ष से अधिक आयु वाले 5, 24, 687 और 100 वर्ष से अधिक आयु वाले 6,736 मतदाता शामिल हैं) भी लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेंगे। पहले चरण के मतदान में सात लाख 37 हजार 765 मतदाता ऐसे हैं जो पहली बार मतदान करेंगे। इनमें से अधिक 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवा वोटर है। वहीं 18 से 40 वर्ष के बीच के 1, 96, 27, 330 युवा मतदाता इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

गुरु नानक देव जी के उपदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोतः मुयमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है। योगी ने कहा कि अगर कहीं कोई कमी है, तो हमें उसे दूर करना होगा। गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने जब खालसा पंथ की स्थापना की, तब उन्होंने समाज के हर वर्ग को जोड़ा। उसी भावना को हमें फिर से जीवंत करना होगा।

बिहार में चुनाव... तमिलनाडु, पंजाब से लेकर तमाम कारखानों में काम पड़ गया सुस्त

इस बार मतदान करने बड़ी तादाद में बिहार लौटे मजदूर

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनावों की गूंज सैकड़ों किलोमीटर दूर दूसरे राज्यों में भी साफ सुनाई दे रही है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को चुनाव होने हैं, जिसमें 7.40 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता हैं। चुनाव बिहार में हो रहे हैं लेकिन तमिलनाडु के कपड़ा कारखानों से लेकर पंजाब के तमाम कारखानों तक कई राज्यों में कारोबार सुस्त पड़ गए हैं। इसका सीधा कारण बिहारी कामगार मजदूर हैं, इनके बल पर कई राज्यों में उद्योग और दूसरे धंधे चलते हैं। इन राज्यों में काम करने वाले 30 से 60 प्रतिशत बिहारी कामगार 25 अक्टूबर से शुरू हुए छठ पर्व के लिए अपने राज्य लौटे थे और 11 नवंबर को विधानसभा चुनाव में मतदान करने के बाद ही लौटने वाले है। उद्योग जगत के कई सूत्रों ने बताया कि लोकसभा चुनावों या स्थानीय निकाय चुनावों में ऐसा नहीं होता था। लेकिन विधानसभा चुनावों के लिए बिहारी कामगारों के जत्थे के जत्थे लौट गए हैं, जिससे सभी प्रमुख औद्योगिक राज्यों में निर्माण, उत्पादन एवं परिवहन क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। उदाहरण के लिए तिरुपुर में बिहार के 2.5 लाख लोग काम करते हैं। तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टेमा) के अध्यक्ष एम मुत्तुरत्नम ने कहा, 'हमारे काम पर असर पड़ा है, क्योंकि 2.5 लाख लोगों में 50-60 प्रतिशत इस बार बिहार वापस चले गए हैं। कई लोगों को उनके रिश्तेदार और दूसरे लोगों ने टिकट भेजकर बुलाया है।' ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों सहित असंगठित श्रमिकों के जो आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक काम की तलाश में दूसरे राज्यों का सबसे अधिक रुख उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग ही करते हैं। इसमें बिहारी मजदूर करीब 3 करोड़ हो चुके हैं। तिरुपुर अकेला नहीं है, जहां औद्योगिक गतिविधियां रुक गई हैं।

दक्षिण भारत की एक बड़ी सीमेंट कंपनी के आला अधिकारी ने बताया कि बिहार में चुनाव के कारण आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में निर्माण और दूसरी बुनियादी गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं। सीमेंट की मांग में भारी गिरावट दिख रही है। उद्योग जगत के दूसरे लोगों के मुताबिक इसकी वजह बिहार चुनाव के इस बार के मुद्दे हैं, जिसमें बेरोजगारी, गरीबी और पलायन की सबसे ज्यादा बात हो रही है। प्रवासियों के बीच काम करने वाले एनजीओ के मुताबिक इससे पहले कभी बिहारी कामगार चुनाव के दौरान इतनी बड़ी तादाद में नहीं गए थे। उनके जाने से निर्माण गतिविधियों और केरल में फुटवियर जैसे प्रमुख उद्योगों पर भी असर पड़ा है।'

पश्चिम बंगाल के नदिया में पुलिस और बीएसएफ जवानों के बीच झड़प

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चापड़ा थाना क्षेत्र में हुई, जहाँ पुलिस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों के बीच झड़प हो गई। यह पूरी घटना कफ सिरप की तस्करी की एक बड़ी खेप से जुड़ी हुई थी। लगभग 11 पेटी कफ सिरप एक वाहन में करीमपुर क्षेत्र से चापड़ा की ओर ले जाया जा रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली और उन्होंने शिमनगर में नाकाबंदी की। तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए और कफ सिरप की पेटियां मौके पर छोड़ दीं। जब पुलिस जब्ती की कार्रवाई कर रही थी, तभी बीएसएफ के जवान मौके पर पहुँचे और सिरप की खेप को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। बीएसएफ जवानों ने दावा किया कि यह क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में आता है और तस्करी सीमा से संबंधित है, इसलिए जब्ती का अधिकार उन्हें है। लेकिल पुलिस ने तर्क दिया कि सूचना उनके पास थी और कार्रवाई स्थानीय थाने की जिम्मेदारी है। इसी गलतफहमी और क्षेत्रीय अधिकारों को लेकर मतभेद के चलते दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई, जो हाथापाई में बदल गई। इस झड़प में एक पुलिस अधिकारी सहित तीन लोग घायल हुए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद एक बीएसएफ जवान को हिरासत में लिया, लेकिन पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। इसके बाद स्थिति को संभालने नदिया जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि मामले की जांच जारी है।

हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर शराब के नशे में पहुंचा शख्स... सेवादारों ने पकड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के मौके एक व्यक्ति नशे की हालत में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर पहुंचा। जब मौके पर मौजूद लोगों और सेवादारों ने व्यक्ति से पूछा कि क्या शराब पी रखी है, तब बेझिझक जवाब दिया- हां, मैंने दारू पी है और मैं पीता हूं। वीडियो बना लो, गुरु मेरा राखा है। मैं किरपाण पहनकर पीता हूं। शख्स ने खुद को गुरसिख बताकर कहा कि वह हरियाणा के करनाल का रहने वाला है और पिछले तीन महीनों से अमृतसर में रह रहा है। लोगों का कहना है कि, व्यक्ति शराब के नशे में धुत होकर अनुचित व्यवहार करने लगा। मौके पर मौजूद सेवादारों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पकड़कर पवित्र परिसर से बाहर निकाल दिया। श्रद्धालुओं ने कहा कि समय पर रोक न लगाई जाती, तब वह अंदर जाकर कोई अनुचित हरकत कर सकता था। घटना से श्रद्धालुओं में रोष है और सभी ने कहा कि हरमंदिर साहिब की पवित्रता से समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर एक व्यक्ति नशे की हालत में पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह शराब के नशे में धुत होकर श्रद्धालुओं के बीच अनुचित व्यवहार करने लगा। आसपास मौजूद सेवादारों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कार्रवाई की और उसे पकड़ लिया, ताकि वह परिसर के अंदर प्रवेश न कर सके।

मदरसे से निकले लाखों के नकली नोट का मास्टरमांइड निकला डॉ प्रतीक

-पुलिस ने निलंबित डॉक्टर की संपत्ति को किया सीज

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में मदरसे से निकले 20 लाख के नकली नोट के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने दावा किया है कि बुराहनपुर का निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे ही इस नकली नोट कांड का असली मास्टरमाइंड है। प्रतीक नवलखे की संपत्ति सीज कर दी गई है। महाराष्ट्र की मालेगांव पुलिस ने हरीरपुरा निवासी जुबेर अंसारी को 29 सितंबर को 10 लाख रुपए के नकली नोटों के साथ पकड़ा था। मामला सामने आने के बाद खंडवा जिले के पेठिया जहां जुबेर एक मस्जिद में इमाम था, वहां के मुस्लिम लोगों ने पुलिस बुलाकर उसके कमरे की तलाशी करवाई। तलाशी में मदरसे से 19.87 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। अब इस मामले में बुरहानपुर के निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे का नाम सामने आया, जो इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। इसके बाद बुरहानपुर पुलिस ने इतवारा गेट स्थित निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे संपत्ति को सीज कर दिया है। बुरहानपुर के एएसपी ने बताया कि महाराष्ट्र में डॉक्टर प्रतीक के खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही बुरहानपुर में उसके मकान को सीज कर दिया है। यह कार्रवाई जांच समिति को जांच में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए भीड़, देवरिया में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी

देवरिया(एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर स्नान के लिए भीड़ उमड़ी है। देवरिया में सरयू नदी में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। महिलाएं चिल्लाने लगी। श्रद्धालुओं को डूबता देख घाट पर मौजूद गोताखोर और नाविक नदी में कूद गए। जैसे-तैसे महिलाओं और डूब रहे श्रद्धालुओं को रस्सी के सहारे बचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सरयू का बहाव तेज था। नाव भी ओवरलोड थी। तभी बीच धारा में पहुंचते ही नाव डगमगा गई और पलट गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां हादसा हुआ वहां नदी की गहराई 20 फीट से ज्यादा थी। वहीं कार्तिक पूर्णिमा पर काशी और प्रयागराज में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं। अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर भी 5 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ रही। यहां हनुमान गढ़ी में दर्शन के लिए भक्तों की एक किमी लंबी लाइन लगी है। अमरोहा, हापुड़ और बरेली के घाटों पर भी स्नानार्थियों का सैलाब उमड़ा। अमरोहा-हापुड़ में 40-40 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। बदायूं में भक्त बैलगाड़ी से गंगा स्नान करने पहुंचे। उधर, काशी की देव दिवाली को देखने के लिए 40 से ज्यादा देशों के लोग पहुंचे हैं।

गोपालगंज में जेडीयू-कांग्रेस समर्थकों में झड़प, चाकूबाजी में एक घायल

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के बीच गोपालगंज जिले के गोपालपुर इलाके में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और कांग्रेस पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प हुई है। यह झड़प जदयू उम्मीदवार अमरेंद्र कुमार उर्फ पप्पू पांडेय और कांग्रेस उम्मीदवार हरिनारायण कुशवाहा के समर्थकों के बीच हुई। हिंसक झड़प में एक युवक, जो कांग्रेस समर्थक बताया जा रहा है, गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तमिलनाडू में शिव मंदिर में जीर्णोद्धार के दौरान मिले 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के

तिरुवन्नामलाई (एजेंसी)। तमिलनाडु के एक मंदिर में कुछ ऐसा हुआ, इसके बाद पूरे इलाके में हलचल मच गई। दरअसल, तिरुवन्नामलाई में जाव्वदु पहाड़ियों के पास स्थित शिव मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के दौरान 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के मिले हैं। पुलिस ने बताया कि मंदिर में निर्माण कार्य के दौरान जमीन के अंदर से अचानक खटखट की आवाज आई और जब मिट्टी हटाकर देखा गया, तब सोने के सिक्के थे। बात दें कि तिरुवन्नामलाई जिले में जाव्वदु पहाड़ियों के निकट बसे एक प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान पुरातात्विक खजाने का अनमोल नगीना मिला है। मिट्टी के एक घड़े से बरामद 103 सोने के प्राचीन सिक्के न केवल स्थानीय इतिहासकारों को उत्साहित कर रहे हैं, बल्कि चोल साम्राज्य की समृद्ध विरासत को फिर से जीवंत कर रहे हैं। पुलिस ने इस खोज की पुष्टि की, जो तमिलनाडु के धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ रही है। दरअसल, कोविलूर में शिवन मंदिर में मुख्य देवता के गर्भगृह के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान तीन नवंबर को मिट्टी के एक घड़े से सोने के 103 प्राचीन सिक्के बरामद हुए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'सोमवार को निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी के घड़े से लगभग 103 सोने के सिक्के मिले। उन्होंने कहा कि यह मंदिर कई सदियों पुराना है और माना जाता है कि चोल सम्राट राजराजा चोलन तृतीय के समय में बनाया गया था। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग और हिंदू धार्मिक तथा धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया और उन्होंने सिक्कों को अपने अभिरक्षण में ले लिया।

क्यों नहीं मिल रहा जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा... गवर्नर खान ने बताया

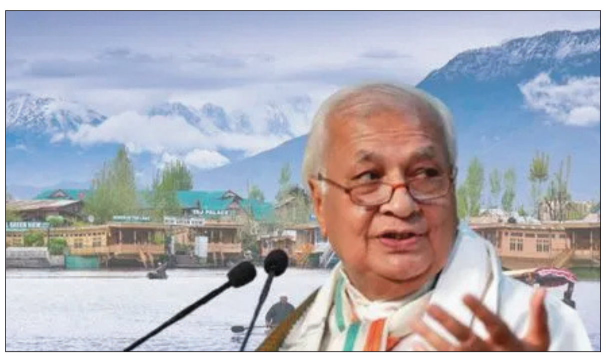

जम्मू (एजेंसी)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान इन दिनों जम्मू और कश्मीर में हैं। यहां उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के राज्य का दर्जा बहाली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सब चाहते हैं कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले, लेकिन इसके लिए हालात सामान्य होना जरूरी है।

बिहार के गवर्नर खान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी इच्छा है कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाए। लेकिन, इसके लिए जरूरी है कि इस केंद्र शासित प्रदेश में हालात बिल्कुल सामान्य हो जाएं। उन्होंने श्रीनगर में कहा, हम सब फिक्रमंद हैं...हम सब चाहते हैं कि नॉर्मल हालात हों...सबकी ख्वाहिश ये है...पूरे हिंदुस्तान की ख्वाहिश ये है...प्रधानमंत्री की है कि कश्मीर राज्य की हैसियत से खुद अपना सबकुछ तय करे...लेकिन, ये हालात नॉर्मल करना होगा। ये आप और हमारा काम है कि हम वहां हालात पैदा कर सकें कि जिस तरह से नॉर्मल कानून सब जगह चल रहा है, उस तरह से कश्मीर में भी चले।

बता दें कि केंद्र का संसद से लेकर सार्वजनिक स्तर पर और अदालत तक में इस मुद्दे पर यही रुख रहा है कि समय आने पर जम्मू और कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी श्रीनगर में सार्वजनिक तौर पर यह भरोसा दे चुके हैं। लेकिन, इसके लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। जबकि, प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस से लेकर अन्य राजनीतिक दल इस लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। 18 अक्टूबर, 2025 को पटना में एक प्रेस कांफ्रेंस में जब गृहमंत्री से जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के उस बयान की ओर इशारा किया गया कि उनकी सरकार बनने के एक साल बाद भी राज्य का दर्जा नहीं मिलने से जम्मू और कश्मीर और दिल्ली के बीच एक खाईबनी हुई है।

रक्षा क्षेत्र में मिल-जुलकर की गई खोज सबसे मजबूत सुरक्षा कवच : सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आज दुनिया में कई तरह के खतरे हैं और ये तेजी से बदल रहे हैं। इसके बाद कोई भी देश अपने दम पर सुरक्षित नहीं रह सकता। अब सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में मिलजुलकर की गई खोज (इनोवेशन) ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। जनरल द्विवेदी ने यह बात एक कार्यक्रम में कही। इस कार्यक्रम में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ और उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। इस दौरान सेना प्रमुख ने कहा कि सेना अब ड्रोन युद्ध, क्वांटम टेक्नोलॉजी, 6जी और स्पेस मिशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। हम इसतरह की तकनीकों पर काम कर रहे हैं जो नागरिक और सैन्य दोनों जगह उपयोगी हों।

जनरल द्विवेदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को आर्थिक मजबूती मिली है, अब सेना को काम करने में ज्यादा आजादी और लचीलापन मिल रहा है। इसका कारण नए हथियार और तकनीक को शामिल करने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य में होने वाली लड़ाई में मशीनें और टेक्नोलॉजी का बड़ा रोल होगा। सेना अब पूरी तरह ऑटोमेशन और मैन-अनमैन्ड टीम्स की तरफ देख रही है। इससे सैनिकों की उतनी ही संख्या से हमें ज्यादा काम मिल सके। यह तभी हो पाएगा, जब उद्योग हमारे साथ मिलकर नई तकनीक दें। आने वाले समय में युद्ध किसी एक तरीके या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य की जंग इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपने विचारों को कितनी जल्दी असली ताकत और क्षमता में बदल पाते हैं। विचार से क्षमता तक पहुंचने का मतलब है कि निर्भरता से आत्मनिर्भरता और फिर आत्मनिर्भरता से शक्ति हासिल करना। भारत ने कई आधुनिक हथियार बनाए हैं, जैसे आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, एटीएजीएस तोप और जोरावर लाइट टैंक। ये उदाहरण बताते हैं कि भारत अब रक्षा के क्षेत्र में अपने दम पर मजबूत हो रहा है। अब बेशक लड़ने का तरीका बदल गया है और अब झगड़े सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहते। लेकिन चाहे युद्ध जैसा भी हो, अंत में जमीन ही जीत का असली पैमाना होती है, यही असली सफलता तय करती है।

इस देश में 'गजवा-ए-हिंद' नहीं, 'भगवा-ए-हिंद' होगा, धीरेंद्र शास्त्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आध्यात्मिक गुरु और बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने कवि कुमार विश्वास के साथ बुधवार को उत्तरकाशी के बड़कोट में यमुना नदी के किनारे पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने नदी की शुद्धता पर चिंता जताते हुए एक बड़ी 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' की घोषणा की।

मां यमुना की शुद्धता पर जताई चिंता : यमुना तट पर पूजा के बाद, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने नदी की शुद्धता देखकर हैरानी जताई और ब्रज क्षेत्र तथा दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) में इसके प्रदूषित रूप पर दुख व्यक्त किया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'यहां, मां यमुना का पानी सोने जैसा एकदम शुद्ध है। मां यमुना का यह रूप देखकर, मुझे हैरानी हुई कि ऐसी पवित्रता ब्रज क्षेत्र और दिल्ली में क्यों नहीं मिलती। यह देखकर मेरा दिल बैठ गया।' उन्होंने यमुना को उसके मूल शुद्ध रूप में वापस लाने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' का ऐलान : आध्यात्मिक गुरु आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू एकता के उद्देश्य से एक बड़ी पदयात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा 7 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक चलेगी, जिसका मार्ग दिल्ली से वृंदावन होगा। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को एक साथ लाना और सनातनियों को एकजुट करना है। इस दौरान, शास्त्री ने दृढ़ता से कहा कि इस देश में कोई 'तनातनी' नहीं होगा, सिर्फ 'सनातनी' होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में राजनीतिक और धार्मिक रूप से तीखे बयान भी दिए, जिसमें उन्होंने कहा, 'इस देश में कोई 'गजवा-ए-हिंद' नहीं होगा, सिर्फ 'भगवा-ए-हिंद' होगा। राम का साथ देने वालों की जयकार होगी, राम का विरोध करने वालों की नहीं।'

जब सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट तो दलित रेजिमेंट क्यों नहीं?

-कांग्रेस नेता उदित ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की है। उनका कहना है कि जब राजपूत रेजिमेंट है, तो अन्य रेजिमेंट्स भी होना संभव हैं। इसके अलावा उन्होंने सवाल उठाया है कि देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों, न्यायपालिका में एक भी दलित प्रमुख नहीं है। मंगलवार को ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि भारतीय सेना देश की 10 फीसदी आबादी के नियंत्रण में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना में जाति की बात करने के सवाल पर राज ने कहा, क्या सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट नहीं है? चमार रेजिमेंट थी, लेकिन अंग्रेजों ने खत्म कर दी, क्योंकि ईमानदारी से लड़े थे। इसे बहाल क्यों नहीं किया गया। क्या बात है, वहां लड़ने की ही बात है और क्या है। उन्होंने कहा कि वहां एक तरह से ग्रुप बना रखा है। किस आधार पर प्रमोशन होता है, किस आधार पर? पहले तमाम रेजिमेंट थीं, महार रेजिमेंट था। खत्म कैसे हुआ। जब आपका राजपूत रेजिमेंट हो सकता है, तो दलित क्यों नहीं हो सकता।

इससे पहले कांग्रेस नेता ने कहा कि 48 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। एक भी दलित कुलपति नहीं है। यही स्थिति न्यायपालिका में और कॉर्पोरेट जगत में है...। एक फीसदी आबादी के पास दुनिया की आधी से ज्यादा संपत्ति है। भारत में असमानता तेजी से बढ़ रही है...।

वहीं बिहार के कुटुम्बा में रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि अगर आप करीब से देखेंगे, तो देश की 90 फीसदी आबादी दलित, महा दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा या अल्पसंख्यक समुदाय से है। 90 फीसदी लोग समाज के अति पिछड़ा और आदिवासी वर्ग से आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप भारत की 500 बड़ी कंपनियों की लिस्ट निकालेंगे, तो आपको कोई भी पिछड़ा या दलित समुदाय से वहां नहीं मिलेगा। वह सभी शीर्ष 10 फीसदी से आते हैं। सभी नौकरियां उन्हें मिलती हैं। सशस्त्र बलों पर उनका नियंत्रण है। आपको कहीं भी 90 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा।

खजुराहो पहुंचे राकेश किशोर ने एएसआई पर लगाया, हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप

छतरपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले दिल्ली के वकील डॉ. राकेश किशोर कुमार दो दिन से खजुराहो में हैं। उन्होंने बुधवार सुबह करीब 10 बजे खजुराहो के जवारी मंदिर में प्रार्थना की। उन्होंने आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएआई) पर हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनके साथ राम राज मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज ऋषि राजेंद्र सिंह नरूका, श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस मथुरा के मुख्य पक्षकार कौशल किशोर ठाकुर और अन्य धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

एएसआई अधिकारी दीक्षांत चावरे ने पूजा के बाद सभी लोगों को मंदिर खाली करने के लिए कहा। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि खजुराहो के सभी स्मारक आम पर्यटकों के लिए खुले हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की पूजा, अर्चना, ध्यान या योग करना मना है। उन्होंने कहा कि राकेश किशोर या उनके सहयोगियों ने इसके लिए कोई परमिशन नहीं ली थी और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खंडित प्रतिमा पर बयानः राकेश किशोर ने जवारी मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित प्रतिमा के सामने प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि वह मूर्ति की पुनर्स्थापना और अपनी मांगें पूरी होने के बाद ही माल्यार्पण करुंगा। उनका कहना था कि मूर्ति खंडित नहीं होती, मानसिकता खंडित होती है। उन्होंने मांग की कि मूर्ति के शीश को जोड़कर और बगल में एक छोटी मूर्ति स्थापित करके पूजा योग्य बनाया जाए। उन्होंने भोजपुर मंदिर के शिवलिंग और संभल की मस्जिद का उदाहरण देकर एएसआई पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं राकेश किशोर ने 1958 में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए एक्ट को बदलने की आवश्यकता बताकर कहा कि मूर्तियों की पुनर्स्थापना और पूजा पाठ पहले किया जाना चाहिए, उसके बाद कानून लागू होना चाहिए।

प्रकाश पर्व के बहाने सिखों और हिंदुओं में फूट डालने की कोशिश

-पाकिस्तान ने सिखों का किया स्वागत पर हिंदू श्रद्धालुओं को नही दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वो किसी न किसी बहाने भारत में फूट डालने के प्रयास करता रहा है। श्री गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर पाकिस्तान ने कुछ इसी तरह की हरकत की है। दरअसल,पर्व में शामिल होने के लिए भारत से पहला सिख जत्था पाकिस्तान पहुंच गया। इस दौरान पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने सिखों का तो फूलों से स्वागत किया, लेकिन हिंदू श्रद्धालुओं को सीमा पार करने की इजाजत नहीं दी। यह कदम भारत के लिए न केवल अभूतपूर्व माना जा रहा है, बल्कि इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हिन्दुओं और सिखों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, हिंदू श्रद्धालुओं ने वाघा बॉर्डर पर सभी इमिग्रेशन और यात्रा औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं। वे ननकाना साहिब जाने वाली विशेष बस में सवार होने ही वाले थे कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अचानक उन्हें रोक दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के श्रद्धालु अमरचंद ने बताया कि वह अपने सात परिजनों के साथ यात्रा पर थे। उन्होंने कहा, 'हमने अटारी बॉर्डर पार किया, वाघा पहुंचे, सारी इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी की और टिकट भी ले ली। लेकिन बस में चढ़ने से ठीक पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा, 'आप हिंदू हैं, आप सिख जत्थे के साथ नहीं जा सकते।' इसी तरह लखनऊ से आए सात श्रद्धालुओं का समूह भी लौटने को मजबूर हुआ। भारतीय अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को 'चौंकाने वाला और निंदनीय' बताया है। उनका कहना है कि यह पहला मौका है जब धार्मिक यात्रियों को उनके धर्म के आधार पर अलग किया गया और रोक दिया गया।

उधर भारतीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की यह कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। एजेंसियों का कहना है कि यह रवैया गुरुद्वारा दरबार साहिब, करतारपुर साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ भी अपनाया जा सकता है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से करतारपुर कॉरिडोर भी बंद है।

इस बार पाकिस्तान के उच्चायोग ने 2,100 से अधिक श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया था, लेकिन केवल 1,796 सिख श्रद्धालु ही सीमा पार कर सके। करीब 300 श्रद्धालुओं को प्रोटोकॉल नियमों का पालन न करने पर रोक दिया गया, जिसके बाद उन्होंने सीमा पर विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन बाद में उन्हें लौटना पड़ा। वहीं

पाकिस्तान पहुंचे सिख श्रद्धालुओं का लाहौर में पंजाब प्रांत के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा और पाकिस्तान इवैक्यू ट्रस्ट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान का यह रवैया न केवल धार्मिक यात्राओं की भावना के विपरीत है, बल्कि इससे भारत-पाक धार्मिक कूटनीति पर भी असर पड़ सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय से उम्मीद की जा रही है कि वह इस घटना को लेकर इस्लामाबाद से औपचारिक विरोध दर्ज कराएगा।

फर्जी एसिड अटैक मामले में छात्रा का पिता गिरफ्तार

दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के भारत नगर थाना पुलिस ने एसिड अटैक के फर्जी मामले में छात्रा के पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में उसके चाचा और भाई को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी अकील दुष्कर्म के मामले में जेल में है। अभी तक की जांच में अकील का नाम मुख्य साजिशकर्ता के तौर पर सामने आया है। पुलिस अब उसे रिमांड पर लेकर घटना के बारे में पूछताछ करेगी। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि अकील खान को पहले भलस्वा डेरी थाने में दर्ज एक दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वहां पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद अब उसे फर्जी एसिड अटैक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले पुलिस छात्रा के चाचा वकील खान और भाई को पकड़ चुकी है। इनसे पूछताछ में खुलासा हुआ है कि तीनों ने मिलकर वारदात की साजिश रची थी। इसका उद्देश्य छात्रा के पिता पर लगे दुष्कर्म के आरोप से पुलिस का ध्यान भटकाना था। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक अभी तक की जांच में यह बात सामने आई है कि अकील खान ने अपने भाई वकील के साथ मिलकर बेटी की मदद से एसिड अटैक की कहानी रची। छात्रा ने खुद पर हल्का एसिड डालकर हाथ झुलसा लिया था और फिर कालेज के पास हमले की झूठी कहानी रची। इस दौरान छात्रा का भाई भी वारदात में शामिल था। उसने लक्ष्मीबाई कालेज के पास छात्रा को स्कूटी से पहुंचाने और घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाने में मदद की। फिलहाल छात्रा का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

युवती से छेड़छाड़ व लूटपाट के आरोपी स्कूटी राइडर को जमानत

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने युवती से छेड़छाड़ व लूटपाट के आरोपी स्कूटी राइडर को जमानत दे दी है। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी पी भार्गव राव ने आदेश में कहा कि सीसीटीवी की फुटेज में आरोपी के पास कथित चोरी किया गया बैग दिखाई नहीं दे रहा है। उससे कोई बरामदगी भी नहीं हुई है और न ही उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड है। ऐसे में उसे जमानत दी जा रही है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि जमानत देना नियम है, जबकि जेल भेजना अपवाद है। आरोपी की अर्जी पर हुई सुनवाई में उसकी ओर से पेश वकील ने पक्ष रखते हुए कहा कि उनके मुवक्किल पर लगाए गए

मौसम में बड़ा उलटफेर... इस बार देर से आएगी सर्दी

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। इस बार उत्तर भारत में ठंड की दस्तक देर से होगी। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुमान के मुताबिक देश में बारिश इस माह सामान्य (77-123 प्रतिशत) रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान ज्यादातर क्षेत्रों में सामान्य या सामान्य से कम रह सकता है। ला नीना और नकारात्मक आईओडी स्थितियों का प्रभाव सर्दी की शुरुआत और बारिश के पैटर्न पर दिखाई देगा, खासकर दक्षिण भारत और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में। आईएमडी के मुताबिक नवंबर में पूरे देश का सामान्य औसत 29.7 मिमी रहता है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत जिसमें तमिलनाडु, पुडुचेरी-कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश-यनम, रायलसीमा, केरल-माहे और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक शामिल हैं, में सामान्य बारिश की संभावना जताई गई है। इस क्षेत्र में अक्टूबर-दिसंबर के दौरान सक्रिय पूर्वोत्तर मानसून के तहत नवंबर में सामान्यत: 118.7 मिमी बारिश होती है। आईएमडी के अनुसार दक्षिण भारत उत्तर-पूर्वी राज्यों और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में सामान्य से अधिक या सामान्य बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत तथा दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रहने की आशंका है। वहीं पंजाब और हिमाचल प्रदेश में मंगलवार से दो दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। आईएमडी ने कहा है कि भमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में ला नीना स्थितियां सक्रिय हैं और ये दिसंबर 2025 तक बनी रह सकती हैं। इसके प्रभाव से दक्षिण भारत में बारिश बनी रह सकती है, जबकि उत्तर भारत में सर्दी की शुरुआत देर से हो सकती है। इसके साथ ही हिंद महासागर में नकारात्मक इंडियन ओशियन डाइपोल (आईओडी) की स्थिति बनी हुई है, हालांकि आने वाले महीनों में इसके कमजोर होने की संभावना है। प्रशांत महासागर की ईएनएसओ (एल नीनो-ला नीना चक्र) और हिंद महासागर के समुद्री तापमान पैटर्न भारतीय जलवायु को गहराई से प्रभावित करते हैं। कुल मिलाकर, नवंबर 2025 में देश सामान्य बारिश और मध्यम तापमान उतार-चढ़ाव के साथ मौसम में बदलाव का महीना रहेगा। दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून सक्रिय रहेगा, जबकि उत्तर भारत में ठंड की दस्तक थोड़ी देर से हो सकती है। रातें सामान्य से ज्यादा गर्म और दिन सामान्य दायरे में रहने की संभावना है। मंगलवार से पंजाब में कुछ जगहों पर दो दिन हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की कमी दर्ज की जा सकती है। रविवार को हल्के कोहरे के कारण खास तौर से लुधियाना व अमृतसर में दृश्यता कम दर्ज की गई। सुबह के समय लुधियाना में दृश्यता 500 मीटर,

अमृतसर में 700 मीटर और पटियाला में 1500 मीटर दर्ज की गई। रविवार को भी पंजाब के तापमान में गिरावट जारी रही। अधिकतम तापमान में 0.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 0.7 डिग्री की कमी दर्ज की गई। पंजाब का अधिकतम पारा सामान्य के नजदीक बना है। वहीं, न्यूनतम पारा सामान्य से 2.6 डिग्री ऊपर बना है। सबसे अधिक 32.7 डिग्री का पारा मानसा का दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम पारा 12.8 डिग्री का बठिंडा का दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि देश के बड़े हिस्से में अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहेगा। लेकिन उत्तर-पूर्व भारत, उत्तर-पश्चिम के कुछ इलाके, दक्षिण भारत और हिमालयी तलहटी वाले क्षेत्र सामान्य से अधिक गर्म दिन देख सकते हैं। न्यूनतम तापमान के मामले में तस्वीर उलटी है। देश के ज्यादातर इलाकों में रात का तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। केवल उत्तर-पश्चिम भारत में ही न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने का अनुमान है। इसका मतलब यह है कि ठंड की शुरुआत कई इलाकों में थोड़ी देर से महसूस होगी और रातें अपेक्षाकृत गर्म रह सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में चार और पांच नवंबर को गरज के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी हुआ है। चार नवंबर से पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय होगा। मंगलवार को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, चंबा और मंडी जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। बुधवार को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सोलन जिलों में इसी तरह का पूर्वानुमान है। वहीं, मौसम केंद्र शिमला की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार सुंदरनगर, पालमपुर और भुंतर की रातें शिमला से ठंडी हो गई हैं।

100 से ज्यादा फर्जी होटल बुकिंग वेबसाइट बनाने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

झनई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व जिले की साइबर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पूरे भारत में फर्जी होटल बुकिंग वेबसाइट चलाकर लोगों के साथ ठगी कर रहे थे। पुलिस ने इनकी 100 से ज्यादा फर्जी होटल वेबसाइटें पकड़ी हैं, साथ ही एनसीआरपी पोर्टल के जरिए 132 संबंधित शिकायतों का पता चला है। पुलिस को जांच में पता चला है कि आरोपी 1 करोड़ से ज्यादा की रकम लोगों से ठग चुके हैं। आरोपी 500 से ज्यादा लोगों के साथ ठगी कर चुके हैं। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि इनके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल किए गए 6 मोबाइल, 1 लैपटॉप और जाली डिजिटल रिकॉर्ड बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि शशांक रायजादा ने साइबर पुलिस स्टेशन में 19 अगस्त को जेडब्ल्यू मैरियट, चंडीगढ़ में होटल बुकिंग के बहाने 68,000 रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी के संबंध में एक शिकायत दी थी। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4)/61(2)/3(5) के तहत मामला दर्जकर जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि एसीपी ऑपरेशन हरि सिंह, साइबर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर पंकज कुमार व इंस्पेक्टर पंकज लाकड़ा की टीमों ने 23 से 31 अक्तूबर के बीच पांच राज्यों में 144 घंटे का अंतरराज्यीय ऑपरेशन चलाया। ग्राम झेंझपुरी, जिला डीग (राजस्थान) में घेराबंदी कर जिला डीग राजस्थान निवासी शरूप (26), एकरार (27) और सोहेल (24) को गिरफ्तार कर लिया गया। ये तीनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चला कि एड्सलाइन नामक एक ऑनलाइन विज्ञापन एजेंसी के माध्यम से फर्जी होटल बुकिंग वेबसाइटें बनाई गई थीं। एड्सलाइन के मालिक ग्राम भूरा किशनी, उत्तराखंड निवासी गोपाल सिंह कार्की का पता लगाया गया और 30 अक्तूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से फर्जी वेबसाइट बनाने और चलाने में इस्तेमाल किए गए उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बरामद किए गए। आरोपियों ने भारत भर के प्रतिष्ठित पांच सितारा होटलों के नाम पर फर्जी वेबसाइटें बनाकर साइबर धोखाधड़ी का तरीका अपना रखा था। आरोपी गोपाल सिंह कार्की ने खुलासा किया कि वह अन्य आरोपियों को कमीशन के आधार पर डिजिटल मार्केटिंग और वेबसाइट सेवाएं प्रदान करता था। यह गिरोह असली होटल पोर्टलों की नकल करके फर्जी वेबसाइटें अपलोड करता था और पीड़ितों द्वारा किए गए भुगतान उनके द्वारा नियंत्रित विभिन्न खातों के माध्यम से किए जाते थे। यह गिरोह दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और उत्तराखंड में सक्रिय था और ऑनलाइन होटल बुकिंग की तलाश करने वाले पीड़ितों को निशाना बनाता था। शरुप पहले एक आपराधिक मामले में शामिल रहा है। वह इस रैकेट में कॉल करने, नकली सिम कार्ड की व्यवस्था करने और पीड़ितों से बातचीत करता था। आरोपी सोहेल ठगी की रकम से खरीदी गई चीजों को एकत्रित करता था। बाद में इन्हें रियायती दरों में बेचता था।

सुनहरा सपना नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति ने दिया संदेश

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री अरबिंदो कॉलेज की ड्रामेटिक सोसायटी मोक्ष के तत्वावधान में सोमवार को कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित सुनहरा सपना नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के इस कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण चौधरी ने किया। नुक्कड़ नाटक के उद्घाटन के अवसर पर कॉलेज प्राचार्य प्रो. अरुण चौधरी ने कहा, नुक्कड़ नाटक सुनहरा सपना में भारतीय शिक्षा प्रणाली के महत्व एवं उसके बदलते प्रतिमान के साथ-साथ युवा पीढ़ी के समक्ष आने वाली चुनौतियों को उजागर किया गया है। इन चुनौतियों का कैसे सामना किया जाए। उसकी ओर संकेत किया गया है। ड्रामेटिक सोसायटी मोक्ष के संयोजक प्रो. हंसराज सुमन ने बताया, सुनहरा सपना नाटक का मुख्य उद्देश्य छात्रों में कौशल आधारित शिक्षा, व्यावहारिक अधिगम और समग्र विकास की भावना को प्रोत्साहित करना है। विद्यार्थियों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल संदेश को वर्तमान युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नुक्कड़ नाटक के बीच-बीच में पात्रों ने कविताओं, गीतों व विभिन्न भाव भंगिमाओं द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्व को दर्शाया।

एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दिखेगा दिल्ली के मास्टर्स का दम, 65 एथलीट करेंगे प्रतिनिधित्व

कौमी पत्रिका
- चंद्रकान्त पाराशर

दिल्ली एनसीआर। दिल्ली एनसीआर 4-11-25= चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 5 से 9 नवंबर तक 23वीं एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में 22 देशों के 3312 एथलीट अपनी-अपनी प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लेकर एशिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट बनने की दौड़ में शामिल होंगे। इस चैंपियनशिप में 35 वर्ष और उससे अधिक आयु के एथलीट हिस्सा लेते हैं, जिसमें पूरे एशिया के कई देशों के प्रतिभागी शामिल होते हैं। मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन ऑफ़ दिल्ली के सचिव रविन्द्रन ठाकरान ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु दिल्ली से 65 महिला और पुरुष एथलीट चयनित किए गए हैं।इन्हीं में सीआईएसएफ में पूर्व इंस्पेक्टर व व्रङ्करु के पूर्व सुरक्षा अधिकारी रहे 73 वर्षीय श्री सत्य प्रकाश शर्मा

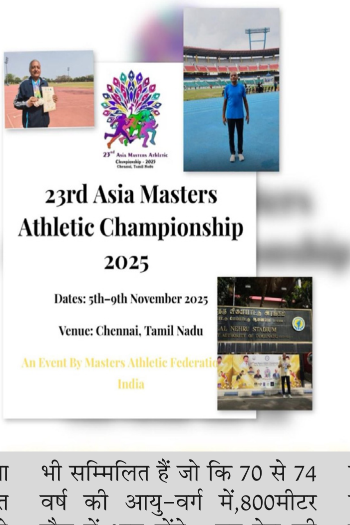

भी सम्मिलित हैं जो कि 70 से 74 वर्ष की आयु-वर्ग में,800मीटर दौड़ में भाग लेंगे ; वह देश की राजधानी दिल्ली में 800 एवं 1500 मी दौड़-2016 के स्वर्ण पदक विजेता भी रहे हैं । स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रहे सुरेश कटारिया से पिछले पाँच महीनों से नोएडा में कोचिंग ले रहे सत्य प्रकाश के हौसले बुलंद हैं और वह देश व प्रदेश का गौरव बढ़ाने के लिए एकदम तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली राज्य के खिलाड़ी हमेशा की तरह इस बार भी बेहतरीन प्रदर्शन कर पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन हर दो वर्ष में मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन द्वारा किया जाता है। यह संस्था वर्ष 1975 से अब तक 22 एशियाई और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सफलतापूर्वक आयोजित करवा चुकी है। इस बार भारत को तीसरी बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है।

वार्डों के उपचुनाव के लिए भाजपा में टिकट पर खींचतान, अधिकांश वार्डों में फंसा चयन

नई दिल्ली। एमसीडी के 12 वार्डों में होने वाले उपचुनाव के लिए टिकट चयन को लेकर भाजपा के भीतर जबरदस्त रस्साकशी शुरू हो गई है। प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक नेताओं में मतभेद और आपसी खींचतान इतनी बढ़ गई है कि अब उम्मीदवारों के नाम तय करने की प्रक्रिया रुक सी गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री, संबंधित क्षेत्रों के सांसद और विधायक अपने-अपने पसंदीदा चेहरों को टिकट दिलाने की कोशिश में जुटे हैं। कई राष्ट्रीय स्तर के नेता भी अपने खास कार्यकर्ताओं की पैरवी कर रहे हैं जिससे स्थिति और उलझ गई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश स्तर की बैठकों में टिकट वितरण को लेकर असामान्य दबाव देखा जा रहा है। अधिकांश वार्डों में चार-पांच प्रमुख दावेदार हैं जबकि कई जगह दस से अधिक नेताओं ने टिकट के लिए आवेदन किया है। इनमें स्थानीय पार्षद रह चुके नेता, पुराने कार्यकर्ता, पूर्व प्रत्याशी और कुछ नए चेहरे शामिल हैं। सांसद और विधायक अपने समर्थकों को टिकट दिलाने के लिए सक्रिय हैं।

वहीं, जिलों के पदाधिकारी स्थानीय उम्मीदवारों पर जोर दे रहे हैं। इस टकराव के कारण टिकट की अंतिम सूची तैयार करने में विलंब हो रहा है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व पर दबाव है। हर नेता चाहता है कि उसका व्यक्ति उम्मीदवार बने ताकि भविष्य की राजनीतिक स्थिति में उसका वर्चस्व बना रहे। सभी वार्डों में टिकट को लेकर लगातार बढ़ते असंतोष और गुटबाजी को देखते हुए प्रदेश भाजपा ने अब नया रास्ता अपनाया है। पार्टी ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक वार्ड में स्थानीय पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की राय लेकर ही उम्मीदवार तय किया जाएगा। इसके तहत भाजपा के जिला कार्यालयों में विशेष बैठकें आयोजित की जाएगी जिनमें संबंधित वार्ड के मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, पार्षद रह चुके नेता और बूथ स्तर तक सक्रिय नेताओं को बुलाया जाएगा।

किराए के भवन से बाहर आएंगे 18 थाने, पुलिस को मिलेंगी अपनी इमारतें

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के 18 पुलिस थानों की जल्द ही अपनी बिल्डिंग होगी। इसके लिए जमीन मिल गई है और केंद्रीय गृहमंत्रालय ने भवन बनाने की अनुमति भी दे दी है। थानों के लिए बिल्डिंग बनाने में कुल 653 करोड़ होंगे खर्च होंगे। परियोजना पूरा करने का जिम्मा सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (सीपीडब्ल्यूडी) को दिया जाएगा। गृह मंत्रालय ने हाल ही में पुलिस के 26 प्रोजेक्ट को अमली जामा पहनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 18 पुलिस थानों को बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 653.46 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति और खर्च की

मंजूरी दी है। इनमें से कुछ थानों की बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है तो कुछ किराए की इमारत में चल रहे हैं। जैतपुर थाना इनमें सबसे महंगा है लेकिन अन्य थानों का भी किराया लाखों में है। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 18 पुलिस स्टेशनों की बिल्डिंग के अलावा इस रकम से पुलिस की सात नई चौकियां भी बनाई जाएगी। ये चौकियां किराए के मकानों में चल रही है। इसी तरह रोहिणी में महिला स्टाफ के लिए एक वूमेन हॉस्टल बनाया जाएगा, जो सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। पुलिसकर्मियों को बेहतर आवास की सुविधाओं के मद्देनजर 15 पुलिस स्टेशन के परिसरों में कुल 180 फ्लैट्स बनाए जाएंगे, जिनमें हर कॉम्पलेक्स में 12-12 फ्लैट्स बनाने की योजना है। कई अन्य छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स भी है, जिन्हें इस रकम के जरिए पूरा करने में मदद मिलेगी। किराए की इमारतों में चल रहे पुलिस स्टेशन की वजह दिल्ली में जमीन की कमी बताई जा रही है। इसकी वजह से दिल्ली पुलिस पर मासिक खर्च बढ़ता है। स्टेशनों की बुनियादी ढांचागत स्थिति भी प्रभावित होती है। कई स्टेशनों के लिए सरकार नई इमारतें बनाने की योजना बना रही है। भारत नगर, शाहबाद डेरी, प्रेम नगर, स्वरूप नगर, भलस्वा डेरी, जैतपुर, सोनिया विहार, फतेहपुर बेरी, छावला, करावल नगर, निहाल विहार, रणहौला और तिगड़ी थाने किराए की बिल्डिंगों में चल रहे हैं।

मोहल्ला क्लीनिक कर्मियों की नौकरी बचाने के लिए कांग्रेस ने एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर रेखा गुप्ता सरकार पर मोहल्ला क्लीनिक में काम कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों को हटाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मांग की है कि इन कर्मचारियों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना में समायोजित किया जाए ताकि हजारों परिवारों की आजीविका पर संकट न आए। देवेंद्र यादव ने बताया कि शनिवार को मोहल्ला क्लीनिक स्टाफ यूनियन के पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात कर अपनी समस्याएं साझा कीं। यूनियन के अनुसार, मोहल्ला क्लीनिकों में पिछले 6-7 वर्षों से हजारों डॉक्टर, फार्मासिस्ट, क्लीनिक सहायक और मल्टी टास्क वर्कर कार्यरत हैं लेकिन सरकार अब तक 31 क्लीनिक बंद कर चुकी है और 121 अन्य क्लीनिकों को बंद करने की योजना बना रही है, जिससे हजारों प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों को बेरोजगार होना पड़ेगा। यादव ने कहा कि मौजूदा सरकार का यह कदम गैरकानूनी और अमानवीय है।

सड़क सफाई का महाअभियान शुरू, मैदान में उतरीं 200 मेंटेनेंस वैन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली को धूल और गंदगी से मुक्त करने के लिए सड़क सफाई का महाअभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसकी जानकारी दी है कि इसके लिए पीडब्ल्यूडी की 200 मेंटेनेंस वैन मैदान में उतारी गई हैं, जो रोजाना सड़कों की गहन सफाई करेंगी। हर वैन को कम से कम 200 मीटर सड़क की सफाई का लक्ष्य दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी की करीब 1400 किलोमीटर सड़कों पर यह अभियान चलाया जा रहा है।

NAME CHANGE
I MOHD SHOKEEN S/O MOHD SHAREEF R/O S-24/1A 1ST FLOOR GALI NO 6 ABDUL HAMEED ROAD JOGA BAI EXTN OKHLA JAMIA NAGAR NEW DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO MD SHOKEEN

NAME CHANGE
I, hitherto known as Ravindra Kumar S/O: Sukhbeera, R/O 179, nona, Wahalna, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251003,have changed my name and shall hereafter be known as TEETU.

NAME CHANGE
I hitherto known as Kamo Devi W/O Manikchand Raut, R/O A 1963 phase 2, Metro Vihar, Holambi Kalan, North West Delhi, Delhi 110082,have changed my name and shall hereafter be known as TILO DEVI.

NAME CHANGE
I MUSHTAAQEM S/O ISHAQ AHMED R/O H NO-H-193 GALI NO-4 CHOUHAN BANGER NEAR AL QURESH OPP DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD MUSTQEEM

NAME CHANGE
I KM SHAZIYA KHAN W/O ASIF SIDDIQUI R/O 278/5C BLOCK-C ABUL FAZAL ENCLAVE PART 2 SHAHEEN BAGH JAMIA NAGAR DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAZIA KHAN

NAME CHANGE
I, TARA D/O RAM SAGAR PANDEY R/O HOUSE NO-35/46-47,U-BLOCK,DLF PHASE-3,GURGAON,HARYANA-122010,HAVE CHANGED MY NAME TO TARA PANDEY FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I hitherto known as ASHA W/O ARVIND KUMAR GAUTAM R/O S-1, Plot No. B-63, DLF Dilshad EXTN. -2, Sahibabad, PO: Sahibabad, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as ASHA KUMARI.

PUBLIC NOTICE
"Be it known that my clients Mr. Bhikki S/o Sh. Mewaram, age about 53 years, aadhar card no-6209 1706 5633, and Chander Kala age about 48 years aadhar card no-4910 8797 3483 both are R/o H.No.263, 2nd Floor, Chirag Delhi Village, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017., have all relations with disowned/debarred and severed their all relations with their real son namely SH. HARI SHANKAR age about 26 years and his wife SMT. LATASHA KANOJIA aged about 25 years from all their moveable and immoveable properties/assets and have cancelled all their relations from him in future as they are continuously harassing, torturing, abusing and quarreling with my client and are completely out of their control. If anyone deals with them shall be doing at his/her own costs and risks and my client shall not held responsible of any kind of their acts and deeds.
(Juber Ahmad) Advocate
R-3/130, MOHAN GARDEN,
NEW DELHI-110059.
Contact No:-9868573064

NAME CHANGE
I, ARCHANA VERMA alias ARCHANA CHAUDHARY W/O Amardeep Verma R/O Flat No. 1310, AR Reflection, Raj Nagar Extension, PO: Raj Nagar Extension District Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201017, have changed my name and shall hereafter be known as ARCHANA CHAUDHARY.

NAME CHANGE
I, SACHIN GUPTA S/o SHYAM MOHAN GUPTA R/o 3/89, Sector - 2, Rajender Nagar, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005 have changed the name of my minor Daughter MISHTI GUPTA aged 9 years and she shall hereafter be known as ANAYA GUPTA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NAVEEN AGGARWAL S/O DINESH KUMAR R/O E-205/C, Khasra No. 101/10, Pal Hospital, Rajiv Nagar, Begumpur, PO: Begumpur, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi - 110086 declare that name of my Father has been wrongly written as DINISH KUMAR AGGARWAL in my all Educational Documents. The actual name of my Father is DINESH KUMAR , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHAMMED RASHID ALI S/O ALI HASAN R/O House No. 1401/10, Gali No. 15, New Mustafabad, Rajeev Gandhi Nagar, Mustafabad, PO: Gokal Puri, North East Delhi, Delhi - 110094 declare that name of mine has been wrongly written as RASHID in my minor son namely NUMAIR ALI, aged 13 years in his School Record. The actual name of mine is MOHAMMED RASHID ALI, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DINESH KUMAR BHARDWAJ S/o BHAGWAN DAS R/o B-385, F F, Gali No.-9, Rishi Nagar, Rani Bagh, North West Delhi, Delhi-110034, declare that name of mine and my father have been wrongly written as DINESH KR BHARDWAJ and SH. BHAGWAN DASS in my Service Record. The actual name of mine and my father are DINESH KUMAR BHARDWAJ and BHAGWAN DAS respectively.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SWATANTRA KUMAR PREMI S/o OM PRAKASH R/o H. No-D-8/111, Street No-8, Amar Colony, East Gokal Pur, Dayalpur, North East Delhi, Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as SWATANTRA KUMAR.

NAME CHANGE
I hitherto known as Swanshi D/O: Jal Singh, nagla, Riawali Nagla, PO: Reoli Nagla, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251309, have changed my name and shall hereafter be known as Shivani.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, राधा देवी धर्मपत्नी श्री अनिल कुमार & अनिल कुमार पुत्र श्री सोहन लाल निवासी मकान नंबर 168, दांगी वाली गली, नियर गवर्नमेंट स्कूल, सराय ख्वाजा, सेक्टर-37, अमर नगर, फरीदाबाद हरियाणा- 121003 ने अपने पुत्र शिवम् कुमार सिंह उम्र लगभग 26 वर्ष और उसकी पत्नी शिवानी उम्र लगभग 25 वर्ष को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उनसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उनसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

NAME CHANGE
I, CHHOHARI DEVI Mother of JC-774187Y Rank-SUB Name-RISHIKESH YADAV Presently residing at VILL-PATJIVA, PO-BELA KASHAILA, TEH-MADHUBAN, DIST-MAU, UTTAR PRADESH-276306, have changed my name from CHHOHARI DEVI to CHOHADI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 05/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KANTA YADAV Father of JC-774187Y Rank-SUB Name-RISHIKESH YADAV Presently residing at VILL-PATJIVA, PO-BELA KASHAILA, TEH-MADHUBAN, DIST-MAU, UTTAR PRADESH-276306, have changed my name from KANTA YADAV to KAMTA YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 05/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Shailesh Tiwari S/o Srikant Tiwari R/o H-75 A, Kunwar Singh Nagar, Nilothi More, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041 have changed the name of my minor daughter Angel Tiwari aged 16 years and she shall hereafter be known as Anvi Tiwari.

NAME CHANGE
I, AJAY KUMAR S/O BABU SINGH R/O RAM ENCLAVE, BANTHLA, LONI BANTHLA, LONI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH -201102 have changed the name of my minor son VINESH aged 09 years and he shall hereafter be known as DEV.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NARAYAN HARI S/o THAN SINGH, R/o E-404, S-283, Shastri Market Jhuggi, SO South West Delhi-110021, declare that name of mine has been wrongly written as NARAIN HARI in my minor daughter namely KHUSHBU, aged 16 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine is NARAYAN HARI, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I hitherto known as Manisha Kumari W/o Surjeet Kumar R/o H No-108B, Gali No-05, Sharmik Kunj, Sector-66, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Mansha Kumari.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री रामकांत गुप्ता, श्रीमती कविता बंसल से संपत्ति क्रय करना चाहते हैं, जो संपत्ति संख्या E-299-A, क्षेत्रफल 73 वर्ग गज (कुल 200 वर्ग गज में से), खसरा संख्या 747 का भाग है, जो गांव घोंडा गुर्जन खादर, अबादी सुभाष गली, जगजीत नगर, न्यू उस्मानपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110053 में स्थित है। संपत्ति के मूल स्वामी श्री भूले राम थे, जिन्होंने इसे श्री माही चंद के पक्ष में 03.11.1979 दिनांकित नोटराइज्ड जीपीए, एटीएस एवं वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित किया था। तत्पश्चात, श्री माही चंद ने इसे 23.04.2019 दिनांकित नोटराइज्ड जीपीए, गिफ्ट डीड एवं वसीयत के माध्यम से श्री सुभाष चंद को स्थानांतरित किया। अंततः, श्री सुभाष चंद ने उक्त संपत्ति को 11.08.2025 दिनांकित फैमिली जीपीए, एटीएस एवं वसीयत के माध्यम से श्रीमती कविता उर्फ कविता बंसल को हस्तांतरित किया। अत:, श्रीमती कविता उर्फ कविता बंसल उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा (उ.प्र.) द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री रामकांत गुप्ता, श्रीमती कविता बंसल से संपत्ति क्रय करना चाहते हैं, जो संपत्ति संख्या E-299-A, क्षेत्रफल 73 वर्ग गज (कुल 200 वर्ग गज में से), खसरा संख्या 747 का भाग है, जो गांव घोंडा गुर्जन खादर, अबादी सुभाष गली, जगजीत नगर, न्यू उस्मानपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110053 में स्थित है। संपत्ति के मूल स्वामी श्री भूले राम थे, जिन्होंने इसे श्री माही चंद के पक्ष में 03.11.1979 दिनांकित नोटराइज्ड जीपीए, एटीएस एवं वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित किया था। तत्पश्चात, श्री माही चंद ने इसे 23.04.2019 दिनांकित नोटराइज्ड जीपीए, गिफ्ट डीड एवं वसीयत के माध्यम से श्री सुभाष चंद को स्थानांतरित किया। अंततः, श्री सुभाष चंद ने उक्त संपत्ति को 11.08.2025 दिनांकित फैमिली जीपीए, एटीएस एवं वसीयत के माध्यम से श्रीमती कविता उर्फ कविता बंसल को हस्तांतरित किया। अत:, श्रीमती कविता उर्फ कविता बंसल उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा (उ.प्र.) द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, hitherto known as REENA SANAN alias REENA SHARMA D/o SATISH KUMAR SHARMA W/o ANKIT SANAN R/o 0582, ATS Greens Village, Sector-93 A, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304, have changed my name and shall hereafter be known as REENA SANAN.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD IMRAN S/O ZUBAIR AHMAD R/O C 35 SHAHEEN BAGH ABUL FAZAL ENCLAVE PART 2 THOKAR NO 8 OKHLA JAMIA NAGAR DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD IMRAN

NAME CHANGE
I, Kultej Singh Saluja S/o Tejinder Singh Saluja R/o 9, GF-1, ATS Pristine, Pushta Road, Sector-150, Noida, Kasana Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201310 have changed my name to Kultej Saluja.

NAME CHANGE
I, Md Anwar S/o Mohd. Mujibul Haq, R/o A-777/3, Amar Puri, Nabi Karim, Pahar Ganj New Delhi – 110055 do hereby solemnly affirm and declare that I have changed my name from Md. Anwar to Mohd Anwar. In future I shall be known as Mohd Anwar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MAHENDRA SINGH S/o Birendra Singh R/o A-205, Jaswant Colony, Budh Vihar, Phase-2, Delhi-110086 have changed my name to MAHENDER SINGH permanently

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Banwari Lal S/O: Babu Lal, R/O No-E-2, Pole No-A, 336 Camp No 2, Near kamal Book Dipo, JJ Colony, Nangloi, West Delhi, delhi-110041, declare that name of mine has been wrongly written as Banvarilal in my minor daughter namely Minakshi aged 15 years in her school records. The actual name of mine is Banwari Lal, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Dhruv Parewa S/O Moti Lal, R/O 39/1341, DDA Flats, Madangir, BRT Corridor, Dr. Ambedkar Nagar, Pushpa Bhawan S.O, DIST:South Delhi, Delhi, 110062,declare that name of my father has been wrongly written as MOT ILaL Parewa in my 10th class educational document. The actual name of my father is MOTI LAL PAREWA, respectively which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नारनौल में सांसद खेल महोत्सव को लेकर अधिकारियों को निर्देश

एजेंसी
नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के मार्गदर्शन में होने वाले खेल महोत्सव को लेकर एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियान के तहत आगामी नौ नवंबर को स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। एसडीएम ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम के आसपास और बेहतर तरीके से साफ सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सहूलियत के लिए मैदान में सभी प्रकार की तैयारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में खेल भावना और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में इस कार्यक्रम को भव्य तरीके से संपन्न करवाया जाए। इस बैठक में इवेंट्स को-ऑर्डिनेटर सुधीर चांदवास के अलावा अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

फौजी पिता व दादा से सीखी देशभक्ति, बन गई लेफ्टिनेंट

झज्जर। जब हौसला कर लिया ऊंची उड़ान का फिर देखना फिजूल है कद आसमान का। इसी कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है झज्जर के छोटे से गांव कोट की रहने वाली नीशू फलसवाल ने। नीशू ने हाल ही में सेना में लेफ्टिनेंट का पद हासिल किया है। कई समाज सेवियों ने नीशू व उसके परिजनों को बधाई दी है। नीशू फलसवाल के पिता और दादा दोनों ही सेना में अफसर थे। बचपन से ही नीशू का शौक था कि वह अपने पिता और दादा की तरह सेना की वर्दी पहनकर अपने परिवार, गांव, जिला और प्रदेश का नाम रोशन करे। पिता, ताऊ और दादा सभी सेना की मेडिकल कोर में थे। नीशू ने बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई भी दिल्ली विश्वविद्यालय से की थी। उसकी कड़ी मेहनत के बलबूते ही उसको सेना में यह पद मिला है। सेना के दिल्ली कैंट स्थित सबसे बड़े अस्पताल से ट्रेनिंग लिए जाने के बाद नीशू ने लेफ्टिनेंट पद के लिए शपथ ली। नीशू ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत के साथ-साथ अपने पिता, दादा और ताऊ में देश सेवा के प्रति जज्बे और तीन पीढ़ियों के सेना में भर्ती होने को बताया है। बहादुर बेटी ने बताया कि उसे शुरू से ही सेना में भर्ती होने का शौक था। ताकि वह भी दादा कैप्टन दलपत सिंह, ताऊ सूबेदार राकेश कुमार और पिता सूबेदार विनोद कुमार की तरह सेना में भर्ती होकर सेना की वर्दी पहने और देश की सेवा करे।

शराब पीकर वाहन चलाया तो खैर नहीं, अक्टूबर में 338 चालक धरे

पलवल। ट्रैफिक अनुशासन को बनाए रखने और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पलवल पुलिस ने अक्टूबर माह के दौरान यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, आईपीएस के निर्देशानुसार यह विशेष अभियान पूरे जिले में चलाया गया, जिसके तहत शराब पीकर वाहन चलाने, बुलेट पर पटाखे छोड़ने और ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों पर विशेष ध्यान दिया गया। जिला पुलिस के अनुसार, अक्टूबर 2025 में कुल दस हजार 920 वाहनों के चालान किए गए और 146 वाहन इंपाउंड किए गए। पुलिस ने इस दौरान दो करोड़ बीस लाख नौ हजार 800 रुपये का जुर्माना वसूला। इस कार्रवाई से जहां ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है, वहीं नियमों की अनदेखी करने वालों के लिए यह सख्त चेतावनी साबित हुई है कि कानून से कोई भी ऊपर नहीं है। जिला पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, अभियान के दौरान 338 वाहन चालक शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़े गए। इसके अलावा गलत साइड चलने पर 5,438, ट्रिपल राइडिंग में 1,840, गलत पार्किंग पर 541, बुलेट पर पटाखा लगाने वाले 13, ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों के 149, ओवर स्पीड पर 662, बिना नंबर प्लेट के 524 और बिना हेलमेट चलाने वालों के 1,345 चालान किए गए।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं ने जींद जिले की छात्रा के साथ कालेज में हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर डीसी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने से पहले एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने रोष बैठक की। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रोहन सैनी ने की। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर को जब वो 20 साल की छात्रा कॉलेज के लिए घर से निकली और दोपहर दो बजे जब उसे उसकी छोटी बहन का फोन आया तो उसने जल्द ही घर आने की बात कह कर फोन काट दिया। उसके बाद छात्रा का फोन बंद हो गया। युवक छात्रा को बहला फुसलाकर प्रेम के नाम पर होटल में ले गए और इसके बाद सभी दोस्तों ने मिल कर सामूहिक बलात्कार किया। यह घटना पूरे हरियाणा समाज के लिए शर्मनाक है। प्रदेश मंत्री राहुल वर्मा ने बताया कि इस प्रकार की गंदी मानसिकता रखने वाले लड़कों पर पुलिस प्रशासन द्वारा तुरंत कार्रवाई कर होनी चाहिए। इस मामले को लेकर कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले समय में लड़कों का मनोबल और मजबूत होगा। रोहन सैनी ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा इस मामले में स्पेशल टीम गठित कर जल्द से जल्द सभी आरोपितों को गिरफ्तार करे। नगर मंत्री प्रतीक शर्मा ने बताया कि कॉलेज में पढने वाली छात्रा के साथ हुआ दुष्कर्म आज के जीवित समाज में एक धब्बा बन गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा इस मामले को लेकर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे युवाओं का प्रशासन के प्रति रोष दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अध्ययन हुआ पहले से कहीं अधिक प्रासंगिकः प्रो. असीम कुमार घोष

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने गुरुग्राम स्थित साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध इंटरनेशनल रिलेशंस) सिविल सेवा एवं राज्य सेवा परीक्षाओं के लिए पुस्तक के दूसरे संस्करण का विमोचन किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में पूर्व में सचिव रहे दामु रवि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह पुस्तक स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हरियाणा के कुलपति प्रो. अशोक कुमार तथा गुरुग्राम के डीसीपी ट्रैफिक डॉ. राजेश मोहन द्वारा लिखी गई है। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने पुस्तक के विमोचन से पूर्व अपने संबोधन में कहा कि 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अध्ययन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। सीमाएँ भले ही देशों को भौगोलिक रूप से अलग करती हों, परंतु अर्थव्यवस्था, तकनीक, संचार और पर्यावरण के

स्तर पर विश्व पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में कोई भी मुद्दा अलग-थलग नहीं है। चाहे वह जलवायु परिवर्तन हो, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा या सार्वजनिक स्वास्थ्य, हर विषय वैश्विक प्रभाव से जुड़ा हुआ है। राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अध्ययन विद्यार्थियों को व्यापक दृष्टिकोण देता है और उन्हें संतुलित, तार्किक व उत्तरदायी नेतृत्व के लिए तैयार करता है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शक नहीं, बल्कि जीवन के लिए दृष्टिकोण देने वाली कृति है, जो युवाओं को विचारशीलता, विवेक और राष्ट्र सेवा के भाव से प्रेरित करेगी। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि यह पुस्तक केवल जानकारी का संकलन नहीं है, बल्कि यह एक प्रेरक और ज्ञानवर्धक कृति है। इसमें उन अनुभवी व्यक्तियों की संचित बुद्धिमत्ता निहित है जिन्होंने वर्षों तक प्रशासनिक और कूटनीतिक क्षेत्र में कार्य किया और अब अपने अनुभवों के माध्यम से नई पीढ़ी को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल शैक्षणिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि विचारों की दुनिया और व्यवहारिक जीवन के बीच सेतु का कार्य करेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि दामु रवि ने कहा कि पुस्तक का यह नवीनतम संस्करण अत्यंत उपयोगी और समसामयिक है।

लाभार्थियों को बिना देरी के बैंक दे योजना का लाभ : शालिनी चेतल

एजेंसी
हिसार। प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के तहत लाभार्थियों को बिना देरी के लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर निगम के मुख्य सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल ने की। बैठक में विभिन्न बैंकों के अधिकारी, प्रतिनिधि तथा नगर निगम के अधिकारी और एपीओ सुनील वर्मा मौजूद रहे। अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल ने मंगलवार को हुई बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा रेहड़ी-पटरी (स्ट्रीट वेंडर) वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को स्वरोजगार के लिए बिना गारंटी के आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि 14360 केस में 15 हजार के 8500 लाभार्थी, 25 हजार के 2429 लाभार्थी और 50 हजार 370 लाभार्थियों को लाभ मिल चुका है। अब बैंकों के पास 1146 केस पेंडिंग हैं और 323 लाभार्थियों के

केस स्वीकृति हो चुके है। इस पर गंभीरता व्यक्त करते हुए अतिरिक्त आयुक्त ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन आवेदनों की दस्तावेज़ी प्रक्रिया और बैंक सत्यापन पूर्ण हो चुका है, उन पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऋण स्वीकृति में अनावश्यक देरी न की जाए ताकि लाभार्थी शीघ्र योजना का लाभ उठाकर अपना रोजगार सशक्त बना सकें।

'राहुल गांधी ने डुबकी लगाकर बता दिया कि इस चुनाव में महागठबंधन डूब रहा है' – ऊर्जा मंत्री अनिल विज

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा तालाब में उतरकर मछलियां पकड़ने पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि 'राहुल गांधी बहुत बड़े भविष्यवक्ता और ज्योतिषी हैं। उन्हें पहले ही एहसास हो गया है कि बिहार चुनाव में उनका महागठबंधन डूबने जा रहा है, इसलिए उन्होंने खुद तालाब में डुबकी लगाकर यह संदेश भी दे दिया है। यह डुबकी प्रतीकात्मक है – उन्होंने जनता को संकेत दे दिया है कि इस बार महागठबंधन पानी में जाने वाला है। '

विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'अपमान मंत्रालय' बनाने की सलाह देने वाले कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ऊर्जा मंत्री विज ने कहा कि 'जिन पार्टियों ने जब-जब मौका मिला, तब-तब लोगों की आवाज दबाई, उनके बोलने के अधिकार छीन लिए, और मौलिक अधिकारों पर रोक लगाई – अब उन्हीं से नकारात्मक और अपमानजनक बातें सुनने को मिल सकती हैं। यही इनकी पुरानी आदत है। ' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान पर भी विज ने पलटवार किया, जिसमें खड़गे ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी का एक ही चेहरा देखकर लोग कितनी बार वोट देंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री विज ने कहा, 'खड़गे जी प्रधानमंत्री मोदी से ईर्ष्या करते हैं, क्योंकि जब नरेंद्र मोदी जी बिहार जाते हैं तो पूरा बिहार जोश से भर उठता है, भीड़ उमड़ पड़ती है, लोग उन्हें देखने के लिए आतुर रहते हैं।

जबकि खड़गे जी जब बिहार जाते हैं तो कौआ भी मुंह उठाकर नहीं देखता। इसलिए उनकी यह टिप्पणी केवल जलन का परिणाम है। ' विज ने कहा कि जनता अब समझ चुकी है कि कौन काम कर रहा है और कौन केवल बयानबाजी में व्यस्त है। बिहार की जनता हर बार की तरह इस बार भी विकास और नेतृत्व की राजनीति को चुनेगी, न कि भ्रम और भ्रमित करने वालों को।

बाढ़ एवं भारी वर्षा से प्रभावित किसानों के बिजली बिल 6 माह के लिए स्थगित

एजेंसी
चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2025 के मानसून के दौरान राज्य में आई भारी वर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने हेतु एक विशेष योजना की घोषणा की। राज्य के सभी कृषि ट्यूबवेल उपभोक्ताओं के लिए जुलाई, 2025 से दिसंबर, 2025 की अवधि के बिजली बिलों का भुगतान छह माह के लिए स्थगित कर दिया गया है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि जुलाई, 2025 में जारी बिजली बिल जनवरी, 2026 में देय होंगे। इसी प्रकार, अगस्त, 2025 के बिजली बिल फरवरी, 2026 में और दिसंबर, 2025 के बिल जून, 2026 में देय होंगे। इस निर्णय से राज्य के लगभग 7.10 लाख कृषि उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस अवधि के दौरान यूएचबीवीएन और डीएचबीवीएन द्वारा किसी भी कृषि ट्यूबवेल उपभोक्ता से

विलंब अधिभार (Late Payment Surcharge) नहीं वसूला जाएगा तथा बिजली आपूर्ति सामान्य रूप से जारी रहेगी।

इस सन्दर्भ में बिजली निगमों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। यह निर्णय भारी वर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित किसानों को तात्कालिक आर्थिक राहत प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया, ताकि किसान अपनी कृषि गतिविधियों को पुनः आरंभ कर सकें।

काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को सांसद सैलजा ने चेताया

एजेंसी
सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने यहां पंचायत भवन में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में कार्य में लापरवाही बरते जाने पर अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आगे से ऐसा नहीं होना चाहिए, बैठक में पूरी तरह से अपडेट होकर आए और विकास कार्यो की स्थिति क्या है, काम क्यों रोका गया, क्यों देरी हो रही है के जवाब के साथ आए।उन्होंने बैठक का एजेंडा देरी से पहुंचने के लिए उपायुक्त से नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जो भी इस कार्य को देखता है उसे हिदायत दी जाए कि आगे से ऐसा न किया जाए। एजेंडा और एक्शन टेकन रिपोर्ट देखकर ही बैठक की कार्यवाही निर्भर होती है। बैठक के शुरुआत में सांसद सैलजा ने उपायुक्त से शिकायत भरे लहजे में कहा कि बैठक से एक दो दिन पहले ही एजेंडा और एटीआर पहुंचाई गई है, कम से कम एक सप्ताह पूर्व इन्हें पहुंचाया जाए क्योंकि बैठक की कार्यवाही इसी पर निर्भर होती है। बैठक

में रेलवे विभाग से जुड़े कार्यो की समीक्षा की गई। सांसद ने रेलवे अधिकारी से पूछा कि सिरसा में एक आरओबी और दो यूआरबी बनने हैं, इन पर कब तक काम शुरू होगा और काम कब संपन्न होगा, जब एक साल पहले टेंडर जारी हो गए थे तो निर्माण में किस कारण से देरी हो रही है। कंगनपुर फाटक और गांव बाजेकां में अंडर ब्रिज की स्थिति क्या है कब तक बनने है। सिरसा में अमृत भारत योजना के तहत फुट ओवर ब्रिज का निर्माण होना है।

16 अप्रैल को हुई पहली मीटिंग में कहा गया कि 31 जुलाई तक काम पूरा कर लिया जाएगा, इसके बाद तीन जुलाई को हुई मीटिंग में कहा गया कि 31 दिसंबर तक काम पूरा हो जाएगा और चार नवंबर को होने वाली मीटिंग के एजेंडे में कहा गया है कि निर्माण कार्य 30 जून 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। ऐसा लग रहा है कि फुट ओवर ब्रिज के निर्माण को लेकर विभाग गंभीर नहीं है और तारीख पर तारीख देकर काम को आगे सरकाया जा रहा है। इस पर रेलवे अधिकारी ने कहा कि आरओबी और आरयूबी का काम शुरू हो चुका है। कुछ तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए विभाग को लिखा गया है। सांसद सैलजा ने स्ट्राम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम को लेकर मिल रही शिकायतों को लेकर कहा कि जल निकासी को लेकर सिरसा नगर में अमरूत योजना के तहत पाइप लाइन डाली जा रही है, इस पाइप लाइन को डालने के लिए नगर में सडक़ और गलियों को तोड़ा गया, पाइप लाइन डालने के बाद सडक़ों और गलियों की मरम्मत तक नहीं कराई गई जिससे हादसे हो रहे है।

विवेकपूर्ण जीवन से ही ईश्वर रचना का सही आनंदः सतगुरु माता सुदीक्षा जी

एजेंसी
सोनीपत। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने कहा कि निराकार परमात्मा ने जो यह जगत रचा है, उसकी हर वस्तु अत्यंत खूबसूरत है। मनुष्य को इसका आनंद विवेकपूर्वक उठाना चाहिए, दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। यह बात उन्होंने समालखा-गन्नौर हल्दाना बॉर्डर स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित चार दिवसीय 78वें निरंकारी संत समागम के समापन अवसर पर कही। सोमवार की देर रात इस समारोह का समापन हो गया। उन्होंने कहा कि आत्ममंथन की दिव्य शिक्षाओं से जीवन संवरता है और इससे न केवल व्यक्तिगत कल्याणहोता है, बल्कि विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होता है। सतगुरु माता जी ने कहा कि जीवन में अनेक चिंताजनक विचार और परिस्थितियां आती हैं, पर आत्ममंथन की साधना से उन्हें सीमित किया जा सकता है। जब मनुष्य हर कार्य में ईश्वर की उपस्थिति को महसूस करता है, तो उसके भीतर की उथल-पुथल शांत हो जाती है और मन, बुद्धि व आत्मा तीनों का विकास होता है।

गुरु की सिखलाई में रहकर किया गया यह आत्मिक चिंतन व्यक्ति को ऊर्जा, संतुलन और स्थिरता प्रदान करता है। उन्होंने दृष्टिकोण की शक्ति पर उदाहरण देते हुए कहा कि किसी बगीचे में एक व्यक्ति फूल देखकर भी कांटों की शिकायत करता है, जबकि दूसरा उन्हीं फूलों की सुंदरता और सुगंध में आनंद पाता है। यह अंतर केवल दृष्टिकोण का है। एक मनुष्य संकीर्णता में उलझा रहता है, दूसरा विशालता में जीता है। सच्चा भक्त वही है जो सकारात्मकता अपनाता है और गुणों का संग्रह करता है। ऐसा व्यक्ति हर परिस्थिति में आनंद और शांति का अनुभव करता है। सतगुरु माता जी ने आह्वान किया कि श्रद्धालु समागम से प्राप्त दिव्य शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करें और सत्य, प्रेम व सद्भाव के संदेश को मानवता तक पहुँचाएं।

उपायुक्त अखिल पिलानी ने की प्रधानमंत्री जन विकास कार्यों की समीक्षा

एजेंसी
तावडू।उपायुक्त अखिल पिलानी ने जिला परिषद स्थित सभागार में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत जिले में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट ली गई तथा समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम का उद्देश्य अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा मजबूत करना और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में हर परियोजना निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी होनी चाहिए ताकि इसका लाभ आमजन तक जल्द पहुंचे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता न किया जाए तथा सभी चल रही परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने कहा कि जहां भी किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या है, उसे तुरंत प्रशासन के ध्यान में लाया जाए ताकि समय रहते समाधान हो सके। इस दौरान पीएम जन विकास कार्यक्रम के तहत

निर्माणाधीन सामुदायिक केंद्र, स्वास्थ्य सुविधाएं, सड़कें, जल आपूर्ति, खेल एवं शिक्षा से संबंधित परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत करें और फील्ड विजिट सुनिश्चित करें। विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गति दोनों आवश्यक हैं, और प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक, एसडीएम अंकिता पुवार , डिप्टी सीईओ एमडीए अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पेगां पैक्स में पहुंचा डीएपी, प्रति किसान मिले पांच बैग

एजेंसी
जींद। पेगां पैक्स में डीएपी खाद आने की भनक लगते ही पेगां तथा आसपास गांव के किसानों की पैक्स में भीड़ लग गई। जिसको लेकर पैक्स कर्मचारियों ने पंजीकृत किसानों को प्रति किसान पांच डीएपी बैग खाद वितरित किया। पेगां पैक्स में अभी तक दो हजार डीएपी खाद के बैग पहुंचे, जबकि पैक्स के अधीन चार गांवों पड़ते हैं। ऐसे में पैक्स में अभी तक दो हजार डीएपी खाद का स्टाक पहुंचना नाकाफी है। पेगां तथा आसपास गांव के किसान विकास, हवा सिंह, रघुबीर, संदीप, महाबीर, सतपाल, बिंद्र, दलबीर, बिजेंद्र आदि का कहना है कि धान की कटाई के साथ ही गेंहू तथा सरसों की बिजाई शुरू हो जाती है लेकिन पेगां सरकारी खरीद एजेंसी पर डीएपी खाद की भारी कमी है। किसानों ने इस समस्या का पूरी तरह से कृषि विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। किसानों का कहना है कि विभाग के आला अधिकारी किसानों की समस्या को सुनने को तैयार नहीं है। हालांकि नगूरां, अलेवा समेत दर्जनों निजी खाद दुकानदारों के यहां किसानों की भीड़ लगी दिखाई देती है। क्षेत्र के किसानों को खाद की आवश्यकता होती है, उसी दौरान सरकारी खरीद एजेंसियों पर खाद की कमी हो जाती है, लेकिन निजी दुकानदार विभागीय अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर मनमर्जी के रेटों पर किसानों को खाद उपलब्ध कराकर मालामाल हो रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि उच्च अधिकारियों को इस बारे में मालूम ना हो, बल्कि अधिकारी भी सब कुछ जानते हुए मौन साधे हुए हैं।

किसानों को खाद उपलब्ध कराने के लिए इफ को और कृभको सरकारी एजेंसियों की व्यवस्था है लेकिन इसके बावजूद किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रहा है। किसानों का कहना है कि अगर समय पर डीएपी खाद नहीं मिला तो फ सल की बिजाई प्रभावित होगी। प्रत्येक वर्ष खाद की इसी प्रकार किल्लत होती है। किसानों का कहना है कि निजी खाद विक्रेता किसानों को खाद के साथ कीटनाशक दवाइयों के लिए बाध्य कर रहे हैं और ऊपर से रेट भी मनमर्जी के ले रहे हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं फिर से शुरूः पंकज मीणा

एजेंसी
पानीपत। यूएसए के लिए सभी श्रेणियों की अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं (पत्र, एयर पार्सल, ईएमएस, उपहार वस्तुएं, पंजीकृत पत्र) की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई थी। लेकिन अब इन सेवाओं को पुनः बहाल कर दिया गया है। प्रवर अधीक्षक डाकघर करनाल मण्डल पंकज कुमार मीणा ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) प्रशासन द्वारा जारी कार्यकारी आदेश के तहत 29 अगस्त 2025 से सभी देशों के लिए 800 अमेरिकी डॉलर तक के ट्यूटी फ्री आयात को निलंबित कर दिया गया है। इस परिवर्तन के फलस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय डाक नेटवर्क के माध्यम से आने वाले सभी डाक सामानों पर आयात शुल्क अनिवार्य हो गया था। इसके कारण भारत सरकार के संचार मंत्रालय, डाक विभाग द्वारा 25 अगस्त 2025 से यूएसए के लिए सभी श्रेणियों की अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं (पत्र, एयर पार्सल, ईएमएस, उपहार वस्तुएं, पंजीकृत पत्र) की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि अब डाक विभाग द्वारा यूएसए के लिए सभी श्रेणियों की अंतरराष्ट्रीय डाक

सेवाओं की बुकिंग पुनः आरंभ हो चुकी है। प्रदेशवासी अब अपने प्रियजनों को विदेश में ठाकघर के माध्यम से सामान भेज सकते है। ग्राहक अब किसी भी डाकघर या सेवा पोर्टल के माध्यम से यूएसए के लिए डाक बुक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब निर्यातकों के लिए ठाकघर में (डी. एन. के) की सुविधा भी उपलब्ध है। यह कदम 'मेक इन इंडिया', 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट एवं डाक घर निर्यात केंद्रों जैसी राष्ट्रीय पहलों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

गुरुग्राम में सफाई देखकर लोग बोले, ऐसा सफाई अभियान 10 साल में पहली बार देखा

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा चलाए जा रहे मिशन प्रदूषण मुक्त स्वच्छ गुरुग्राम अभियान को लेकर शहरवासियों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं लगातार मिल रही हैं। नागरिकों ने निगम की स्वच्छता टीमों द्वारा सडक़ों से धूल-मिट्टी हटाने, कूड़ा व खरपतवार साफ करने के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में पहली बार इतनी प्रभावी सफाई व्यवस्था देखी जा रही है। नागरिकों का कहना है कि ऐसे कुछ और अभियान और नियमित झाडू-सफाई से शहर की सूरत में उल्लेखनीय सुधार होगा। लोगों ने नगर निगम की मजबूत नेतृत्व टीम और जमीनी स्तर पर हो रही सक्रियता की भी प्रशंसा की। सोशल मीडिया एक्स पर नितिन नामक यूजर ने लिखा, सेक्टर-40 में इस तरह की कार्रवाई की बहुत जरूरत थी। अनुरोध है कि ऐसे प्रयास नियमित रूप से जारी रहें। कुछ इलाकों में अब भी अधिक निगरानी की आवश्यकता है, यदि कहा जाए तो हम भी सहयोग करने को तैयार हैं। सपना सिंह नामक यूजर ने लिखा-मजबूत नेतृत्व द्वारा जमीनी स्तर पर हो रही प्रगति को देखना शानदार है। संजय नामक यूजर ने लिखा-पिछले दस वर्षों में पहली बार इस तरह की धूल-मिट्टी सफाई देखी है। ऐसे कुछ और अभियान और नियमित सफाई से बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे। कई लोगों ने सफाई कर्मचारियों की मेहनत को भी सराहा। प्रदीप नामक यूजर लिखते हैं-मैंने आज यात्रा के दौरान सफाई प्रक्रिया देखी, टीम बहुत मेहनत कर रही थी। नगर निगम गुरुग्राम और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए शहरवासियों ने कहा कि-यह पहल मिशन स्वच्छ गुरुग्राम के तहत स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर गुरुग्राम बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। स्वच्छता टीमों ने दिल्ली पब्लिक स्कूल के नजदीक, एसपीआर, शहीद मेजर विकास मार्ग, हीरो होंडा चौक से सुभाष चौक, झाड़सा रोड, उमंग भारद्वाज चौक से हीरो होंडा चौक, शोभा सिटी रोड, बख्तावर चौक से सुभाष चौक, सिग्नेचर टावर चौक, ओल्ड व न्यू रेलवे रोड सहित अन्य क्षेत्रों में मिशन प्रदूषण मुक्त स्वच्छ गुरुग्राम के तहत धूल-मिट्टी, कचरा, सीएंडडी व प्लास्टिक वेस्ट सहित खरपतवार की सफाई की।

क्रिस कैपिटल ने जुटाए 2.2 अरब डॉलर, यह अब तक का सबसे बड़ा भारत-केंद्रित प्राइवेट इक्विटी फंड

नई दिल्ली भारत की सबसे बड़ी देसी प्राइवेट इक्विटी फर्म क्रिस कैपिटल ने अपने दसवें फंड 'क्रिसकैपिटल एक्स' को 2.2 अरब डॉलर के साथ पूरा किया है। यह अब तक का सबसे बड़ा भारत-केंद्रित प्राइवेट इक्विटी फंड है। यह रकम पिछले 1.35 अरब डॉलर के फंड से काफी ज्यादा है। इससे दुनिया भर में धन जुटाने के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद भारत की दीर्घावधि विकास की राह में बढ़ती वैश्विक और घरेलू दिलचस्पी का पता चलता है। यह फंड अपनी पहली क्लोजिंग के छह महीने के अंदर ही संपन्न हो गया। उसने वैश्विक और पहली बार भारतीय निवेशकों के विविध आधार को आकर्षित किया। करीब 85 फीसदी प्रतिबद्धताएं पेंशन फंडों, बीमा कंपनियों और सॉवरिन फंडों सहित अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से मिलीं। भारतीय संस्थागत निवेशकों और बड़े फैमिली ऑफिसों का योगदान करीब 15 फीसदी रहा। क्रिसकैपिटल में पार्टनर ने कहा कि यह पहली बार है जब फंड ने घरेलू निवेशकों से पूंजी जुटाई है। भारत में संपत्ति बढ़ रही है और संगठित फैमिली ऑफिसों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। कई बड़े परिवार अपने परिचालन व्यवसायों से बाहर निकलकर वैकल्पिक प्लेटफॉर्मों पर निवेश की सोच रहे हैं। ऐसा लगता है इस पूंजी का लाभ उठाने का यह सही समय है।' उन्होंने बताया कि कंपनी ने करीब 50 घरेलू निवेशकों से 30 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि यह पूल तेजी से बढ़ रहा है। हमें लंबी अवधि के निजी इक्विटी निवेश के लिए मजबूत दिलचस्पी दिख रही है। कंपनी अगले तीन से चार सालों में फंड एक्स का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। इस तरह वह उद्यम प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, फार्मास्युटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा, उपभोक्ता और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्थापित, उच्च-वृद्धि वाले व्यवसायों को समर्थन देने की रणनीति जारी रखेगी। क्रिसकैपिटल ने अब तक 110 से ज्यादा निवेश किए हैं और उनमें से 80 से ज्यादा से वह बाहर निकल चुकी है। इनमें मैनकाइंड फार्मा, एनएसई, इन्फोगेन, केआईएमएस हॉस्पिटल्स और सेंटर-फॉर-साइट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इस फंड ने अपनी स्थापना के बाद से भारत में 5.5 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है और सभी में निकलने पर 3 गुना रिटर्न मिला। आहूजा ने एक साक्षात्कार में कहा कि हमने पांच सालों में 3 गुना रिटर्न का लक्ष्य रखा है और फंड के पूरे जीवनकाल में हमारा प्रदर्शन लगातार 25 फीसदी से ज्यादा रहा है।

भारत के गांव बने सबसे बड़े बाजार

छोटे शहरों और कसबों मे बढी मांग, महानगर खर्चे में पिछड़े

मुंबई भारत के ग्रामीण क्षेत्र और कसबों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 2012 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों के खर्चे में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिल रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र मे खर्च का अंतर धीरे-धीरे कम होता चला जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक खर्च बढ़कर 4122 हो गया है। 2012 में यह 1429 रूपये था। ग्रामीण क्षेत्र और छोटे शहरों में मांग बढ़ती चली जा रही है। 2012 से 2024 के 12 वर्ष में 9.2 फ़ीसदी की औसत दर से मांग बढ़ रही है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे खर्च का अंतर लगातार कम होता जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग भी अपने खर्च को बढ़ा रहे हैं। भारत में सालाना 57.5 लाख करोड रुपए बचता है। अर्थ विशेषज्ञों के अनुसार 2035 तक यह राशि बढ़कर 142 लाख करोड़ पर पहुंच जाएगी। छोटे शहरों में दो पहिया वाहन, डिजिटल डिवाइस इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल फोन पर सबसे ज्यादा खर्च हो रहा है। ग्रामीण परिवारों के खर्चे में भोजन का हिस्सा घटता चला जा रहा है। पहले यह 60 फीसदी था। अब यह घटकर 47 फ़ीसदी रह गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट, कपड़े और अन्य उत्पाद में ज्यादा खर्च किया जा रहा है। भारत में बड़ी तेजी के साथ बाजारबाद की इस दौड़ में छोटे शहर और गांव में अब महानगरों को पीछे छोड़ रहे हैं। महानगरों की तरह खर्च करने की प्रवृत्ति बढ़ती चली जा रही है।

भारत में आईएचसीएल के होटल्स का प्रदर्शन कमजोर, रूम रेवेन्यू में आई गिरावट

नुवामा ने दी आईएचसीएल का शेयर बेचने की सलाह

नई दिल्ली

ताज होटल्स चलाने वाली इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी की कमाई और मुनाफा थोड़ा बढ़ा है, लेकिन यह बाजार की उम्मीद से कम रहा। इस वजह से नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा है कि आईएचसीएल का शेयर बेच देना चाहिए। नुवामा ने बताया कि अगले 12 माह में इस शेयर का भाव करीब 636 रुपए तक जा सकता है, जबकि अभी यह करीब 743 रुपए पर है यानी आगे चलकर शेयर में गिरावट आ सकती है।

आईएचसीएल की कुल आय 12फीसदी बढ़कर 2,041 करोड़ हो गई। कंपनी का ऑपरेटिंग मुनाफा 14फीसदी और शुद्ध लाभ 15फीसदी बढ़ा है। हालांकि, होटल कारोबार में बढ़त सिर्फ 7फीसदी रही। कंपनी ने बताया कि भारी बारिश, फ्लाइट की दिक्कतें, विदेशों में तनावपूर्ण हालात और कुछ बड़े होटलों में मरम्मत का काम चलने के कारण कारोबार पर असर पड़ा। इनमें ताज पैलेस दिल्ली, प्रेसिडेंट मुंबई और फोर्ट अगुआडा गोवा जैसे होटल शामिल हैं।

कंपनी की प्रति कमरे से होने वाली आमदनी में भी हल्की गिरावट आई क्योंकि कमरों के किराए घटे गए हैं। यह पिछले तीन सालों में सबसे धीमी वृद्धि है। भारत में आईएचसीएल के ज्यादातर होटल्स का प्रदर्शन कमजोर रहा है। कंपनी के रूम रेवेन्यू में 1फीसदी की गिरावट आई, जबकि फूड एंड बेवरेज से आमदनी में करीब 2फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कंपनी का ताजसेजस, जो उसका कैटरिंग बिजनेस है, बेहतर प्रदर्शन करता रहा।

बैंक क्रेडिट ग्रोथ डिपॉजिट ग्रोथ को पीछे छोड़कर आगे निकली, जारी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली त्यौहारी सीजन में डिमांड, जीएसटी रेट कट और मजबूत रिटेल और एमएसएमई गतिविधियों के जैसे कारकों के चलते 2025 मध्य अक्टूबर तक बैंक क्रेडिट ग्रोथ डिपॉजिट ग्रोथ को पीछे छोड़कर आगे निकल गई। यह जानकारी मंगलवार को आई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, 17 अक्टूबर तक कुल क्रेडिट ऑफ टेक सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 192.1 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके अलावा, त्यौहारी सीजन के दौरान मजबूत व्हीकल फाइनेंसिंग के साथ समग्र क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा मिलने की उम्मीद की जा रही है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि यह वृद्धि बढ़ते बॉन्ड यील्ड की वजह से कॉरपोरेट के दिलचस्पी के कारण दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार, एग्रीगेट डिपॉजिट सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बढ़कर 238.8 लाख करोड़ पहुंच गई। यह 1 प्रतिशत की क्रमिक गिरावट को दिखाती है। रेटिंग्स एजेंसी के अनुसार, क्रेडिट-टू-डिपॉजिट रेश्यो वर्तमान 15 दिनों में 80 प्रतिशत मार्क को पार करते हुए 80.4 प्रतिशत हो गया।

पेटीएम का ऑपरेटिंग रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली लीडिंग पेमेंट्स और वित्तीय सेवा प्रोवाइडर पेटीएम ने 30 सितंबर को खत्म हुई तिमाही (द्वितीय तिमाही वित्त वर्ष 2026) के वित्तीय नतीजों की घोषणा की, जिसमें सभी प्रॉफिटेबिलिटी मेट्रिक्स में लगातार सुधार दिखाई दिया। कंपनी का ऑपरेटिंग रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी बढ़कर 2,061 करोड़ हो गया। इसकी वजह सब्सक्रिप्शन मर्चेंट्स में बढ़ोतरी, ज्यादा पेमेंट्स जीएमवी और वित्तीय सर्विस के डिस्ट्रीब्यूशन में ग्रोथ है। ईबीआईटीडीए 7 फीसदी मार्जिन के साथ बढ़कर 142 करोड़ हो गया, यह एआई-लेड ऑपरेटिंग लेवरेज, कॉस्ट पर लगातार डिसिप्लिन और त्यौहारी सीजन की शुरुआती की तेजी को दिखाता है। पेटीएम ने 21 करोड़ का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) बताया है, जिसमें शेयरहोल्डर लोन के पूरे इम्पेयरमेंट के लिए 190 करोड़ रुपए का वन-टाइम चार्ज शामिल है। इसके अलावा, पीएटी बढ़कर 211 करोड़ रुपए हो गया, जो चुनौतीपूर्ण मैक्रो वातावरण में कंपनी की अंतर्निहित ताकत और कुशल निष्पादन को दर्शाता है। पेटीएम के कैश बैलेंस के मुताबिक यह 13,068 करोड़ था, जिससे मर्चेंट एक्सपेंशन, वित्तीय सर्विस डिस्ट्रीब्यूशन और एआई-ड्रिवन इनोवेशन में निवेश करने के लिए काफी कैपिटल फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है। दूसरे ऑपरेटिंग इनकम को मिलाकर रेवेन्यू सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1,223 करोड़ रुपए हो गया, क्योंकि कंपनी ने भारत के एमएसएमई और एंटरप्राइजेज में अपनी लीडरशिप को और मजबूत किया है। ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 5.67 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि मर्चेंट सब्सक्रिप्शन 1.37 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 25 लाख अधिक है। इससे पेटीएम की ओम्नी-चैनल मर्चेंट पेमेंट्स में अग्रणी स्थिति मजबूत हुई है।

अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के बाद अब आईबीएम ने की छंटनी की घोषणा

टेक कंपनी अपने संसाधनों को नए बिजनेस क्षेत्रों में लगाने की बना रही योजना

नई दिल्ली

दुनिया भर की टेक इंडस्ट्री इस समय भारी उथल-पुथल से गुजर रही है। छंटनी की खबरें अब रोजमर्रा का हिस्सा बन गई हैं। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के बाद अब आईबीएम ने भी छंटनी की घोषणा की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हजारों कर्मचारियों की छंटनी में की आशंका है। कंपनी का कहना है कि यह कदम उसके बिजनेस मॉडल को सॉफ्टवेयर और सर्विस सेक्टर पर केंद्रित करने के लिए उठाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईबीएम इसी तिमाही से छंटनी करेगी। कंपनी अपने संसाधनों को नए बिजनेस क्षेत्रों में लगाने की योजना बना रही है ताकि बदलते तकनीकी माहौल में प्रतिस्पर्धा बनाए रखी जा सके। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि आईबीएम अपने वर्कफोर्स की नियमित समीक्षा करती है और जरूरत पड़ने पर पुनर्गठन करती है। प्रवक्ता ने कहा कि हम चौथी तिमाही में एक ऐसा कदम उठा रहे हैं जो हमारे वैश्विक कर्मचारियों के एक छोटे हिस्से को प्रभावित करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक आईबीएम के क्लाउड सॉफ्टवेयर सेगमेंट में पिछले माह ग्रोथ की गति धीमी रही है। यह वही सेगमेंट है जो कंपनी की भविष्य की रणनीति का केंद्र है। शेयर बाजार में भी इसका असर दिखा और आईबीएम के शेयर जो इस साल 35फीसदी तक बढ़ चुके थे, मंगलवार को करीब 2फीसदी गिर गए। इस छंटनी से अमेरिका के कुछ कर्मचारियों पर असर पड़ेगा, हालांकि कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में

कुल रोजगार संख्या करीब समान बनी रहेगी।

2024 के आखिर तक आईबीएम में करीब 2.7 लाख कर्मचारी कार्यरत थे। अब इनमें से हजारों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। आईबीएम का यह कदम उस वैश्विक ट्रेंड का हिस्सा है जिसमें बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन की दिशा में बढ़ते हुए अपने कार्यबल में कटौती कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में अब तक 218 टेक कंपनियां 1,12,000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुकी हैं। हाल ही में अमेजन ने भी अपने कॉर्पोरेट वर्कफोर्स से 14,000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि टेक सेक्टर में छंटनी की यह लहर अभी थमने वाली नहीं है।

एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण में आई गिरावट

वैश्विक स्तर के ज्यादातर देश में निवेशक बिकवाली मोड में

नई दिल्ली

वैश्विक सेमीकंडक्टर शेयरों में भारी बिकवाली की वजह से अमेरिका के वॉल स्ट्रीट और एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण की गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि ये हालात हाई वैल्युएशन से जुड़ी चिंताओं की वजह से हैं। वैश्विक स्तर के ज्यादातर देश में निवेशक बिकवाली मोड में नजर आए। इसमें दक्षिण कोरिया का शेयर मार्केट भी शामिल है। वैसे तो दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सभी प्रमुख सूचकांकों में अब तक का सबसे बड़ा गेनर रहा है लेकिन बुधवार को यह 6फीसदी से ज्यादा टूट गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया की दो दिग्गज चिप कंपनियों सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स ने इस गिरावट में अहम भूमिका निभाई। बता दें 2025 की शुरुआत से अब तक सैमसंग के शेयरों में करीब 80फीसदी और एसके हाइनिक्स में 200फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इसी तरह जापान में एडवांटेस्ट कॉर्प में 10फीसदी से ज्यादा की

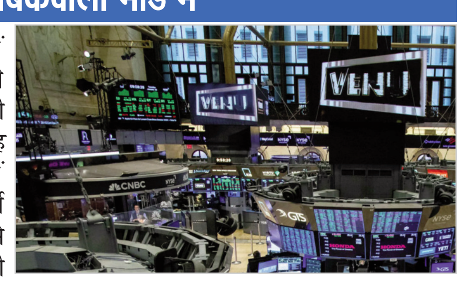

गिरावट दर्ज की गई। इस वजह से निक्केई 225 सूचकांक के प्रदर्शन पर असर पड़ा। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी में भी 3फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इन शेयरों में बिकवाली के दबाव और मंगलवार को फिलाडेल्फिया सेमीकंडक्टर इंडेक्स में हुई गिरावट ने संयुक्त बाजार पूंजीकरण का आधा ट्रिलियन डॉलर का सफाया कर दिया।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम शून्य...........लेकिन बीमा ग्राहकों को नहीं मिल रहा लाभ

मुंबई जीएसटी काउंसिल ने सितंबर में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत के जीएसटी को शून्य किया था, लेकिन ग्राहकों को उसका कोई लाभ नहीं मिला। अधिकांश बीमा कंपनियों ने कुल प्रीमियम बीते वर्ष के मुकाबले ज्यादा कर दिया। यह बढ़ोतरी 10 से लेकर करीब 37 प्रतिशत तक हुई है। वाहन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में बीते वर्ष के मुकाबले करीब 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। बढ़ोतरी के पीछे कंपनी ने चिकित्सा महंगाई, बाजार की प्रवृत्तियां, दावों और सेवाओं की लागत में वृद्धि को बताया। कंपनी ने कहा कि प्रीमियम में बढ़ोतरी इरडा के दिशा-निर्देशों के अनुसार है। अधिकांश कंपनियां पॉलिसी में नए राइडर (सुविधाएं एवं कवरेज) जोड़कर प्रीमियम बढ़ा रही हैं। राइडर जोड़ने से पहले पॉलिसीधारक से कोई स्वीकृति नहीं ली जा रही है। कई कंपनियों द्वारा पॉलिसी में पहले से शामिल कवरेज को नया बताकर उसका प्रीमियम भी जोड़ा जा रहा है। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने बीते वर्ष एक पॉलिसी साढ़े सात लाख रुपये के बीमा कवरेज के साथ 16,731 रुपये में बेची थी, जिसमें 2552.22 रुपये का जीएसटी था।

वैश्विक बाजारों में गिरावट से 10 टॉप अरबपतियों को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में मंगलवार को आई गिरावट का असर टॉप-10 अरबपतियों की संपत्ति पर पड़ा। एलन मस्क की संपत्ति को सबसे बड़ा झटका लगा, जो एक दिन में 17.5 अरब डॉलर की भारी गिरावट के साथ 460 अरब डॉलर पर सिमट गई।

मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर मंगलवार को 5 फीसदी से ज्यादा नीचे लुढ़क गए। लैरी एलिसन, जेफ बेजोस, लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन जैसे सैन फ्रांसिस्को के बड़े नामों ने भी अरबों डॉलर गंवाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लैरी एलिसन की संपत्ति में मंगलवार को 11 अरब डॉलर की गिरावट आई। दुनिया के दूसरे सबसे रईस इस शख्स के पास अब 308 अरब डॉलर की संपत्ति बची है। जेफ बेजोस की संपत्ति 4.11 अरब डॉलर घटकर 270 अरब डॉलर पर आ गई। लैरी पेज भी 4.85 अरब डॉलर गंवा दिए। इनका नेटवर्थ 241 अरब डॉलर रहा। सर्गेई ब्रिन ने भी 4.49 अरब डॉलर गंवाए। इनके पास अब 225 अरब डॉलर का नेटवर्थ बचा है। मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में 3.56 अरब डॉलर की कमी आई। जुकरबर्ग के नेटवर्थ में आई इस गिरावट की वजह मेटा के शेयरों में गिरावट आई। मेटा के शेयर मंगलवार को 1.63 फीसद टूटे। वहीं, एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग को 6.98 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

फ्रांस के लग्जरी ब्रांड के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट भी इस गिरावट से नहीं बच सके। विशेषज्ञ मानते हैं कि शेयर बाजार में आई अस्थिरता और तकनीकी उद्योग के कुछ सेक्टर्स में दबाव के कारण यह संपत्ति में कमी आई। फिर भी इन अरबपतियों की सालाना बढ़ोतरी में अभी भी मजबूती बनी हुई है, जो यह दर्शाती है कि लंबी अवधि में टेक्नोलॉजी सेक्टर की पकड़ मजबूत है। निवेशकों के लिए यह एक चेतावनी के साथ-साथ अवसर भी लेकर आया है।

चीन ने अमेरिकी सामानों पर लगा 24फीसदी अतिरिक्त टैरिफ हटाया

अमेरिकी सोयाबीन पर अभी भी 13 फीसदी टैक्स रहेगा लागू

बीजिंग

चीन ने अमेरिकी सामानों पर लगाए गए 24फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को एक साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। यह फैसला 10 नवंबर से लागू होगा। चीन की स्टेट काउंसिल के टैरिफ कमीशन ने कहा कि 10फीसदी का जो टैरिफ ट्रम्प के लिबरेशन डे शुल्कों के जवाब में लगाया गया था, वह जारी रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमीशन ने बताया कि वह कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर लगे 15फीसदी तक के टैरिफ को पूरी तरह हटा देगा। ये वही उत्पाद हैं जिन पर चीन ने मार्च में टैक्स लगाने की घोषणा की थी।

इस फैसले के बाद चीन ने संकेत दिया है कि वह व्यापारिक तनाव को कम करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, हालांकि दोनों देशों के बीच टैरिफ विवाद पूरी तरह खत्म होने में अभी समय लग सकता है।

इन राहत के बावजूद अमेरिकी सोयाबीन पर अभी भी कुल 13फीसदी टैक्स लागू रहेगा, जिसमें पहले से मौजूद 3फीसदी बेस टैरिफ शामिल है। कारोबारियों का कहना है कि इससे अमेरिकी सोयाबीन अब भी महंगा होगा, खासकर जब ब्राजील से आने वाले सोयाबीन सस्ते हैं यानि अब कुल मिलाकर देखा जाए तो, ज्यादातर अमेरिकी सामानों पर चीन 10फीसदी टैरिफ लागू रखेगा। वहीं 24फीसदी वाला

एक्स्ट्रा टैरिफ फिलहाल निलंबित है, यानी लागू नहीं है। इस तरह चीन अभी औसतन 10फीसदी का टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लागू कर रहा है।

नुवामा ने दी एसबीआई शेयर खरीदने की सलाह, टारगेट भाव 1,150 रुपए रखा

▸▸ एसबीआई के पास करीब 7 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की मजबूत लिस्ट

नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सितंबर तिमाही में बहुत अच्छे नतीजे दिखाए। बैंक की कमाई और मुनाफा दोनों ही उम्मीद से ज्यादा रहे। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा है कि बड़े बैंकों में एसबीआई का प्रदर्शन शानदार रहा। बैंक की ब्याज से होने वाली आमदनी, चालू और बचत खाते और फीस से कमाई यह तीनों में अच्छी बढ़त हुई। एसबीआई का शुद्ध मुनाफा पिछले साल से 10फीसदी ज्यादा और पिछली तिमाही से 5फीसदी ज्यादा रहा। नुवामा ने एसबीआई के शेयर को खरीदने की सलाह दी है और इसका टारगेट भाव 1,150 रुपए रखा है। अभी एसबीआई का शेयर करीब 957 रुपए पर है यानी आगे चलकर इसमें करीब 20फीसदी की बढ़त हो सकती है।

एसबीआई की ब्याज से होने वाली कमाई यानी नेट इंटरेस्ट मार्जिन बढ़कर 2.97 फीसदी हो गया, जो बाजार की उम्मीद से बेहतर है। बैंक का कोर भी थोड़ा बढ़ा। इसमें 5 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी हुई। बैंक के लोन यानी दिए गए कर्ज में भी अच्छी बढ़त हुई। यह तिमाही के हिसाब से 4फीसदी और सालभर में 13फीसदी बढ़े। इसके साथ ही, बैंक की फीस से होने वाली कमाई में भी इजाफा हुआ। यह तिमाही में 12फीसदी और सालाना 25फीसदी बढ़ी। सबसे खास बात यह रही कि बैंक के चालू खातों में 18फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई, जो बाकी बैंकों के मुकाबले सबसे ज्यादा थी। एसबीआई के कॉरपोरेट लोन यानी कंपनियों को दिए गए कर्ज में 7फीसदी सालाना और 3फीसदी तिमाही की बढ़ोतरी हुई है। बैंक के चेयरमैन ने बताया कि एसबीआई के पास करीब 7 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की मजबूत लिस्ट है, जिसमें से करीब आधे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिल चुकी है। रिटेल लोन यानी आम ग्राहकों को दिए गए कर्ज में भी अच्छी बढ़त रही। हाउसिंग लोन में 4फीसदी और गोल्ड लोन में 14फीसदी की बढ़ोतरी हुई। छोटे कारोबारों के लिए दिए गए एसएमई लोन में भी 19फीसदी सालाना की वृद्धि दर्ज की गई।

आरआईटीईएस शेयरधारकों को अगले हफ्ते करेगी अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा

पिछले साल 2024 में भी आरआईटीईएस ने तीन बार डिविडेंड दिया था

नई दिल्ली

रेल मंत्रालय के तहत आने वाली सरकारी कंपनी जल्द ही अपने शेयरधारकों को एक और अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा कर सकती हैं। कंपनी ने 31 अक्टूबर को दिए अपने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि निदेशक मंडल की अगली बैठक 11 नवंबर को होगी। इस बैठक में कंपनी सितंबर 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों को मंजूरी देगी और साथ ही अंतरिम डिविडेंड देने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 11 नवंबर को होना है। इस बैठक में 30 सितंबर 2025 तक की तिमाही और आधे साल के बिना ऑडिट किए गए वित्तीय नतीजों पर चर्चा की जाएगी। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अगर मंजूरी मिली, तो इक्विटी शेयरों पर दूसरा अंतरिम डिविडेंड घोषित किया जाएगा।

आरआईटीईएस लिमिटेड अपने निवेशकों को लगातार मुनाफा देती रही हैं। कंपनी का डिविडेंड यील्ड 3.02फीसदी है, यानी हर साल कंपनी अपने शेयर की कीमत के हिसाब से करीब इतना फायदा निवेशकों को देती है। फिलहाल कंपनी का शेयर करीब 250 के आसपास है। साल 2025 में कंपनी ने अब तक तीन बार डिविडेंड दिया है। फरवरी में 1.90 प्रति शेयर, अगस्त में 1.20 प्रति शेयर और सितंबर में 2.65 प्रति शेयर है।

बता दें पिछले साल 2024 में भी आरआईटीईएस ने तीन बार डिविडेंड दिया था और इसके साथ 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर भी जारी किए थे। यानी हर एक शेयर के बदले निवेशकों को एक और शेयर मिला। उस समय फरवरी में 4.75 रुपए, अगस्त में 2.50 रुपए, और सितंबर में बोनस के बाद 5 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड दिया गया था। इसके पहले 2023 और 2022 में कंपनी ने निवेशकों को क्रमशः 20.25 रुपए और 19.50 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड दिया था। आरआईटीईएस लिमिटेड देश की बड़ी कंपनियों में शामिल है और यह बीएसई 500 इंडेक्स का हिस्सा है। बाजार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में करीब 10फीसदी की गिरावट आई है।

बिहार में चौपालों में एक ही गूंज है, और हर दिल से एक ही आवाज? कौन थामेगा बिहार की सत्ता की कमान?

कांतिलाल मांडोत

आजादी के बाद कई वर्षों तक सता में रही कांग्रेस ने समाज को जोड़ा ही नहीं था।बच्चे, बूढ़े, युवक,महिलाओं, गरीबो के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण आदि के कार्य में कोई परिवर्तन नही आया।आज भाजपा भारत की सर्वोच्च सता हासिल कर अपने हिंदुव के एजेंडे को कार्यरूप देने में लगा है।कांग्रेस ने इतने वर्षों में अपने जनाधार वाले सभी संगठनो को मार डाला।दुरुस्त लोगो के मन मे समाई कांग्रेस ने सत्ता सुख में डूब जाने के बाद वह सभी भुला दिए गए।

हर राज्य में हार के बाद कांग्रेस और महागठबंधन को अब मान लेना चाहिए कि फिलहाल केंद्र हो या राज्य में राज करने का समय नही है।दुनिया भर में राष्ट्र वाद के उभार को देखते हुए यह वक्त अब रास्ट्रीय स्वयं सेवक के रथ पर बैठकर सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी का है और नरेंद्र मोदी व अमित शाह उसके सारथी है।राष्ट्रवाद के इस दौर की उम्र भले ही वैश्विकवाद व उदारवाद से थोड़ी कम रहे पर 50 साल से तो कम नही है।क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल ने भी मंच से कहा है कि भाजपा 50 साल सत्ता से नही उतरेगी।निर्भर यह रहेगा कि इसके सारथी जिस तरह से विकास और भारत को बुलंदियों तक पहुंचा रहे है वैसे ही यह सिलसिला चलता रहेगा?जिस तरह से मोदी और भाजपा देश को समावेशी व कल्याणकारी बनाते आ रहे है।ऐसे में कांग्रेस के पास और महागठबंधन करने के लिए अब दो काम है।वह अपनी भूमिका को पहचाने और उसके लिए काम करे,और दूसरा राज्यो में अपने बचे हुए अस्तित्व को प्रभावी बनाने के लिए कुछ ठोस फैसला ले।क्योकि जिस इंदिरा गांधी की बात बिहार चुनाव में कर रहे है।उनका इतिहास शायद राहुल ने नही पढा है।क्योंकि हिन्दू और हिन्दुत्व की बात कर लीपापोती करने वाले राहुल जैसा ही उनके पूर्वजो ने किया है।

तुष्टिकरण की इस राजनीति ने राहुल और कांग्रेस को धराशायी कर दिया है।अनपढ़ और निरक्षर मतदाता अब नही है।मोबाइल और इंटरनेट से जुड़े इस भारतीय समाज के लिए मुश्किल डगर नही है।शिक्षित समाज को राहुल गुमराह नही कर सकता है।बिहार चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प, अडानी और अम्बानी पर मोदी को निशाना बनाने वाले राहुल गांधी को यह आभास नही है कि विदेश नीति पर क्या बोलना चाहिए और क्या नही बोलना चाहिए।क्योंकि भारतीय विदेश नीति वर्तमान में सबसे अच्छी है।विदेश मंत्री एस जयशंकर की नीतियां आज दुनिया के सभी देशों को भा गई है।राजनीति और व्यवहारिक ज्ञान नही होने से देश चलाने में मुश्किले आती है।भारत को बुलंदियों पर पहुंचाने वाले नेताओं को हर बात की समझ है।नालन्दा विश्वविद्यालय की बात करने वाले राहुल को ज्ञात होना चाहिए कि इस धरोहर के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है।भाजपा का शासन दस वर्ष से आया है।लेकिन 60 सालों तक कांग्रेस की सत्ता रही है।अतिपिछड़ों की हालत कांग्रेस की देन है।अब महागठबंधन वोट लेने के लिए दलित,आदिवासी और यादव की शरण मे गए है।इनकी दुर्दशा महागठबंधन ने ही की है।बिहार में मेनिफेस्टो बताकर मतदाताओ का मिजाज भांपने निकली राजनैतिक पार्टियां अब विकाशील दल के साथ जाने का पूरा मन बना लिया है।बिहार अब वो बिहार नही रहा है जहां लालू की धोस से जनता मजबूर थी।बिहार ने अनन्तसिंह की गिरफ्तारी से सियासत गरमा गई है।मोदी ने आरा में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने ठान लिया है कि अब फिर से एनडीए की सरकार

बनाने का मन बना लिया है।बिहार विधानसभा में धनबल और बाहुबल का खुलेआम प्रदर्शन किया जा रहा है।बाहुबलियों की सम्पति करोड़ो में है।वे चुनाव मैदान में है।मुंगेर के लिए प्रचार प्रसार करने पहुंचे नेताओ और जनता के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए चर्चा की जा रही है।

स्थानीय लोगो के मुद्दे भी हावी है।बिहार में प्रियंका और तेजस्वी अपराध की बात करते सुनाई दिए है।जिस पार्टियो ने देश की आजादी के बाद लोगो की विरासत में कट्टा, क्रूरता और कुशासन ही दिया है।उनके मुह से यह बात शोभा नही देती है।कांग्रेस की अराजकता पूरा देश जानता है।जंगलराज वाले नीतीश सरकार पर जंगलराज का आरोप लगा रहे है।यह तो वही हुआ कि चोर कोतवाल को डण्डे।महिला सुरक्षा की बात दोहराई जा रही है।लेकिन एनडीए की पहली प्राथमिकता रही है कि महिलाओ और बेटियों की सुरक्षा सबसे पहले अमल में रखी जाती है।

यह समय महागठबंधन के लिए हताशा का है।क्योंकि कांग्रेस कई सालों से सत्ता से बाहर है और उसकी हड्डियो में भर गए आलस को दूर कर अपने को नए जोश और सोच भरने का कार्य करना चाहिए।कुदरत ने उसे नए रूपांतरण का समय दिया है।आजादी से पहले से ही नेहरू परिवार की प्रधानता रही और आजादी के बाद तो खुद कांग्रेसी ही उस परिवार के बिना अपने अस्तित्व की कल्पना नही कर सके।नेहरू गांधी परिवार इस देश पर कब्जा जमाना रखना चाहता है।कांग्रेस के दिग्गज नेता अपने बल पर खड़े हो पार्टी को आगे ले जाने की हिमत ही नही रखते।क्योकि कांग्रेस खोई हुई राजनीति को वापस प्राप्त करने की कोशिश कर रही है।लेकिन जिस तरह सेक्युलवाद की आड़ में देश के साथ जो व्यवहार किया गया था अब वह शिक्षित समाज के लिए किसी घुसपैठ से कम नही है।

कांग्रेस के नेता राज परिवार को बाहर लाए थे और आज वे उसी युवराज की राजनैतिक अपरिपक्वता से चुभन महसूस कर रहे है।राहुल किस समय क्या बोल देते है।उसी का कारण है कि कांग्रेस हाशिये में चली जाती है।राहुल कहते है कि मैं इतना आरोप लगा रहा हूं लेकिन मोदी मेरे आरोपो का जवाब क्यों नही देते है?यह राहुल और कांग्रेस को समझना चाहिए?क्योंकि बिना जवाब दिए ही कांग्रेस का पतन दिनों दिन बढ़ता जा रहा है।जिस मुद्दे के लिए कांग्रेस को लड़ना चाहिए, उस मुद्दे को छोड़कर सीधा हमला मोदी पर ही किया जा रहा है।इसलिए कांग्रेस के लिए ठीक नही है।महागठबंधन की परीक्षा की घड़ी है।आर्थिक और सामाजिक स्तर पर मोदी ने कई फैसले लिए है।और मोदी आगे बढ़ा रहे है।मोदी और भाजपा का एक ही सपना है कि देश दुनिया की महासत्ता बने,लेकिन महागठबंधन के पास देश को समृद्धिशाली बनाने का विजन नही है।रास्ट्रीय पार्टी को तीसरे टर्म तक सफलता पूर्वक सता में बनाए रख पाना राजनीतिक व कूटनीति समझ के बिना संभव नही है।दुनिया मे भारत की विदेश नीति एक महत्वपूर्ण स्तर तक पहुंच गई है।वही कांग्रेस विदेशो में लोकतंत्र और मोदी की बुराई कर-के वाहवाही लूटने के असफल प्रयास करते है।मोदी और संविधान पर निशाना साधने वाले नेता भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रयास कर सकते है?आज कांग्रेस के पास जनाधार रखने वाले नेताओं की पार्टी में कमी महसूस की जा रही है।शायद राहुल गांधी की सक्रिय राजनीति में कोई रुचि नही दिखती है।अगर रुचि होती तो मुद्दे पर सियासत करने की जगह सीधा मोदी पर जूठा आरोप लगाकर करोड़ो लोगो की आस्था पर कुठाराघात कर रहे है।राहुल अपनी जिम्मेदारी समझे?पार्टी में दूरदर्शिता,तुरन्त फैसले लेने की क्षमता, साहस व लोगो को अपने साथ जोड़ने मि क्षमता रखने वाले नेताओं की कांग्रेस में कमी है।भारतीय राजनीति के इतिहास में अब तक सबसे ताकतवर नेता मोदी है जिनकी पटकनी कुटिल राजनीति के जानकार भी नही दे सकते है।मोदी को देवतुल्य मानने वालों की कमी नही है।कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजयसिंह दिग्गी ने जीता हुआ गोवा भी भाजपा ने छींन कर अपनी झोली में डाल दिया।कांग्रेस के बड़े दिग्गज नेता आज या तो भाजपा में है या राजनैतिक सन्यासी बन गए है।कांग्रेस की नीतियों को आज कोई समर्थन नही करता है।तुष्टिकरण की रेस में कांग्रेस फिस्सडी साबित हुई है।भाजपा के घाघ नेता मोदी और अमित शाह की जोड़ी की चालो के सामने नाकाम हो रहे है।कांग्रेस के सामने चुनौतियो को देखते हुए फिर से मंथन करने की जरूरत है।धीरे धीरे गांधी परिवार कांग्रेस को पीछे ले जा रहा है।शायद कांग्रेस के लिए अब राह आसान नही है।राहुल जिस तरह से मोदी पर अनर्गल बयानबाजी करते नजर आ रहे है।वही पर कांग्रेस की बैचेनी बढ़ती जा रही है।महागठबंधन के दावे,वादे टाय टाय फीस होते नजर आ रहे है।राहुल गांधी को नेहरू गांधी परिवार के एक ऐसे अंतिम व कमजोर व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा।जिसके नेतृत्व में पार्टी रसातल में आते आते अपने ही मौत मर गई है।राहुल में अगर दम है तो कांग्रेस की विचारधारा को बदलकर नए सिरे से पार्टी को खड़ा करने की फिर से कोशिश करे।अभी तो सारा दोष राहुल के मत्थे मढ दिया है लेकिन पुराने व नए केंद्र और राज्य में बैठे नेता खुद बताएं कि वे पार्टी को कैसे आगे ले जाने की क्षमता रखते है।कांग्रेस ने कर्नाटक में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का मन बनाया था।लेकिन हाईकोर्ट ने फैसला देते हुए कांग्रेस को लताड़ लगाई।इस तरह की मानसिकता वाली कांग्रेस के लिए क्या कहना है।रास्ट्रीय राजनैतिक पार्टी को 30 साल से सत्ता से बाहर रहना बड़ा मुश्किल कार्य है।30 साल का मतदाता कांग्रेस को जानता और समझ नही सकता है।महागठबंधन की जीत या हार कांग्रेस के स्थान को तय करेंगी।लेकिन यह जवाबदेही खुद अकेले राहुल की नही है।यह पार्टी आलाकमान की भी है।आजादी के बाद कई वर्षों तक सता में रही कांग्रेस ने समाज को जोड़ा ही नही था।बच्चे, बूढ़े, युवक,महिलाओं, गरीबो के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण आदि के कार्य में कोई परिवर्तन नही आया।आज भाजपा भारत की सर्वोच्च सता हासिल कर अपने हिंदुव के एजेंडे को कार्यरूप देने में लगा है।कांग्रेस ने इतने वर्षों में अपने जनाधार वाले सभी संगठनो को मार डाला।दुरुस्त लोगो के मन मे समाई कांग्रेस ने सत्ता सुख में डूब जाने के बाद वह सभी भुला दिए गए।विभिन्न राज्यो में एक के बाद एक राज्य में हार इस बात का कारण है कि वक्त आ गया है कि कांग्रेस अपनी नई भूमिका में फिर से रचनात्मक कार्यो की और मोडे ।अपने खोए हुए जनाधार वापस पाने के लिये ही नही,बचे हुए जनाधार बचाने के लिए भी यही जरूरी है।कांग्रेस को मंथन करना है अगर इसी तरह चलता रहा तो कांग्रेस के दिन बहुत कठिन आने वाले है।विकास के नाम पर कांग्रेस की चुप्पी उसे कांग्रेस से दूर करने के लिए काफी है।

संपादकीय

बिहार में वायदों की भरमार किसकी बनेगी सरकार

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम दौर में है। इस चुनाव में मुख्य रूप से एनडीए एवं महागठबंधन के बीच चुनावी मुकाबला है। इन दोनों के बीच एक नये राजनीतिक दल जन सुराज का भी प्रवेश हो चुका है। जिससे बिहार विधान सभा चुनाव त्रिकोणीय संघर्ष के बीच उलझ गया है। इस परिवेश में दोनों प्रमुख राजनीतिक दल घोषणा पत्र के माध्यम से सर्वाधिक जनमत को अपने पक्ष में कर सरकार बनाने का प्रयास कर रहे है। दोनों मुख्य रूप से ये दल अपने-अपने तरीके से बिहार की जनता को लुभाने का प्रयास कर रहे है। देखना यह है कि बिहार की जनता घोषणा पत्र में जारी वायदों से प्रभावित होकर मतदान करती है या स्वविवेक से मतदान कर सरकार का नया स्वरूप तय करती है।

घोषणापत्र में किये गये दोनों प्रमुख राजनीतिक दल के स्वरूप पर एक नजर डालें। जहां महा गठबंधन ने रोजगार में हर घर से सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। वहीं एनडीए ने एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा की है। जहां एनडीए ने लखपति दीदी योजना में एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य रखा है। वही महागठबंधन ने। जीविका दीदियों को 30000 रुपए, माई बहन योजना में हर महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की है। एनडीए ने किसान सम्मन निधि की राशि 6000 बढ़कर 9000 की है। सभी फसलों पर एमएस बिजली के क्षेत्र में। इंडिया ने 125 यूनिट फ्री हर परिवार को देने तो महा गठबंधन ने 200 यूनिट फ्री करने की घोषणा की है। एनडीए ने उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोड़ दिया है तो महा गठबंधन ने रोजगार शिक्षा सामाजिक न्याय कीबातकी है। महा गठबंधन ने पुरानी पेंशन लागू करने की भी बात की है। वहीं गैस सिलेंडर भी 500रुपए में देने का वायदा किया है। महागठबंधन ने शराबबंदी कानून की समीक्षा करने की भी बात की है। महिलाओं को दो बरस तक ब्याज मुक्त ऋण देने की भी बात की है। कॉलेज में महिलाओं को आरक्षण देने की भी बात की है। वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने की भी बात की है। महागठबंधन ने बिहार में बोली जाने वाली भोजपुरी, मगही, अंगिका, बज्जिका को अधिकारिक भाषा का स्वरूप दिलाने की बात कर इनसे जुड़े लोगों को अपने पक्ष में लाने का प्रयास किया है। इन घोषणाओं के बीच बिहार विधान सभा चुनाव प्रचार अपने अंतिम दौर में है। बिहार की जनता चुनाव उपरांत जो सरकार का स्वरूप तय करती है, , आने वाली सरकार घोषणापत्र में घोषित बातों को कितना अमल कर पाती, आने वाला समय हीं बता पायेगा।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की शक्ति का महत्व...

मनुष्य का जीवन उसकी शारीरिक एवं प्राणिक सत्ता में नहीं, अपितु उसकी मानसिक एवं आध्यात्मिक सत्ता में भी आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और कामनाओं का है। जब उसे ज्ञान होता है कि एक महत्तर शक्ति संसार को संचालित कर रही है, तब वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, अपनी विषम यात्रा में सहायता के लिए, अपने संघर्ष में रक्षा के लिए आय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना द्वारा उसकी शरण लेता है।

प्रार्थना द्वारा भगवान की ओर साधारण धार्मिक पहुंच, अपने को ईश्वर की ओर मोड़ देने के लिए यह हमारी प्रार्थनारूपी विधि हमारी धार्मिक सत्ता का मौलिक प्रयत्न है, और एक सार्वभौम सत्य पर स्थित है- भले ही इसमें कितनी भी अपूर्णताएं हों और सचमुच अपूर्णताएं हैं भी।

प्रार्थना के प्रभाव को प्राय? संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और स्वयं प्रार्थना निरर्थक तथा निष्फल समझी जाती है। वैश्व संकल्प सदैव अपने लक्ष्य को ही कार्यान्वित करता है। वह सर्वज्ञ होने के कारण अपने वृहत्तर ज्ञान से कर्तव्य पहले ही जान लेता है, परंतु यह व्यवस्था यांत्रिक नियम से नहीं, बल्कि कुछ शक्तियों एवं बलों के द्वारा कार्यान्वित होती है।

यह मानव संकल्प, अभीप्सा और श्रद्धा का एक विशेष रूप मात्र है। प्रारंभ में प्रार्थना निम्न स्तर भी हमारे सबंध को तैयार करने में सहायता पहुंचाती है। मुख्य वस्तु इस प्रकार का साक्षात संबंध, मनुष्य का ईश्वर से संपर्क, सचेतक आदान-प्रदान न कि पार्थिव वस्तु की प्राप्ति।

तेल का खेलः सरकार और कॉरपोरेट बने मुनाफाखोर

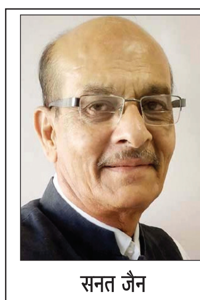

सनत जैन

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर जारी बहस एक बार फिर तेज हो गई है। जब विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमत कई महीनों से अपेक्षाकृत स्थिर और सबसे कम है। तब उपभोक्ता सवाल पूछ रहे हैं, आखिर भारत में पेट्रोल 100 रुपए से ऊपर क्यों बिक रहा है। पड़ोसी देश भूटान में भारत से रिफाइंड पेट्रोल और डीजल जा रहा है। वहां पर यही ईंधन लगभग 75 रुपए प्रति लीटर में उपलब्ध है? भारत से वहां पर जाकर डीजल और पेट्रोल अपनी गाड़ियों में भरवाते हैं। यह अंतर भारत सरकार की मुनाफाखोर नीति का नतीजा है। भारत में पेट्रोल-डीजल पर सबसे अधिक टैक्स लगाए जाते हैं। रिफाइनरी से निकले ईंधन का बेस प्राइस 30 रुपये के आस-पास होता है। जब यह उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो उसके मूल्य में एक्साइज ड्यूटी, वैट, सेस, मार्केटिंग, डीलर मार्जिन और कई तरह के टैक्स शामिल होकर इसकी कीमत तीन गुना से अधिक हो जाती है। यही नहीं, सरकारी तेल कंपनियाँ भी भारी मुनाफा कमा रही हैं। जिसके कारण निजी पेट्रोलियम कंपनी भी भारी मुनाफा कमाती है। सरकार पेट्रोलियम कंपनियों पर कोई नियंत्रण लागू नहीं करती है। कंपनियों के मुनाफे पर सरकार टैक्स व डिविडेंड के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से हजारों करोड़ों रुपए की अतिरिक्त कमाई करती है। सवाल यह नहीं है, सरकार को टैक्स नहीं लेना चाहिए, बल्कि सवाल यह है, सरकार को टैक्स का बोझ किस हद तक जनता पर डालना वाजिब है? जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटती हैं, तो उसका लाभ उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं दिया जाता है? जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है उस समय उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को बढ़ा दिया जाता है। बढ़ी हुई कीमत कम नहीं की जाती है। कोरोना महामारी के दौरान और उसके बाद भी भारत ने ईंधन कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव के अनुसार वह लचीलापन नहीं दिखाया जो भारत सरकार की नीति में शामिल था। भारत सरकार ने जब सब्सिडी पेट्रोल और डीजल से खत्म की थी, उस समय नीति में कहा गया था अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव के हिसाब से पेट्रोलियम कंपनियां अपने उत्पाद के रेट घटाएंगी और बढ़ाएंगी। भूटान का उदाहरण भारतीय उपभोक्ताओं की पीड़ा को उजागर करता है। भारत से रिफाइन होकर गया पेट्रोल-डीजल वहां पर टैक्स और परिवहन के बाद भी कम कीमत पर बिकता है। भारत सरकार की टैक्स नीति अलग है, भूटान सरकार की टैक्स नीति अलग है। भूटान की सरकार अपने नागरिकों से उतना ही टैक्स वसूल करती है जो वह आसानी से वहन कर सकें। वहीं भारत सरकार पेट्रोल और डीजल उत्पादन पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारी टैक्स लगाकर अपने खजाने को भरने तथा पेट्रोलियम कंपनियां और राजनेताओं को भारी कमाई कराने की नीति मानी जा रही है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री कहते हैं, पेट्रोलियम की कमाई से देश में विकास हो रहा है। विकास के नाम पर कितना भ्रष्टाचार हो रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है।

यह सवाल फिर भी उठता है, यदि भारत में उत्पादन, रिफाइनिंग और सप्लाई का आधार मजबूत है, इसके बाद भी भारतीय उपभोक्ताओं को राहत क्यों नहीं मिल रही है। तेल का यह खेल सरकार और कॉरपोरेट दोनों विशाल कमाई करते हैं। पेट्रोलियम कंपनियों का खरीद से लेकर बिक्री के बीच में भारी कमीशन है। विदेश में कच्चे तेल की खरीदी में बड़ी कमाई की जाती है। परिवहन और रिफाइन में भी बड़े-बड़े खेल होते हैं। लाखों करोड़ रुपए की कमाई विकास के नाम पर की जा रही है। विकास कार्यों में किस तरह का भ्रष्टाचार है, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। आम नागरिक महंगाई के बोझ तले दबता चला जा रहा है। आम नागरिक अपनी मौलिक और बुनियादी आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पा रहा है। पेट्रोलियम पर लगाए गए टैक्स का असर हर चीज पर पड रहा है। इसके बाद भी सरकार डीजल और पेट्रोल की कीमतें नहीं घटा रही है। सरकार और पेट्रोलियम कंपनियों का खजाना भरता चला जा रहा है। जरूरी है, सरकार की ईंधन मूल्य निर्धारण पारदर्शी हो। टैक्स संरचना न्यायपूर्ण बने, बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप लाभ आम जनता तक पहुंचे।

पेट्रोल केवल ईंधन नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। जब आम आदमी अपना जीवन ही नहीं जी पा रहा है, अपनी जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रहा है, ऐसी स्थिति में सरकार की यह मुनाफाखोरी चिंता में डालने वाली है। जिस तरह से आम आदमी महंगाई और बेरोजगारी का शिकार हो रहा है, यदि ऐसे समय में भी सरकार और पेट्रोलियम कंपनियां इस तरह की मुनाफाखोरी करती है तो इसका संदेश अच्छा नहीं जा रहा है। सरकार और नागरिकों के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। समय रहते सरकार को अपनी नीति बदलनी होगी। अन्यथा कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है।

विश्व विजय बनी महिला क्रिकट टीम, लेकिन पुरुषों जैसी समानता अभी बाकी

बी. डेविड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल खेल के मैदान में, बल्कि सामाजिक बदलाव की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई है। इस जीत ने भारतीय महिला खिलाड़ियों को नई पहचान दी है, जिससे अब उनसे उम्मीदें और जिम्मेदारियां दोनों बढ़ गई हैं। पिछले दो दशकों में महिला क्रिकेट ने लंबा सफर तय किया है, लेकिन अब भी पुरुष क्रिकेटरों की तुलना में कई क्षेत्रों में असमानता बनी हुई है। अतीत में महिला क्रिकेटरों की स्थिति बेहद कठिन थी। 1980 के दशक तक खिलाड़ियों को मैच फीस नहीं मिलती थी। वे रेलवे में कन्सेशन टिकट पर यात्रा करती थीं, साधारण हाल में ठहराई जाती थीं और मिलने वाले किट्स की गुणवत्ता भी बहुत कम होती थी। उस समय महिला क्रिकेट को 'वूमन क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया' चलाती थी, लेकिन 2006 में इसका विलय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में हुआ। इसके बाद महिला क्रिकेट में सुधार की शुरूआत हुई और आज यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान

बना चुकी है। बीसीसीआई ने अक्टूबर 2022 में ऐतिहासिक निर्णय लिया कि अब महिला और पुरुष खिलाड़ियों को समान मैच फीस दी जाएगी। यानी टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के लिए 6 लाख और टी-20 के लिए 3 लाख का भुगतान दोनों को समान रूप से मिलता है। हालांकि, सालाना कॉन्ट्रैक्ट राशि में अभी भी बड़ा अंतर है। पुरुष क्रिकेटरों को ए प्लस, ए, बी और सी ग्रेड में क्रमशः 7 करोड़, 5 करोड़, 3 करोड़ और 1 करोड़ सालाना मिलते हैं, जबकि महिला खिलाड़ियों के तीन ग्रेड ए, बी और सी में क्रमशः 50 लाख, 30 लाख और 10 लाख की राशि तय है। घरेलू क्रिकेट में भी समान स्ट्रक्चर लागू किया गया है, पर राज्य संघों में अब भी थोड़े अंतर देखे जाते हैं। आईपीएल में जहां पुरुष खिलाड़ियों की सैलरी करोड़ों में होती है, वहीं महिला क्रिकेटरों की वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में आय 10 लाख से 3.4 करोड़ तक सीमित है। यह अंतर अभी भी खेल के आर्थिक पहलू में असमानता को दर्शाता है। सुविधाओं के मामले में भी पुरुष खिलाड़ियों को बढ़त हासिल है। उन्हें बेहतर नेट्स, अत्याधुनिक ट्रेनिंग, रिहैब सेंटर और विशेषज्ञ फिजियो की सेवाएं नियमित रूप से मिलती हैं। महिला खिलाड़ियों के लिए सपोर्ट स्टाफ की संख्या अभी भी सीमित है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सुधार जरूर हुआ है अब महिला टीम को बिजनेस क्लास में यात्रा और फाइव स्टार होटलों में ठहरने की सुविधा मिलने लगी है, जो पहले केवल पुरुष टीम तक सीमित थी। चिकित्सा और रिकवरी सुविधाओं में भी पुरुष क्रिकेटर आगे हैं। बड़े टूनामेंटों में महिला खिलाड़ियों को समान सुविधा मिल जाती है, लेकिन नियमित रूप से यह स्तर हासिल नहीं हुआ है। वहीं, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन में भी असमानता दिखती है। पुरुष खिलाड़ियों के पास मेंटल कोच और काउंसलर स्थायी रूप से उपलब्ध हैं, जबकि महिला टीम के लिए यह सुविधा अभी शुरूआती स्तर पर है। ब्रांड वैल्यू और स्पॉन्सरशिप के मामले में भी पुरुष खिलाड़ियों का दबदबा कायम है। बीसीसीआई के मीडिया राइट्स और व्यक्तिगत एंडोर्समेंट डील्स में पुरुष खिलाड़ियों की हिस्सेदारी कहीं अधिक है। महिला खिलाड़ियों के पास अब तक सीमित अवसर रहे हैं, हालांकि डब्ल्यूपीएल की शुरूआत और वर्ल्ड कप जीत के बाद यह परिदृश्य धीरे-धीरे बदल सकता है। फंडिंग के स्तर पर असमानता अब भी बनी हुई है। 2023-24 में बीसीसीआई का कुल बजट लगभग 12,000 करोड़ था, जिसमें महिला क्रिकेट के विकास पर खर्च 1 प्रतिशत से भी कम रहा। यह अंतर स्पष्ट करता है कि महिला क्रिकेट को और अधिक संस्थागत सहयोग की आवश्यकता है। भारतीय महिला टीम की यह जीत सिर्फ एक टूनामेंट की सफलता नहीं, बल्कि बदलाव की एक मजबूत दस्तक है। इसने दिखा दिया है कि अगर समान अवसर और संसाधन मिलें, तो भारतीय महिला खिलाड़ी भी विश्व क्रिकेट में किसी से कम नहीं हैं। अब समय आ गया है कि यह जीत न केवल ट्रॉफी बल्कि समानता की दिशा में ठोस नीतिगत बदलाव की भी प्रेरणा बने।

संक्षिप्त समाचार

विस्फोट की जांच के बाद हार्वर्ड मेडिकल स्कूल फिर से खुला

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की एक इमारत फिर से खुल गई है, जबकि सप्ताहांत में हुए एक विस्फोट की 'बेहद सक्रिय' जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि यह विस्फोट जानबूझकर किया गया था। विश्वविद्यालय पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह एक अधिकारी ने फायर अलार्म बजाया और गोल्डनसन बिल्डिंग से दो लोगों को भागते हुए देखा। विस्फोट इमारत की चौथी मंजिल पर हुआ, जहां मेडिकल स्कूल के न्यूरोबायोलॉजी विभाग से जुड़ी प्रयोगशालाएं और कार्यालय हैं। बोस्टन अग्निशमन विभाग ने पाया कि विस्फोट जानबूझकर किया गया था और अधिकारियों को इमारत की तलाशी के दौरान कोई अतिरिक्त उपकरण नहीं मिले। पुलिस ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मेडिकल स्कूल के अधिकारियों ने एक बयान में कहा, 'चौथी मंजिल के गलियारे का वह छोटा सा हिस्सा जहां विस्फोट हुआ था, साफ कर दिया गया है और अब पूरी तरह से चालू है। इमारत को कोई संरचनात्मक क्षति नहीं हुई है और सभी प्रयोगशालाएं और उपकरण सुरक्षित हैं।' एफबीआई के एक प्रवक्ता ने सोमवार को जांच को 'बेहद सक्रिय' बताने के अलावा कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने चेहरे को ढंके हुए और स्वेटशर्ट जैसे कपड़े पहने दो लोगों की धुंधली तस्वीरें जारी की हैं।

बांग्लादेश-पाकिस्तान रिश्ते सुधरने का दावा

ढाका, एजेंसी। ढाका में एक शीर्ष बांग्लादेशी राजनयिक ने कहा है कि पिछले साल से पाकिस्तान के साथ उनके देश के संबंधों में सुधार हुआ है। उसने बताया कि दोनों देशों में व्यापार बढ़ाने के लिए कराची-चटगांव के बीच सीधे समुद्री संपर्क स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया गया। पाकिस्तान में बांग्लादेश के उच्चायुक्त इकबाल हुसैन खान ने कहा कि यह कोई रहस्य नहीं है कि पिछले 10-12 वर्षों से दोनों पक्षों के बीच संबंध अच्छे नहीं रह थे, लेकिन अब हालात काफी बदल गए हैं। खान ने कहा, हर स्तर पर संबंधों में सुधार हुआ है।

भूटान में वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव, विश्व को एकता का संदेश

थिम्फू, एजेंसी। वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच भूटान की राजधानी थिम्फू ग्लोबल पीस प्रेयर फेस्टिवल 2025 की मेजबानी की तैयारी में जुटी है। यह आयोजन विश्वभर के लोगों को शांति, करुणा और एकता के लिए प्रार्थना में जोड़ने का प्रयास करेगा। मंगलवार से शुरू हो रहे इस दो सप्ताह के उत्सव में हजारों भक्त, भिक्षु और आध्यात्मिक नेता शामिल होंगे। उत्सव की शुरुआत 4 से 10 नवम्बर तक कुएनसेलफोद्रांग में जाब्शी धोएछोग अनुष्ठान से होगी।

कैरेबियाई देशों में तूफान मेलिसा का कहर, अब तक 50 की मौत

किंग्स्टन, एजेंसी। भीषण तूफान मेलिसा ने जमैका, हैती और क्यूबा में भारी तबाही मचाई है। जिसमें अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को आए श्रेणी-5 के इस चक्रवात ने जमैका में भारी तबाही मचाई। तूफान के बाद द्वीप के 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सों में बिजली आपूर्ति ठप है और लगभग आधे जलस्रोत सिस्टम बंद पड़े हैं।

जांच के बीच एफडीए अधिकारी जॉर्ज टिडमार्श का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के शीर्ष दवा नियामक डॉ. जॉर्ज टिडमार्श ने रविवार को इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक, उनके व्यक्तिगत आचरण से जुड़ी गंभीर चिंताओं की जांच शुरू होने के बाद यह कदम उठाया गया। टिडमार्श को शुक्रवार को निलंबित किया गया था और रविवार सुबह उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इस बीच औरिनिया फार्मास्यूटिकल्स नामक कंपनी ने उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

बीजिंग में रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने की चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को बीजिंग में रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन से मुलाकात की। यह जानकारी दोनों देशों के सरकारी मीडिया ने दी है। मिशुस्तिन दो दिन के चीन दौरे पर हैं। उन्होंने बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में द्विपक्षीय बैठक की। रूसी प्रधानमंत्री के साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी चीन पहुंचा है, जिसमें उप प्रधानमंत्री तात्याना गोलिकोवा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। वे सोमवार को हांगझोउ पहुंचे थे। चीन की ओर से इस बैठक में विदेश मंत्री वांग यी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुस्लिम मेयर से नफरत? ट्रंप की खुली धमकी- ममदानी जीते तो न्यूयॉर्क को फंड नहीं मिलेगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोहरन ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव में जीत हासिल करते हैं, तो उनका प्रशासन न्यूयॉर्क सिटी की फंडिंग में कटौती कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए यह भी कहा कि वे स्वतंत्र उम्मीदवार और पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्युओमो का समर्थन करते हैं और अपने समर्थकों से उन्हें ही वोट देने की अपील की है।

ट्रंप ने लिखा कि अगर ममदानी मंगलवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव जीतते हैं, तो यह बहुत ही असंभव है कि मैं संघीय फंडिंग दूं, सिवाय उन न्यूनतम अनुदानों के जो कानूनी रूप से आवश्यक हैं। ट्रंप प्रशासन पहले भी डेमोक्रेट पार्टी द्वारा शासित राज्यों और शहरों के लिए संघीय फंडिंग और ग्रांट्स में कटौती की कोशिश करता रहा है। ट्रंप ने एक लंबी पोस्ट में लिखा, 'अगर कम्युनिस्ट उम्मीदवार जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीत जाते हैं, तो मैं अपने प्यारे पहले घर वाली इस शहर को संघीय फंड्स देने में बहुत कम योगदान दूंगा, सिर्फ न्यूनतम जो जरूरी हो। क्योंकि कम्युनिस्ट होने के नाते, इस महान शहर के सफल होने या जीवित रहने की कोई संभावना नहीं है! कम्युनिस्ट के नेतृत्व में हालात सिर्फ और खराब होंगे और मैं राष्ट्रपति के तौर पर अच्छा पैसा बुरे के पीछे नहीं फेंकना चाहता। मेरा फर्ज देश चलाना है और मुझे पूरा यकीन है कि ममदानी के जीतने पर न्यूयॉर्क सिटी पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक आपदा बन जाएगा। उनके सिद्धांत हजारों साल से आजमाए जा चुके हैं, और कभी सफल नहीं हुए। मैं तो यही चाहता हूं कि कोई सफल रिकॉर्ड वाला डेमोक्रेट जीते, न कि अनुभवहीन कम्युनिस्ट जिसका रिकॉर्ड पूरी नाकामी का है। असेंबलीमैन के रूप में वे कुछ नहीं थे, क्लास में सबसे नीचे रैंक पर थे और दुनिया के संभवतः सबसे महान शहर के मेयर के रूप में उनके पास इसे पुरानी शान पर लौटाने का कोई मौका नहीं है! हमें ये भी याद रखना चाहिए- कर्टिस स्लिवा (जो बिना बेरे के काफी बेहतर लगते हैं!) को वोट देना मतलब ममदानी को वोट देना है। आपको एंड्र्यू कुओमो पसंद हों या न हों, आपके पास कोई विकल्प नहीं है। आपको उनके लिए वोट करना ही होगा और उम्मीद करनी होगी कि वे शानदार काम करेंगे। वे ऐसा करने में सक्षम हैं, ममदानी नहीं!

चुनावी स्थिति : मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एनवायसी मेयर चुनावों में ममदानी को बढ़त हासिल है। उनके मुख्य प्रतिद्वंदी एंड्रयू क्युओमो स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तीसरे स्थान पर माने जा रहे हैं। क्युओमो ने पहले डेमोक्रेटिक प्राइमरी में ममदानी से हारने के बाद स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला किया था। अगर ममदानी चुनाव जीतते हैं तो वे न्यूयॉर्क शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। ममदानी के समर्थकों का कहना है कि ट्रंप को मुस्लिम उम्मीदवार होने के चलते उनसे नफरत है। हालांकि ट्रंप समर्थक भी ममदानी की मुस्लिम पहचान के चलते उन पर निशाना साधते आए हैं। रिपब्लिकन नेताओं के हमले रिपब्लिकन नेताओं ने ममदानी की उम्मीदवारी को लगातार निशाने पर लिया है। कुछ नेताओं ने यहां तक कहा कि उनकी नागरिकता की जांच की जानी चाहिए और उन्हें अमेरिका से निष्कासित किया जाना चाहिए। स्वयं ट्रंप ने ममदानी को कम्युनिस्ट करार देते हुए कहा कि एक कम्युनिस्ट के शासन में न्यूयॉर्क सिटी में फंड देना पैसे की बर्बादी होगी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि कर्टिस स्लिवा के लिए वोट देना, ममदानी को जीताने जैसा है। चाहे आपको एंड्रयू क्युओमो पसंद हों या नहीं, आपके पास कोई और विकल्प नहीं है। आपको उन्हें वोट देना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि वे शानदार काम करेंगे। वे ऐसा करने में सक्षम हैं, लेकिन ममदानी नहीं! ट्रंप का 60 मिनट इंटरव्यू अमेरिकी टीवी चैनल सीबीएस के कार्यक्रम '60 मिनिट' को दिए गए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अगर न्यूयॉर्क में एक कम्युनिस्ट मेयर होगा, तो मैं शहर को बहुत पैसा नहीं दे सकता। यह पैसे की बर्बादी होगी, अगर ममदानी जैसे व्यक्ति न्यूयॉर्क के मेयर बने। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में न्यूयॉर्क सिटी को संघीय सरकार से कुल 7.4 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली है। इस रकम का बड़ा हिस्सा इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, सार्वजनिक सुरक्षा और आवास योजनाओं पर खर्च होता है।

इस्राइली सेना में बड़ा कांड, सैन्य अधिकारी ने जेल के आपत्तिजनक फुटेज लीक किए; हंगामा होने पर गिरफ्तार

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली सेना में एक बड़ा कांड सामने आया है, जिसके बाद हंगामा हो गया है। दरअसल पिछले हफ्ते इस्राइली सेना की मेजर जनरल वकील यिफ्त टोमेर यरूशलमी ने कबूल किया कि उन्होंने जेल के सर्विलांस वीडियो लीक किए हैं। यह वीडियो जेल में इस्राइली सेना द्वारा फलस्तीनी कैदियों के साथ गंभीर दुर्व्यवहार से जुड़ा है। वीडियो लीक की इस घटना ने इस्राइल में राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है और यिफ्त टोमेर यरूशलमी लोगों के निशाने पर आ गई हैं।

क्या है विवाद : लीक किए गए वीडियो में कुछ इस्राइली सैनिकों पर फलस्तीनी कैदी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। इस मामले की जांच चल रही है और आरोपी सैनिकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर हो गए हैं। यिफ्त टोमेर यरूशलमी का कहना है कि इन फुटेज को लीक करने का उद्देश्य आरोपों की गंभीरता को उजागर करना था, जिनकी जांच उनके द्वारा की जा रही थी। हालांकि वीडियो लीक होने के बाद इस्राइली सेना में मेजर जनरल यिफ्त टोमेर दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर आ गई हैं। यह विवाद इतना बड़ा हो गया है कि भारी दबाव के चलते यिफ्त टोमेर ने बीते दिनों इस्तीफा दे दिया। विवाद के बीच यिफ्त ने अपने परिवार के लिए एक नोट

छोड़ा और समुद्र तट से गायब हो गईं। इसके बाद माना जाने लगा कि यिफ्त ने शायद आत्महत्या कर ली हैं। हालांकि इसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें सैन्य ड्रोन्स की मदद ली गई। आखिरकार यिफ्त जीवित मिल गईं और अब उन्हें जेल में डाल दिया गया है।

दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर गिरफ्तार सैन्य अधिकारी

जेल की वीडियो फुटेज लीक करने के चलते यिफ्त टोमेर दक्षिणपंथी राजनेताओं के निशाने पर इस कदर हैं कि उनका एक फोन गायब है तो राजनेताओं ने दावा किया है कि संभावित सबूतों को नष्ट करने के लिए ऐसा किया गया है और आत्महत्या का नाटक भी सबूतों को मिटाने के लिए ही था। इस्राइली मीडिया के अनुसार, लीक की जांच के दौरान पूर्व चीफ सैन्य वकील कर्नल मातन सोलोमेश को भी गिरफ्तार किया गया है। हालांकि अभी तक पीएम कार्यालय की तरफ से मातन सोलोमेश की गिरफ्तार पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

पाकिस्तान में कई टीटीपी आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाक सुरक्षा बलों ने कई अभियानों में कई टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने सोमवार (03 नवंबर) को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कई अभियानों में प्रतिबंधित टीटीपी के कई आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने बन्नू जिले के मीरानशाह रोड पर उत्तरी वजीरिस्तान के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) वकार खान के नेतृत्व वाले एक पुलिस काफिले पर गोलीबारी की। आतंकवादियों ने स्वचालित और भारी हथियारों से काफिले पर हमला किया। हालांकि, डीपीओ और अन्य पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए और अन्य घटनास्थल से भाग गए। पुलिस अधिकारियों ने मारे गए आतंकवादियों की संख्या नहीं बताई। छह पुलिसकर्मी भी घायल हुए और उन्हें जिला मुख्यालय (डीएचक्यू) अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। डीपीओ खान और उनका दस्ता सुरक्षित बच गए क्योंकि उनका वाहन बुलेटप्रूफ था। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इसके अलावा सेना ने प्रांत में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में तीन टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मारे गए।

लेबनान के राष्ट्रपति ने सीमा पर तनाव के बीच इजरायल के साथ कूटनीति का आह्वान किया

बेरूत, एजेंसी। राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा कि लेबनान के पास इजरायल के साथ बातचीत करने के अलावा कोई चारा नहीं है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध से पहले कूटनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इन बयानों की पुष्टि की गई। आउन ने सोमवार को बाबदा पैलेस में अधिकारियों के साथ एक मीटिंग के दौरान कहा, 'राजनीति में तीन चीजें होती हैं- डिप्लोमेसी, इकॉनमी और युद्ध। जब युद्ध से कुछ हासिल नहीं होता, तो हम और क्या कर सकते हैं? दुनिया का हर युद्ध आखिरकार बातचीत से ही खत्म होता और बातचीत कभी भी किसी दोस्त या सहयोगी से नहीं, बल्कि दुश्मन से

होती है।' उन्होंने आगे कहा कि 'बातचीत की भाषा युद्ध की भाषा से अधिक जरूरी है, जिससे हमने देखा है कि सिर्फ तबाही होती है।' उन्होंने लेबनान की लीडरशिप की डिप्लोमेटिक कोशिशों की तारीफ की, जिसमें पार्लियामेंट के स्पीकर नबीह बेरी और प्रधानमंत्री नवाफ सलाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान के नेशनल इंटरेस्ट को पॉलिटिकल, धार्मिक और सांप्रदायिक बातों से अधिक अहमियत मिलनी चाहिए। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नेताओं से चुनावी महत्वाकांक्षाओं से ऊपर राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देने और उन सांप्रदायिक बंटवारे से आगे बढ़ने का आग्रह किया, जिन्होंने लंबे समय से देश की स्थिरता को कमजोर किया है।

अक्टूबर के आखिर में, आउन ने लेबनानी सेना को ब्लिडा के सीमावर्ती गांव पर हुए जानलेवा हमले के बाद दक्षिण में किसी भी इजरायली घुसपैठ का जवाब देने का आदेश दिया था, जिसका हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम ने स्वागत किया था। पिछले साल नवंबर के आखिर से इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से हुआ सीजफायर लागू है, जिससे गाजा में युद्ध के कारण महीनों से चल रही सीमा पार दुश्मनी रुक गई है।

युद्धविराम के बावजूद, इजरायल ने लेबनान में हमले करना जारी रखा है। हालांकि यह हमले लगातार नहीं किए जा रहे हैं, लेकिन इजरायल का कहना है कि वह हिज्बुल्लाह के 'खतरों' को निशाना बना रहा है। लेबनान और कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने इन हमलों की निंदा करते हुए इन्हें सीजफायर का उल्लंघन बताया है।

सूडान के विद्रोहियों ने भारतीय युवक का अपहरण किया, परेड कराई; पूछा क्या वो शाहरुख खान को जानता है?

खार्तूम, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सूडान के कुछ उग्रवादी लड़ाके एक भारतीय युवक को घेरकर खड़े हैं और उससे नारे लगवा रहे हैं। दरअसल यह युवक ओडिशा का 36 वर्षीय आदर्श बेहरा है, जो जगतसिंहपुर जिले का निवासी बताया जा रहा है। आदर्श को सूडान में विद्रोही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के उग्रवादियों ने पकड़ लिया और उससे अपने नेता मोहम्मद हमदान दागालो के समर्थन में नारे लगवाए। इतना ही नहीं उग्रवादियों ने आदर्श से पूछा कि क्या वह शाहरुख खान को जानता है?

साल 2022 से सूडान में काम कर रहा है आदर्श : एनडीटीवी की

एक रिपोर्ट के अनुसार, आदर्श बेहरा सूडान के सुकाराती प्लास्टिक फैक्ट्री में साल 2022 से काम कर रहा है। आदर्श को सूडान के विद्रोही लड़ाकों ने अल फाशिर शहर से पकड़ा, जो राजधानी खार्तूम से करीब एक हजार किलोमीटर दूर है। सूडान गृहयुद्ध से जूझ रहा है, जहां सशस्त्र सेना बल और विद्रोही गुट आरएसएफ के बीच अप्रैल 2023 से लड़ाई छिड़ी हुई है। गृह युद्ध के चलते सूडान में अभी तक 1.3 करोड़ लोग विस्थापित हो चुके हैं और कई शहर और गांव तबाह हो चुके हैं। सूडान की सरकार ने रविवार को कहा कि अल फाशिर शहर पर कब्जे के बाद से विद्रोही आरएसएफ के उग्रवादियों ने 2000 से ज्यादा नागरिकों की हत्या की है। कई पीड़िता के साथ यौन हिंसा भी की गई है। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया भर की मानवाधिकार एजेंसियों ने सूडान के हालात पर चिंता जताई है। सूडान में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है और देश का बड़ा हिस्सा अकाल के कगार पर है।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित, हजारों उड़ानें विलंबित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शटडाउन की स्थिति एक महीने से भी ज़्यादा समय से चल रही है। इसका असर अब हवाई अड्डों पर साफ दिखने लगा है। कर्मचारियों की कमी के कारण उड़ानों में देरी और सुरक्षा जांच की लंबी लाइनें बढ़ती जा रही हैं। पिछले सप्ताहांत स्थिति और खराब हो गई। सिर्फ़ रविवार को ही पूरे अमेरिका में पांच हज़ार से ज़्यादा उड़ानें देर से चलीं। सोमवार को व्हाइट हाउस ने इसके लिए डेमोक्रेट नेताओं को जिम्मेदार बताया और कहा कि उनकी राजनीति की वजह से आम लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं डेमोक्रेट दल का कहना है कि सरकार और राष्ट्रपति गलत आरोप लगा रहे हैं। शटडाउन कब खत्म होगा, यह तय नहीं है। ऐसे में यातायात विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे और उड़ानें देर से चलेंगी या रद्द भी हो सकती हैं। हवाई यातायात नियंत्रक को भी बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। परिवहन सचिव शॉन डफी ने कहा कि इन कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है और यदि यही स्थिति जारी रही तो कई लोग नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश में पहले से ही लगभग 2,000 से 3,000 नियंत्रकों की कमी है। फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार दोपहर तक 2,530 से ज्यादा उड़ानें देरी से चल रही थीं और 60 से ज़्यादा रद्द कर दी गई थीं। सोमवार दोपहर तक ढाई हज़ार से अधिक उड़ानें देर से चलीं और साठ से ज़्यादा रद्द करनी पड़ीं। मुख्य हवाई अड्डों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखने के लिए मिला। हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच भी प्रभावित हुई है। लोगों को सिक्योरिटी लाइन में तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसी तरह कई अन्य बड़े शहरों के हवाई अड्डों में भी इंतजार का समय बढ़ गया है। रिपब्लिकन दल डेमोक्रेट पर गैरकानूनी प्रवासियों को स्वास्थ्य सुविधा देने की मांग करने का आरोप लगा रहा है, जिसे डेमोक्रेट्स गलत बता रहा है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे तो केवल अमेरिकी नागरिकों के लिए पहले से जारी स्वास्थ्य लाभ में की गई कटौती वापस करवाना चाहते हैं।

अमेरिका के भरोसे नहीं चलेगा, युद्ध के लिए कमाई के नए रास्ते पर यूक्रेन: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और लंबा खिंचता हुआ नजर आ रहा है। इसी बीच अब यूक्रेन भी इस युद्ध में अपने पैर मजबूत करने के लिए दूसरे देशों से मिलने वाली मदद के बजाय खुद से कमाई करने के रास्ते खोज रहा है। पिछले तीन सालों में अपने देश में रक्षा उद्योग को बड़े स्तर पर तैयार कर चुका यूक्रेन अब यहां से निर्यात की संभावना तलाश रहा है, जिससे यह उद्योग उसकी सैन्य शक्ति के साथ-साथ आर्थिक शक्ति को भी बढ़ा सकें। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोमवार को ऐलान किया कि बर्लिन और कोपेनहेगन में यूक्रेन अपने कार्यालय खोलेगा। इसके तहत हथियारों के निर्यात और उन देशों में इनके संयुक्त निर्माण पर चर्चा होगी। यूक्रेनी सरकार के मुताबिक इस कदम का उद्देश्य यूक्रेन को एक सहायता प्राप्त करने वाले देश से हाईटेक हथियारों का निर्यात करने वाले देश के रूप में बदलना है। रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन को यूरोप और अमेरिका ने काफी हद तक मदद दी है। हालांकि, युद्ध के इस समय में यूक्रेन ने खुद भी हथियारों के घरेलू उत्पादन में बढ़त हासिल की है। विशेष रूप से ड्रोन और मिसाइलों को बनाने में यूक्रेन ने महारत हासिल कर ली है।

हथियार बेचेगा यूक्रेन : ऐसे में कीव में पत्रकारों से बात कर रहे जेलेंस्की ने अपनी आगे की रणनीति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हमारा यह फैसला उन हथियारों के निर्यात और सह उत्पादन के बारे में है, जिन्हें हम खुद बना और बेच सकते हैं। अगर हम इन्हें बेचने में सफल होते हैं, तो हमारे पास उत्पादन बढ़ाने के लिए ज्यादा पैसे होंगे और इससे हम दूसरे हथियार भी खरीद सकते हैं।' जेंलेंस्की ने कहा कि हमारा उद्देश्य बाहरी आपूर्तिकर्ताओं पर से अपनी निर्भरता को

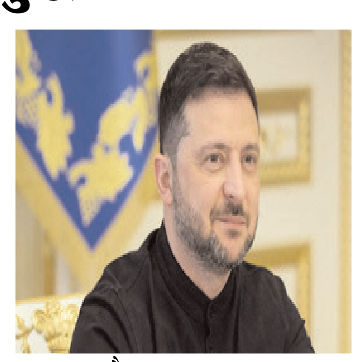

कम करना है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यूक्रेन का एक हथियार निर्यातक के रूप में स्थापित होने का प्रयास करना यूरोप और यूक्रेन दोनों के लिए फायदेमंद है। क्योंकि इस साझेदारी के बढ़ने पर यूरोप को रूसी हथियारों से डिफेंस की टेक्नोलॉजी हासिल करने में मदद मिलेगी। इन साझेदारियों को यूक्रेन के लिए आर्थक जड़ी-बूटी की तरह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगर यह हो जाता है, तो यूक्रेन के पास आय का एक महत्वपूर्ण जरिया तैयार हो सकता है।

जेलेंस्की चाहें कितने ही प्रयास क्यों न कर लें, लेकिन आज के समय की सच्चाई यही है कि उन्हें कदम-कदम पर अमेरिका की जरूरत रही है। ऐसे में हथियार बेचने का सपना देख रहे जेलेंस्की ने इस बात का खुलासा किया कि अगले हफ्ते यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन का दौरा करेगा। यहां पर यूक्रेन-अमेरिका ड्रोन संबंधीं सौदे पर आगे की बातचीत की जाएगी। कीव को उम्मीद है कि यह समझौता ट्रम्प प्रशासन के साथ संबंधों को और गहरा करेगा और यूक्रेन के बढ़ते ड्रोन क्षेत्र में हाईटेक मैन्यूफैक्चरिंग क्षमताएँ लाएगा।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, रूस से जारी युद्ध ने यूक्रेन को मानव रहित ड्रोन्स, एयर डिफेंस का एक मजबूत खिलाड़ी बना दिया है। ऐसा खिलाड़ी जो इनके नए रास्ते देने वाला बन गया है। यूक्रेन इस समय पर रूस पर सटीक हमलों के लिए अपने इन्हीं ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहा है। अगर अमेरिका के साथ ड्रोन्स से जुड़ा सौदा हो जाता है, तो यूक्रेनी मशीनों को अमेरिकी टेक्नोलॉजी मिल सकती है, जिससे यह और भी ज्यादा शक्ति शाली हो जाएंगे। हालांकि, यूक्रेन के लिए हथियारों का एक्सपोस्ट करना या किसी और देश में जाकर बनाना आसान नहीं है। क्योंकि युद्ध की जरूरत के अलावा रक्षा उद्योग पर ज्यादा दबाव डालना हानिकारक हो सकता है। फिर भी जेलेंस्की का यह निर्णय यूक्रेन के लिए एक नए बदलाव का संकेत है। युद्ध के मैदान में टिके रहने का हौसला देने वाले यह हथियार अब आर्थिक मैदान पर भी यूक्रेन की सहायता देंगे।

जानकारी

घर पर करें 30 सेकंड में ये 3 टेस्ट, आपको पता चल जाएगा स्वस्थ हैं या बीमार

हम किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। अधिकतर लोग या कहें हम लोग जब तक बीमार नहीं पड़ते, तब तक किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य जांच नहीं कराते। दरअसल जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है ठीक वैसे हमारी इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और हम मौसम बदलने पर बीमार होने लगते हैं। बीमार होने के बाद हम मंहगे-मंहगे टेस्ट कराते हैं तब जाकर बीमारी का पता लगा पाते हैं। डॉक्टर हर दो साल में लोगों को फिजिकल चेकअप कराने की सलाह देते हैं, लेकिन हम सलाह कम मानते हैं और देते ज्यादा हैं। ऐसा करने वाले लोग वर्षों तक अपना मेडिकल टेस्ट नहीं कराते और उनका शरीर रोगों का घर बन जाता है।

अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। इन टेस्ट को करने में सिर्फ आपको 30 सेकंड ही लगेंगे, लेकिन ध्यान रखें कि सटीक रिपोर्ट के लिए आप मेडिकल जांच ही कराएं।

हाथों की उंगलियों से जानें स्वास्थ्य

नाखून की जड़ को दबाएं: इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप अपने दाहिने अंगूठे और तर्जनी उंगली से अपने किसी भी नाखून की जड़ को दबाएं। ऐसा करते वक्त आप अपने बाएं हाथ की उंगलियों के ऊपरी हिस्से पर दबाव डालें। ऐसा अपने बाए हाथ के अंगूठे से शुरू करें। अंगूठे को 3 से 5 सेकंड तक पकड़कर रखें। अंगूठे के बाद सभी उंगलियों के साथ इस प्रक्रिया को दोहराएं। इस प्रक्रिया को होने के बाद हाथ को देखें। अगर दबाव के बाद आपकी उंगली का ऊपरी हिस्सा दो सेकंड में सफेद से लाल नहीं हुआ तो समझ लीजिए कि आपके शरीर में रक्त प्रवाह पर्याप्त नहीं हो रहा है।

उंगली के हिसाब से जानें समस्या

अंगूठा: अगर आपको अंगूठे का नाखून दबाने से दर्द हो रहा है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको फेफड़ों की समस्या हो सकती है।

तर्जनी: तर्जनी उंगली आपकी बड़ी आंत से जुड़ी होती है। अगर आपको इस उंगली को दबाने से दर्द होता है तो यह बड़ी आंत में दिक्कत की ओर संकेत करता है। इसके कारण आपको कब्ज की शिकायत हो सकती है।

बीच वाली उंगली और अनामिका: बीच वाली उंगली और अनामिका में दर्द हृदय संबंधी समस्याओं की ओर इशारा करता है।

छोटी उंगली: आपके हाथ की सबसे छोटी उंगली में दर्द आपकी छोटी आंत की परेशानी की ओर संकेत करता है।

मुट्ठी बनाकर देखें नसें स्वस्थ हैं या नहीं

इस दूसरे टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप मुट्ठी बना लें। मुट्ठी को 30 सेकंड के बाद खोलें। हाथ खोलने पर आपको आपकी मुट्ठी सफेद दिखाई देगी। हाथ खोलने के तुरंत बाद अगर आपके हाथ का रंग सफेद से लाल होना शुरू हो जाए तो इसका मतलब ये है कि आपकी रक्त वाहिकाएं सही काम कर रही हैं और आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं, लेकिन अगर ऐसा होने में वक्त लग रहा है तो आपकी धमनियों में कुछ परेशानी है। दरअसल मुट्ठी बनाने से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है और रक्त प्रवाह रुक जाता है और जैसी ही आप हाथ खोलते हैं तो आपका रक्त प्रवाह फिर लौटना शुरू हो जाता है।

अगर हम किसी फुटबॉल खिलाड़ी या किसी भी खिलाड़ी को देखते हैं, तो उसकी हृष्ट-पुष्ट जांघ उसके शरीर की मजबूती का प्रतीक मानी जाती है। यह सच है कि मजबूत जांघ, मजबूत और स्वस्थ शरीर का प्रतीक होती है। हम भी योगासनों से जांघों को हृष्ट-पुष्ट बना सकते हैं, किंतु यह प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में होना चाहिए। आइए जानते हैं पांच योगासनों के बारे में जो जांघ मजबूत करते हैं-

जांघ मजबूत करने के लिए उपयोगी हैं ये आसन

एक बहुत आसान पोज, जो आपकी कमर को राहत देकर आपके कूल्हों और पैरों को वर्कआउट के लिए वार्मअप करता है। इसे ऐसे करें-

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं।
- प्रत्येक पैर को जांघ के बाहर की ओर से पकड़ें।
- पैरों को बीच में पकड़ें, जहां आर्क है, ज्यादातर लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।
- अपने चेहरे की मांसपेशियों को ढीला छोड़ें और लंबी सांस लेकर इस पोज में एक मिनट तक रहें।

सुप्त बद्ध कोणासन

यह कूल्हों को गतिशील करने के लिए अच्छा पोज है। इस पोज से भी जांघ की अंदरुनी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। एक सावधानी बरतें कि लंबी सांस पर ध्यान केंद्रित करें और आप पाएंगे कि आप पैर ज्यादा खोल पाते हैं और ज्यादा देर तक उस पोज में भी रह सकते हैं।

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। अपनी बांहों को बगल में शरीर से 45 डिग्री के कोण पर रखें।
- पैरों को घुटने के पास मोड़ें और पैर के तलुओं को नमस्ते के अंदाज में जोड़ने की कोशिश करें।
- अपनी एड़ियों को ग्रोइन के ज्यादा से ज्यादा पास लाने की कोशिश करें, इस दौरान चेहरे या शरीर में तनाव नहीं होना चाहिए।
- ध्यान रखें आपका सिर सीधा होना चाहिए। आंखों को बंद रखें, यह आपको सुस्ताने में मदद करेगा।
- इस पोज में एक मिनट तक रहें और लंबी गहरी सांसें लेना न भूलें।

उपविष्ठ कोणासन

बैठने वाली पोजिशन पैर की कुछ मांसपेशियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह खड़े होकर की जाने वाली पोजिशन के लिए भी अच्छी शुरुआत की तरह होती हैं, जिसमें मजबूती, लचीलेपन और संतुलन की दरकार होती है।

- चटाई पर बैठकर पैरों को तीन से चार फीट चौड़ाई तक फैला लें।
- अब अपने हाथों को चटाई पर रखें। अपने हाथों से जितना हो सके आगे जाएं।
- अपने सिर, गर्दन को पीठ की सीध में रखें।
- इस पोज में लंबी सांस लें। आराम से धीरे-धीरे हर सांस के साथ जमीन की ओर झुकते रहें।
- इस पोज में जितनी देर आराम से रह सके रहें, लेकिन एक मिनट से ज्यादा नहीं।
- पोज से बाहर निकलने के लिए हाथों को धीरे-धीरे वापस लाएं।

परिघासन

- आपकी कमर को बेहतरीन खिंचाव देने के अलावा यह पोज जांघों और ग्रोइन की मांसपेशियों को खोलकर उनका लचीलापन बढ़ाती है।
- चटाई पर घुटनों के बल बैठिए। अपनी एड़ियों को साथ रखें। पैरों की अंगुलियां जमीन पर और पीठ सीधी।
- दाएं पैर को अपनी दाईं ओर जितना हो सके स्ट्रेच करें। घुटना छत की ओर होना चाहिए।
- दाएं पैर के तलुए को जमीन पर रखें।
- अब अपनी दोनों बांहों को सिर के ऊपर ऊठाएं और सीधा रखें।
- धड़ और दाई बांह को लंबे किए हुए दाएं पैर की तरह झुकाएं।
- दाएं हाथ को दाएं पैर पर रखें। (संभव हो तो दाईं कलाई को दाईं एड़ी पर रखें)
- अपनी हथेली का मुंह छत की तरफ करें।
- अब अपनी बाई बांह को सिर के ऊपर से दाई ओर लाएं, जो लोग लंबी अवधि से योगा करते आ रहे हों, वह अपनी बाई हथेली को दाई हथेली पर रखने की कोशिश कर सकते हैं। इस पोज में आपका बायां कान आपकी बाई बांह के ऊपरी हिस्से को छूना चाहिए और दायां कान दाई बांह के ऊपरी हिस्से को।
- इस पोज में कुछ सांसों तक बने रहिए। (तकरीबन 45 सेकंड तक) उसके बाद शुरुआती पोज में आ जाइए।
- आराम कीजिए और समूची प्रक्रिया को बाईं ओर से दोहराइए।

उत्थित त्रिकोणासन

- अंत में एक खड़े होकर किया जाने वाला आसन जो पैर की छोटी मांसपेशियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यह शरीर के संतुलन को भी सुधारता है।
- चटाई पर पैर चौड़े करके खड़े हो जाएं।
- दाएं पैर को दाई तरफ की दीवार की तरफ मोड़ें।
- संतुलन के लिए बाएं पैर को थोड़ा सा दाई तरफ मोड़ें।
- बांहों को उठाएं। कंधे की ऊंचाई पर लाएं, जब तक कि वह जमीन के समानांतर न हो जाए।
- कमर से दाई ओर झुकें और दाई हथेली को पैर पर या जमीन पर (जो भी सुविधाजनक हो) रख दें।
- बाई बांह को सिर के ऊपर उठाकर सिर को धीरे से बाएं हाथ की ओर मोड़ें।
- इस पोज में 30 से 45 सैकंड तक रहें।
- पैरों को वापस लाते हुए शुरुआती स्थिति में आ जाएं।
- अब इसे दूसरी ओर दोहराएं।
- हर बार सारे आसनों की समाप्ति के बाद पांच मिनट के लिए शवासन करना चाहिए। पीठ के बल लेट जाइए, आंखें बंद कीजिए, शरीर को ढीला छोड़ दें। सिर सीधा रखें। हर मांसपेशी से तनाव को मुक्त कर दें। पैर से लेकर बांह, कंधे, गर्दन और सिर तक। आंखों को बंद रखें। अब करवट लेकर उठकर बैठ जाएं। हथेलियों को रगड़कर गर्म करें। फिर उन्हें आंखों पर रख दें। हथेलियों को हटाए बगैर आंखों को धीरे-धीरे खोलें। हाथ नीचे करें और दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें।

सेहत

ज्यादा नमक खाने से पड़ता है दिमाग पर बुरा असर

याददाश्त ही नहीं बुद्धि भी होती है कमजोर

क्या आप जानते हैं कि अधिक नमक का सेवन करने से दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो जाता है? हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि ज्यादा नमक युक्त आहार का सेवन करने से बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने से याददाश्त कमजोर होती है और बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है।

अल्जाइमर का कारण होता है टाउ प्रोटीन

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने व्यवहारात्मक, सेरिब्रोवस्कुलर और मोलिक्युलर स्तर पर परीक्षण किया। इसमें पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा ब? गई थी। टाउ का अधिक स्तर अल्जाइमर का कारण माना जाता है।

डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है नमक

न्यूयॉर्क स्थित फिल फैमिली ब्रेन एंड माइंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर डॉक्टर गिउसेप्पे फरको इस शोध के प्रमुख शोधकर्ता हैं। इस शोध को जर्नल नेचर न्यूरोसाइंस ट्रस्टेड सोर्सेज में प्रकाशित किया गया है। डॉक्टर फरको ने कहा कि ज्यादा नमक के सेवन और खराब दिमाग की कार्यक्षमता के बीच हमेशा से ही संबंध रहा है और ज्यादा नमक का सेवन करना डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है।

चूहों पर किया गया अध्ययन

पूर्व में शोधों में शोधकर्ताओं को पता चला कि ज्यादा नमक के सेवन से चूहों में डिमेंशिया के लक्षण दिखने लगे। नमक ऐसे अणुओं का तेजी से उत्पादन करता है, जिससे शरीर में सूजन आती है। इंटरल्यूकिन-17 अणु दिमाग की कोशिकाएं नाइट्रिक ऑक्साइड बनाना कम कर देती हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है और रक्त के प्रवाह में मदद करता है। हालांकि, नाइट्रिक ऑक्साइड की कमी से रक्त का प्रवाह कम हो सकता है।

चूहों पर किए गए अध्ययन में देखा गया कि ज्यादा नमक वाले आहार का सेवन करने से उनमें आईएल-17 का स्तर बढ़ गया और नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर कम हो गया, जिससे दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो गया।

सोडियम की ज्यादा मात्रा नुकसानदायक

शोधकर्ता फरको और उनकी टीम का मानना था कि सोडियम की ज्यादा मात्रा दिमाग में हो रहे रक्त प्रवाह को बाधित कर डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाती है, लेकिन, शोध के बाद पता चला कि रक्त के प्रवाह की कमी नहीं, बल्कि टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने के कारण याददाश्त में कमी आती है।

शोधकर्ताओं ने आठ हफ्ते के चूहों में से कुछ को सामान्य आहार दिया और कुछ को ज्यादा सोडियम वाला आहार दिया। चार से 36 हफ्तों तक चूहों को आहार दिया गया। इसके बाद वैज्ञानिकों के परीक्षण में पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी, जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ गई थी। 04 से 36 हफ्तों तक चूहों को सामान्य और सोडियम वाला आहार दिया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2638

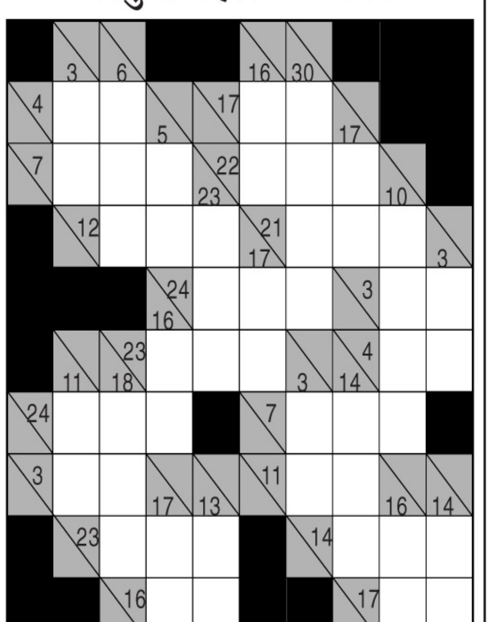

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

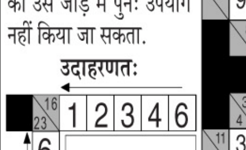

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2637 का हल

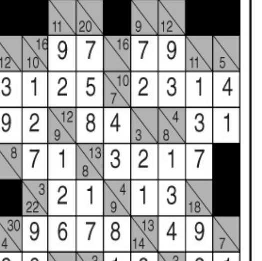

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2638

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2637

सूडोकु -2638

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2637 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2638

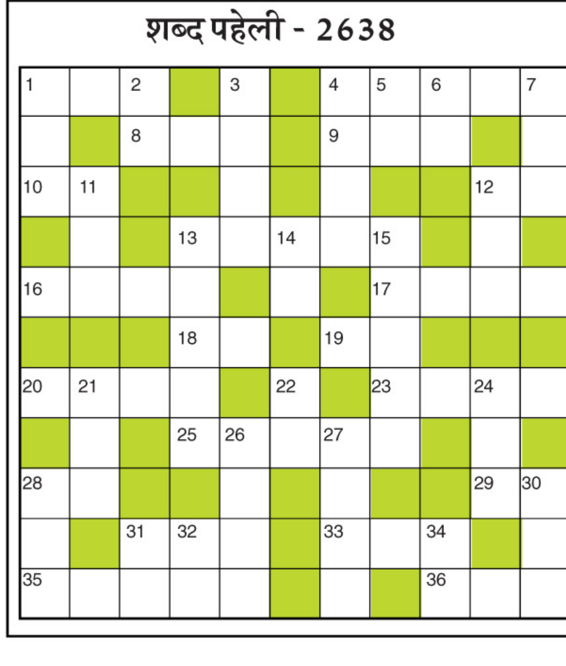

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -2637 का हल

लालू यादव और राहुल गांधी घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं : अमित शाह

एजेंसी

पटना/दरभंगा। बिहार में दरभंगा जिले के जाले विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जीवेश मिश्र के पक्ष में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ढाई महीने पहले बिहार आए थे और घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू यादव और राहुल गांधी घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा एक-एक करके घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें देश से बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि बिहार पहले ही लालू यादव और राबड़ी देवी के नेतृत्व में 15 साल का जंगल राज देख चुका है। अब उसी मॉडल को फिर से ये लागू करना चाहते हैं। अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्राथमिकता जंगल राज की वापसी को रोकना और दरभंगा को एक विकसित जिला बनाना है। आपकी भूमिका कमल का बटन दबाने और इस विज़न को मजबूत करने की है। राजग सरकार में ही दरभंगा में एयरपोर्ट, मखाना बोर्ड बने और एम्स भी बनने जा रहा है। मैथिली और मिथिला का हमेशा अपमान करने वाले लालू एंड कंपनी के जंगलराज को दरभंगावासी कभी वापस नहीं आने देंगे। यहां भी माता सीता का आशीर्वाद राजग को ही मिलेगा।

आंध्र प्रदेश में लाल चंदन के किसानों को एनबीए ने जारी किए तीन करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण(एनबीए) ने भारत के जैविक संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मूल्यांकन और लाभ साझा करने के पहल के तहत आंध्रप्रदेश के लाल चंदन के किसानों को तीन करोड़ रुपये जारी किए। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने बताया कि एनबीए ने 199 लाभार्थियों को 3.00 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। इनमें आंध्र प्रदेश के 198 किसान और लाल चंदन (टेरोकार्पस सैंटालिनस) के उत्पादक और आंध्र विश्वविद्यालय के रूप में एक शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के माध्यम से किया गया यह वितरण जैव विविधता अधिनियम के अंतर्गत मूल्यांकन और लाभ साझा करने के तंत्र का भाग है। इससे पहले, एनबीए ने लाल चंदन की सुरक्षा और संवर्धन के लिए आंध्र प्रदेश वन विभाग, कर्नाटक वन विभाग और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को 48.00 करोड़ रुपये और तमिलनाडु के किसानों को 55.00 लाख रुपये जारी किए थे। अभी जो रकम प्रदान की गई है उसमें प्रत्येक लाभार्थी अर्थात किसानों को 33,000 रुपये से 22.00 लाख रुपये तक की राशि प्राप्त होगी जो उपयोगकर्ताओं को आपूर्ति की गई उत्पादित लाल चंदन की लकड़ी की मात्रा पर निर्भर करेगी। यह भी देखा गया है कि लाभार्थियों को लकड़ी के विक्रय मूल्य की तुलना में अधिक राशि प्राप्त हो रही है।

केसी वेणुगोपाल ने ट्रेनों में महिलाओं की सुरक्षा पर रेल मंत्री और केरल के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। केरल एक्सप्रेस में एक युवती को चलती ट्रेन से धक्का देने की घटना को लेकर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केरल के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ट्रेनों में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। रेल मंत्री को लिखे पत्र में वेणुगोपाल ने कहा कि वर्कला के पास नशे में धुत एक व्यक्ति ने 19 वर्षीय युवती को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी ने उसकी एक सहेली को भी धक्का देने की कोशिश की, लेकिन वह बच गई। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने रेल मंत्रालय से ट्रेनों और स्टेशनों पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाने, महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों की सख्त निगरानी करने और रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था का स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि 2023-24 की तुलना में 2024-25 में ट्रेनों में महिलाओं से जुड़ी शिकायतें 64 प्रतिशत बढ़ी हैं, जो बेहद चिंताजनक है। इसके अलावा वेणुगोपाल ने केरल के मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखकर इस घटना की निष्पक्ष जांच कराने और पीड़िता को जल्द न्याय दिलाने की अपील की है।

द्रौपदी मुर्मु बनीं कैंची धाम में बाबा नीब करौरी के दर्शन करने वाली प्रथम राष्ट्रपति

नैनीताल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रदेश में स्थित विश्वप्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थल कैंची धाम में बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन किये। मुर्मु ने यहां पूजा-अर्चना कर राष्ट्र के लिए सुख, शांति, समृद्धि व जनकल्याण की कामना की। द्रौपदी मुर्मु देश की पहली राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने कैंची धाम पहुंचकर बाबा नींब करौरी के दर्शन किये। मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने राष्ट्रपति का पुष्पगुच्छ भेंट का स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत भी उपस्थित रहे।

बिहार को अराजकता, अपहरण और जातीय नरसंहार की ओर लौटाना चाहती है राजद व कांग्रेस : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

गोपालगंज। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में भी एक जनसभा को संबोधित किया और उन्होंने एक ओर जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के लिए लोगों से समर्थन मांगा, वहीं विपक्षी दलों के महागठबंधन पर जमकर निशाना भी साधा। बैकुंठपुर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यानाथ ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस बिहार को अराजकता, अपहरण और जातीय नरसंहार की ओर लौटाना चाहती है। राजद और कांग्रेस ने बिहार को जातीय हिंसा, अपराध और अपहरण की राजधानी बना दिया था। 1990 से 2005 तक के उनके शासन में बिहार का व्यापारी, किसान और युवा असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर था। तब अपराधी राज करते थे, अधिकारी डरते थे और जनता पलायन करती थी। याद रखिएगा, जो पहले पशुओं का चारा खा गए, वे मौका मिलने पर गरीबों का राशन भी खा जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बिहार ने देश को भगवान बुद्ध, महावीर और जयप्रकाश नारायण जैसी विभूतियां दीं, लेकिन जिन लोगों ने इस धरती को 'लालटेन युग' में झोंक दिया, वे अब फिर से सत्ता में आने के सपने देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज बिहार और देश विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। आज हर गरीब के घर में रसोई गैस है, हर किसान के खाते में सम्मान निधि की राशि पहुंच रही है और हर जरूरतमंद को मुफ्त राशन मिल रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन लोगों ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया और अब जनता को बरगलाने निकले हैं। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार है और सीतामढ़ी में मां जानकी का मंदिर बनना भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। जनसभा में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार अब लालटेन की धुंधली रोशनी से निकलकर विकास की उजली रोशनी में आगे बढ़ चुका है। यह चुनाव बिहार को और आगे बढ़ाने और अपराध-भ्रष्टाचार के अंधकार को हमेशा के लिए मिटाने का चुनाव है।

बिहार चुनाव के साक्षी बनेंगे विदेशी मेहमान, ईसीआई ने शुरू किया आईईवीपी

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नई दिल्ली स्थित भारतीय अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) शुरू किया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी के साथ प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम में विदेशी मेहमान 5-6 नवंबर को बिहार का दो दिवसीय दौरा करके पहले दिन ईवीएम प्रेषण केंद्र और 6 नवंबर को वास्तविक मतदान देखेंगे। उद्घाटन सत्र में फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और कोलंबिया जैसे 7 देशों के 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के सामने ईवीएम का प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव संचालन सहित चुनाव के विभिन्न पहलुओं पर प्रस्तुति दी। आईईवीपी अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहभागिता के लिए ईसीआई का एक प्रमुख कार्यक्रम है। 2014 से आईईवीपी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष भारत की चुनाव प्रणाली की खूबियों का प्रदर्शन करने के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा कर रहा है।

चिंगारी से बारूद में लगी आग गैस सिलेण्डर तक पहुंची, ब्लास्ट में 13 से ज्यादा लोग झुलसे

एजेंसी

जोधपुर। निकटवर्ती खेड़ापा बावड़ी के हरढाणी गांव में मंगलवार देर शाम एक घर में चल रहे वैल्डिंग कार्य के समय गैस सिलेण्डर फटने से 13 से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर के एमजी अस्पताल और एमडीएम अस्पताल रैफर किया गया है। इधर, सूचना मिलने के साथ ही खेड़ापा पुलिस मौके पर पहुंची। बताया गया कि घर में गैराज का कार्य चल रहा है, जहां पर बारूद में चिंगारी लगने से हादसा हुआ और सिलेण्डर तक फट गए। मौके पर अब एफएसएल टीम को बुलाया गया है। बारूद की जांच की जा रही है। घर मालिक बिरमाराम जाट बताया जाता है। आठ लोगों को रात तक जोधपुर रैफर किया गय। पुलिस नियंत्रण कक्ष ग्रामीण के अनुसार, खेड़ापा थानान्तर्गत बावड़ी कस्बे के गांव हरढाणी में बिरमाराम के घर में वैल्डिंग का कार्य चल रहा था। उसके घर के पीछे की तरफ गैराज का काम चल रहा है। जहां पर पहले से ही कोई पुराना बारूद रखा हुआ था। शाम पौने छह बजे के समय वहां पर कार्य करते समय गैस वैल्डिंग से निकली चिंगारी से बारूद ने आग पकड़ी और फिर गैस

सिलेण्डर तक पहुंचने पर ब्लास्ट हो गए। वहां काम करने वाले लोगों के साथ घर के सदस्य चपेट में आकर बुरी तरह झुलसने के साथ घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए देर शाम जोधपुर के एमजी अस?पताल और एमडीएम अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना मिलने पर खेड़ापा थाने से एएसआई किशनाराम वहां पहुंचे। एंबुलैंस करवा घायलों को जोधपुर भेजा गया है। किसी के मरने की सूचना फि लहाल पुलिस ने नहीं दी है। हादसे में गणपत पुत्र अणदाराम, छोटूसिंह पुत्र नरपत सिंह, 17 साल का गणेशमाता पुत्र बाबूराम जाट, ओमाराम पुत्र अचलाराम, रामदास पुत्र केवलदास वैष्णव, लवेराकलां के दिनेश पुत्र श्रवणराम, राकेश पुत्र दीनाराम एवं 15 साल का सुनील पुत्र फूसाराम जाट घायल हुए हैं। हादसे की जानकारी पर एफएसएल टीम को वहां भेजा गया। जांच के बाद ही पता लग पाएगा कि बारूद कैसा और कितना पुराना है। माइनिंग में काम आने वाले बारूद होने की आशंका जताई जाती है।

एसआईआर के खिलाफ तृणमूल के मार्च को भाजपा ने घुसपैठिया बचाओ रैली करार दिया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक टकराव बढ़ता जा रहा है। मंगलवार से ही बंगाल में एसआईआर की शुरुआत हुई है और पहले ही दिन प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसके खिलाफ पदयात्रा निकालकर दावा किया है कि इसके जरिए असली मतदाताओं का नाम काटने का प्रयास हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर पलटवार करते हुए तृणमूल की रैली को घुसपैठिया बचाओ रैली करार दिया है। पार्टी के आईटी सेल के प्रमुख और पश्चिम बंगाल के सह प्रभारी अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह घुसपैठियों को बचाने के लिए आंदोलन कर रही हैं। मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि ममता बनर्जी की घुसपैठिया बचाओ यात्रा का असली मकसद अवैध मतदाताओं को संरक्षण देना है, क्योंकि राज्य में मतदाताओं की संख्या असामान्य रूप से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि 2001 और अब के बीच बंगाल की जनसंख्या में 31 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जबकि

मतदाताओं की संख्या 67 प्रतिशत बढ़ गई है, जो यह सवाल खड़े करती है कि ये अतिरिक्त मतदाता आए कहां से अमित मालवीय ने तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसकी राजनीति अब अवैध घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं पर आधारित है। उन्होंने लिखा कि ममता बनर्जी कभी वाममोर्चा के खिलाफ मतदाता सूची में हेरफेर और फर्जी नाम जोड़ने के आरोपों को लेकर संघर्ष की अगुवाई करती थीं, लेकिन आज वही सीमापार से अवैध घुसपैठ को रोकने संबंधी केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रही हैं। मालवीय ने यह भी आरोप लगाया कि बंगाल में अपराध, महिला तस्करी और संगठित अपराध में शामिल अवैध ऊर्दू भाषी घुसपैठियों को तृणमूल कांग्रेस ने अपने क़ैदी वोट बैंक के रूप में तैयार कर लिया है। उन्होंने ममता की रैली की तुलना मौलाना भासानी के 'लॉन्ग मार्च' से की, जिसमें भारत के पूर्वोत्तर और बंगाल को पूर्व पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में मिलाने की मांग उठी थी।

कोटा मंडल में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफल स्पीड ट्रायल

एजेंसी

कोटा। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में स्वदेशी तकनीक से निर्मित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उच्चगति परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह ट्रायल अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ की परीक्षण निदेशालय टीम द्वारा 2 नवम्बर से प्रारंभ किया गया है, जो 17 नवम्बर तक चलेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यह परीक्षण सवाई माधोपुर-कोटा-नागदा खंड पर 16 कोच वाले वंदे भारत स्लीपर रेक के माध्यम से किया जा रहा है। ट्रेन को अधिकतम 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर चलाकर उसकी तकनीकी दक्षता, ब्रेकिंग क्षमता, स्थिरता, कंपन तथा यांत्रिक व विद्युत प्रणालियों की विश्वसनीयता की जांच की जा रही है। आरडीएसओ के परीक्षण निदेशक राधेश्याम तिवारी के निर्देशन में यह ट्रायल वास्तविक यात्री भार के समान

परिस्थितियों में किया गया। रेक को पूर्ण लोडेड स्थिति में चलाया गया, जिसमें 800 टन रेक भार के अतिरिक्त 108 टन अतिरिक्त भार (50-50 किलोग्राम लोहे की धूल से भरे कनस्तरों के रूप में) जोड़ा गया। इस प्रकार कुल 908 टन भार के साथ ट्रेन का संचालन कर इसे वास्तविक ऑपरेशनल स्थिति में परखा गया। यह परीक्षण भारतीय रेल के इंजीनियरिंग कौशल और तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। रोहलखुर्द-लबान स्टेशनों के मध्य 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से 50 किलोमीटर तक लॉन्ग कंफर्मेटरी रन (एलसीआर) सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त ऑसिलेशन टेस्ट और वेट ट्रैक इमरजेंसी ब्रेकिंग टेस्ट जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी परीक्षण भी किए गए, जिनका उद्देश्य उच्च गति पर ट्रेन की स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस ट्रायल में आरडीएसओ के परीक्षण निदेशक राधेश्याम तिवारी के अतिरिक्त, मुख्य लोको निरीक्षक रामनिवास मीणा, यातायात निरीक्षक संदीप दुबे, लोको पायलट पंचम सिंह, अभिनंद त्रिगुनयक, राजेश भाटजीवाल, पी.के. जैन एवं ट्रेन प्रबंधक धर्मेन्द्र कुमार सैनी सहित तकनीकी विशेषज्ञों का योगदान रहा ।

बिहार में जब सरकार बदलेगी, तो यूपी में भी सरकार बदलेगी : अखिलेश यादव

एजेंसी

पटना। बिहार में रोहतास जिला के दिनारा में महागठबंधन के घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के उम्मीदवार राजेश यादव के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर हमला किया। दिनारा विधानसभा क्षेत्र से राजद के उम्मीदवार राजेश यादव के लिए समर्थन मांगते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ वाले को वह अच्छी तरह से जानते हैं और बिहार में जब सरकार बदलेगी, तो उत्तर प्रदेश में भी सरकार बदलेगी। जब उत्तर प्रदेश में सरकार बदलेगी, तो उनका बुलडोजर भी हम लोग छीन लेंगे, क्योंकि बुलडोजर में दिमाग नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में भाजपा की हार होगी और बिहार से भाजपा को भगाने की जरूरत है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बिहार विधानसभा का यह चुनाव बेरोजगारी तथा भाजपा को भगाने का चुनाव है। यह बिहार से गरीबी तथा भाजपा को हटाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उन लोगों ने अवध में भाजपा को हराया। वैसे ही बिहार में भी संप्रदाय की राजनीति करने वालों को बाहर करने की जरूरत है।

परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार के अलावा किसी और का विकास नहीं होने देती : डॉ. मोहन यादव

एजेंसी

पटना। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार के अलावा किसी और का विकास नहीं होने देती हैं। बिहार का भविष्य संवारने और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एनडीए प्रत्याशियों को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिहार के पटना जिले की बांकीपुर और मनेर विधानसभा में रोड शो कर मधेपुरा जिले के मधेपुरा विधानसभा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनडीए सरकार ही बिहार का विकास कर सकती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने सदैव राष्ट्रहित के लिए कार्य किया और भारत का मान-सम्मान वैश्विक स्तर में बढ़ाने का कार्य किया है। आप सभी लोगों का अपना स्नेह, प्यार, आशीर्वाद और समर्थन बता रहा है कि आप सभी लोगों ने बिहार में एक बार फिर एनडीए सरकार बनाने का निर्णय ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदैव राष्ट्रहित के लिए कार्य किया और भारत का मान-सम्मान वैश्विक स्तर में बढ़ाने का कार्य किया है। आप सभी लोगों का अपना स्नेह, प्यार, आशीर्वाद

और समर्थन बता रहा है कि आप सभी लोगों ने बिहार में एक बार फिर एनडीए सरकार बनाने का निर्णय ले चुके हैं। भारत भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और भगवान बुद्ध की धरती है, लेकिन कांग्रेस और उसके साथ गठबंधन करने वाले दलों ने तो भगवान श्रीराम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। बिहार की जनता भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वालों को इस विधानसभा चुनाव में सबक सिखाएं। बिहार की जनता को विकास की मुख्य धारा से दूर रखने वाले नेताओं को भी सबक सिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की बागडोर संभाली है, भारत तेजी से विकास विकास कर रहा है। भारत की शक्ति और सामर्थ्य तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री गुजरात के एक गरीब सामान्य परिवार से निकलकर आज भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने सदैव राष्ट्रहित और अच्छाई के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है।

कर्नाटक के विजयपुरा में 2.9 तीव्रता का भूकंप, दो महीने में 13 बार हिली धरती

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में सुबह करीब 7.49 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता लगभग 2.9 थी। पिछले दो महीनों में यह 13वां भूकंप है, जिससे लोगों में चिंता बढ़ गई है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) के अनुसार सुबह सात बजकर 49 मिनट पर 2.9 तीव्रता का भूकंप आया और इसका केंद्र विजयपुरा तालुका के भूतनल टांडा से लगभग 3.6 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था।ज़िला प्रशासन और भूविज्ञान विभाग के अधिकारी घटना की जानकारी जुटा रहे हैं और भूकंप की सटीक तीव्रता और केंद्र का पता लगाने के लिए अध्ययन किया जा रहा है। अधिकारियों ने लोगों से न घबराने की अपील की है। विजयपुरा शहर समेत टिकोटा, कालकाकावाटागी, तोरावी, शिवगिरी और होन्नुतागी इलाकों में भूकंप के झटकों से लोगों में डर बैठ गया।

उत्तराखंड लंबे संघर्ष और आंदोलनकारियों के बलिदान का परिणाम, मुख्यमंत्री बोले- 'विकसित राष्ट्र' के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा देवभूमि

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना कोई आकस्मिक घटना नहीं थी बल्कि यह वर्षों के लंबे संघर्ष, असीम त्याग और हजारों आंदोलनकारियों के बलिदान का परिणाम है। देवभूमि उत्तराखंड 'विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड' के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री मोदी के '2047 तक विकसित राष्ट्र' के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने सत्र में राज्य की 25 वर्ष की विकास यात्रा, उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का विस्तार से उल्लेख किया। विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही शाम 20 बजकर 19 मिनट तक चली। अगले दिन पांच नवंबर (बुधवार) 11 बजे तक के लिए सत्र की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी हुतात्माओं, आंदोलनकारियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में

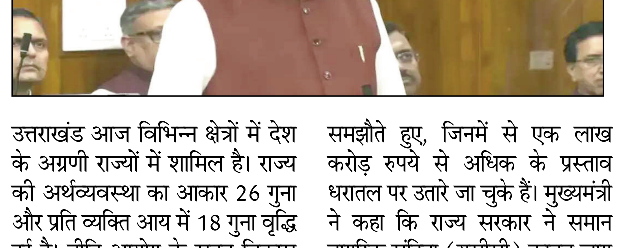

उत्तराखंड आज विभिन्न क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना और प्रति व्यक्ति आय में 18 गुना वृद्धि हुई है। नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि किसानों की आय वृद्धि दर में भी राज्य ने राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पिछले वर्षों में 30 से अधिक नई नीतियां लागू की गई हैं जिनसे उद्योग, पर्यटन, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 3.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौते हुए, जिनमें से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव धरातल पर उतारे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून लागू कर समानता, न्याय और महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। साथ ही, राज्य में भू-कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून,दंगारोधी कानून और नकल विरोधी कानून जैसे कड़े कदम उठाकर पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन की मिसाल पेश की गई है।

उन्होंने बताया कि राज्य में 26 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी नौकरियों में अवसर दिए गए हैं,जबकि 1 लाख 65 हजार से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के सम्मान के लिए आरक्षण, पेंशन और पहचान पत्र जैसी व्यवस्थाओं को सशक्त बनाया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश की सवा करोड़ जनता के सहयोग से उत्तराखंड आने वाले वर्षों में देश का श्रेष्ठ राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नकली मजार से अवैध अतिक्रमण हटाना विधि सम्मत है। फिर भी विपक्ष इसे तुल दे रहा है। सरकार का किसी को लक्ष्य करना उदेश्य नहीं है। राज्य में नौ हजार एकड़ भूमि अवैध अतिक्रमण से मुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी को उजाड़ने का नहीं बसाने का काम करेगी।

एसआईआर के तहत गणना शुरु, 51 करोड़ मतदाताओं को फिर से सूचीबद्ध करेगा आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग बिहार के बाद 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची को अपडेट करने जा रहा है। इससे जुड़ी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत आज से गणना फार्म जमा होने शुरु हो गए हैं। चुनाव कर्मी घर-घर जाकर इन फार्म को वितरित कर रहे हैं। इस प्रक्रिया के तहत 51 करोड़ मतदाताओं को कवर किया जाएगा। चुनाव आयोग ने आज देशभर में गणना फार्म वितरित करने से जुड़ी तस्वीरें और जानकारी साझा की। एसआईआर से जुड़े प्रदेशों में 27 अक्टूबर तक मतदाता सूची में शामिल प्रत्येक मतदाता को एक विशिष्ट गणना प्रपत्र (ईएफ) उपलब्ध कराया जाएगा। यह आंशिक रूप से पहले से भरा होगा। गणना चरण के दौरान, बीएलओ ईएफ के वितरण और संग्रह के लिए कम से कम तीन बार घर-घर जाएंगे।बिहार में एसआईआर के बाद अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में इसकी प्रक्रिया जारी हैं। इसके अंतर्गत 321 जिले और 1,843 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इन राज्यों की मतदाता सूची फ्रीज हो चुकी है और और 7 फरवरी तक अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी एसआईआर प्रक्रिया में शामिल किए गए राज्यों में कुल मिलाकर लगभग 51 करोड़ मतदाता हैं। इस अभियान में 5.33 लाख बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और राजनीतिक दलों द्वारा नामित लगभग 7.64 लाख बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए), 10,448 ईआरओ/एईआरओ और 321 जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल होंगे। नौ दिंसबर को चुनाव आयोग इन राज्यों की मसौदा सूची जारी करेगा। 1 महीने तक इस मौसूदा सूची से जुड़े दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद 9 जनवरी से एक महीने तक दावे सुने जाएंगे और जांच होगी। सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद पूरी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के अन्य लागू प्रावधानों और निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के प्रासंगिक प्रावधानों के साथ 27 अक्टूबर के आदेश के तहत 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का आदेश दिया था। आयोग के अनुसार मतदाता अपना नाम और संबंधित रिश्तेदारों का नाम पिछली एसआईआर मतदाता सूची में देख सकते हैं और गणना प्रपत्र में विवरण प्रदान करने के लिए https://voters.eci.gov.in/ पर जा सकते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 आज

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 मैच गुरुवार को यहां खेला जाएगा। अभी तक दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज में बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच दोनो ही टीमों के लिए बेहद अहम रहेगा। इसमें विजेता टीम को सीरीज में बढ़त मिल जाएगी। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में सलामी बल्लेबाजी शुभमन गिल पर सभी की नजरें रहेंगी। शुभमन अभी तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि एशेज सीरीज की तैयारी के लिए कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इससे बाहर हैं।

पिछले मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने से मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई थी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी नहीं रहेंगे। वह एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम के पास इस मैच को जीतकर सीरीज में ढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा अवसर है।

वहीं भारतीय टीम की चिन्ता शुभमन का फार्म है। वह ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। एकदिवसीय सीरीज में भी वह असफल रहे। वहीं टी20 सीरीज के दोनो ही मैचों में वह रन नहीं बना पाये।

शुभमन को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि शुभमन अभी तक अपनी परंपरागत अंदाज में नहीं दिखे हैं। भारतीय टीम का सकारात्मक पक्ष ये है कि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी अच्छे फार्म में हैं। टीम को उनसे एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। शुभमन को इस सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेलना है जिसको देखते हुए उन्हें लय हासिल करने

के लिए रन बनाने होंगे।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी जिसे अब वह बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के शामिल होने से भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी।

स्पिन ऑलराउंउश्र वाशिंगटन सुंदर के होने से निचले क्रम पर भी भारतीय बल्लेबाजी मजबूत होगी। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाये थे।

दूसरी ओर मेजबान टीम की बल्लेबाजी कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड पर निर्भर करेगी। हेड के नहीं होने से मार्श के साथ इस मैच में मैथ्यू शॉर्ट सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपने

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया-मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने होंगे क्योंकि सीन एबॉट उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

36 के हुए विराट कोहली को प्रशंसकों से मिली बधाई

-इन पारियों के कारण बने महान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली आज 36 साल के हो गए हैं। जन्मदिन के अवसर पर विराट को प्रशंसकों और साथ खिलाड़ियों ने ढेरों बधाईयां दी है। विराट अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं क्योंकि टेस्ट और टी20 से उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। 36 साल की उम्र में भी विराट फिट बने हुए हैं और 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं। वर्तमान समय में भी वह केवल एक प्रारूप खेलने के बाद भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर में से एक हैं। विराट को यूं ही नहीं कहा जाता वर्तमान पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज। उन्होंने अपने करियर में कई बड़ी पारियां खेली हैं।

साल 2012 में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के साथ त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये थे। तब भारतीय टीम सीरीज में पिछड़ रही थी. ऐसे में उसे हर हाल में जीत दर्ज करनी थी जिससे कि बोनस अंक हासिल किये जा सकें। 321 रनों के लक्ष्य को 40 ओवर में ही हासिल करना था, जो काफी मुश्किल काम था पर विराट ने पहले गौतम गंभीर और फिर सुरेश रैना के साथ मिलकर ऐसी बल्लेबाजी की कि भारतीय टीम ने 36.4 ओवर में ही 321 रन बनाकर मैच को जीत लिया और बोनस अंक हासिल किया ! इस मैच में विराट ने 154.65 के स्ट्राइक रेट से 86 गेंद में 16 चौके और 2 छक्के की मदद से 133 रन बनाए थे ! विराट की ये पारी उनके करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक थी।

वहीं एशिया कप 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट ने 183 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 329 रन बनाये थे पर इसके जवाब में विराट की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम 7 विकेट से जीत गयी। एकदिवसीय में विराट का अब तक का सबसे अधिक स्कोर है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम की ओर से एडिलेड टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली थी। विराट ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 517 रन बनाये थे। इसके जवाब में भारतीय टीम 444 रन ही बना पायी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को 73 रनों की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 290 रन बनाए और पारी को घोषित कर भारत के सामने एडिलेड की मुश्किल पिच पर चौथी पारी में 364 रनों का लक्ष्य रखा था। इसके बाद विराट कोहली ने मुरली विजय के साथ मिलकर जबरदस्त पारी खेली। मुरली 99 रन बनाकर आउट हुए, जबकि विराट ने 175 गेंद में 145 रन बनाए। इन दोनों के आउट के होने बाद भारतीय टीम हालांकि 315 रन के स्कोर पर ही आउट हो गयी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मैच 48 रन से जीत लिया।

साल 2018 में इंग्लैंड दौरे पर बर्मिंघम टेस्ट में विराट कोहली की 149 रनों की पारी भी कौन भूल सकता है। विराट कोहली ने कठिन पिच पर शतक लगाकर भारतीय टीम को 31 रन से जीत दिलायी थी। विराट के लिए ये शतकीय पारी इसलिए भी अहम थी क्योंकि इससे पहले विराट इंग्लैंड में बुरी तरह से असफल रहे थे। बर्मिंघम में 149 रन बनाकर उन्होंने सबकी बोलती बंद कर दी।

ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली की 82 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में पाकिस्तान के सामने टीम इंडिया ने 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर अपने 4 विकेट खो दिये। इस मैच में विराट कोहली ने हारिस रऊफ पर जबरदस्त छक्का लगाकर मैच में टीम इंडिया को जीत दिला दी।

अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में द्रविड़ के बेटे अन्वय पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय भी हैदराबाद में शुरू रहे पुरुष अंडर19 एकदिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को इस टूर्नामेंट में टीम सी में शामिल किया गया है। ऐसे में सभी की नजरें अन्वय के प्रदर्शन पर रहेंगी। इस टूर्नामेंट से युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला शुक्रवार को आरोन जॉर्ज की अगुवाई वाली टीम सी वेदांत त्रिवेदी की कप्तानी वाली टीम बी के खिलाफ करेगी। टूर्नामेंट में भाग ले रही टीमें इस प्रकार हैं।

टीम ए: विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीत वीके, मार्कंडेय पांचाल, सात्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आरएस अंबरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, इशान सूद।

टीम बी: वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हरवंश सिंह (उपकप्तान और विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल,

वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, अहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, महामद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।

टीम सी: आरोन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवानंद, राहुल कुमार, यश कासवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलान ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनिल पटेल, लक्ष्मण प्रुथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।

टीम डी: चंद्रहास दाश (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शांतनु सिंह, अर्नव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन सकपाल (विकेटकीपर), ए रापोल (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद एनान, अयान अकरम, उधव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों बाबर आजम, सैम अयूब, और सलमान आगा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। दूसरी ओर भारत के अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती टी20ढ्ढ गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। रैंकिंग में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के कई खिलाड़ियों ने भी शानदार सुधार किया है।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए हाल की टी20 सीरीज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यादगार रही। बाबर आज़म नौ पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैम अयूब, जो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, 10 पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, सलमान आगा ने भी 10 पायदान की बढ़त के साथ 54वां स्थान हासिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती दी, जिससे टीम को टी20 फॉर्मेट में नई ऊर्जा मिली है।

भारतीय टीम की निरंतर सफलता

टीम इंडिया के लिए साल 2025 अब तक बेहद सफल रहा है। भारतीय टीम ने अपनी पांच में से चार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाएँ जीती हैं, जिनमें सबसे ताज़ी जीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से मिली। अभिषेक शर्मा, जिन्होंने हाल के महीनों में जबरदस्त फॉर्म दिखाया है, बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर कायम हैं। वहीं, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जिससे भारत की टी20 टीम को एक नई मजबूती मिली है।

अन्य देशों के खिलाड़ियों की बढ़त

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज़ तंजीद हसन ने 20 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है और अब वह 17वें स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज़ (15वां स्थान) और इब्राहिम ज़दरान (20वां स्थान) ने भी इस हफ्ते अच्छा सुधार किया है। इन सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने दिखाया है कि विश्व क्रिकेट में टी20 फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बड़े बदलाव

टी20आई गेंदबाजों की सूची में कई नामों ने इस हफ्ते शानदार उछाल मारी है। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड भारत के खिलाफ शानदार गेंदबाजी के दम पर दो पायदान ऊपर बढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान 13 पायदान की छलांग लगाकर 14वें स्थान पर पहुंचे हैं, जबकि बांग्लादेश के महेदी हसन छह पायदान चढ़कर 17वें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर (23वें स्थान) और रोस्टन चेज़ (38वें स्थान) ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, जिन्होंने हाल में लगातार विकेट चटकाए, 32 पायदान की बड़ी छलांग लगाकर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के गेंदबाजों का योगदान

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेकर

सबका ध्यान खींचा। उनकी इस सफलता ने उन्हें 15 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर पहुंचा दिया है। पाकिस्तान के सलमान मिर्जा (45वां स्थान) और फहीम अशरफ (51वां स्थान) ने भी अपनी गेंदबाजी से रैंकिंग में वापसी की है।

वनडे रैंकिंग में भी नए बदलाव

नवीनतम वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने इंग्लैंड के खिलाफ 'प्लेयर ऑफ द सीरीज़' बनकर दो पायदान ऊपर तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्होंने 178 रन बनाए और केवल एक बार आउट हुए। उनके साथी रचिन रवींद्र चार पायदान ऊपर बढ़कर 14वें स्थान पर पहुंचे हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी तीन विकेट लेकर दो पायदान ऊपर चढ़े और अब अफगानिस्तान के राशिद खान के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

विश्वकप जीत से मंधाना, जेमिमा सहित महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू बढ़ी

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत के बाद खिलाड़ियों की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू तेजी से बढ़ी है। ऐसे में अब इनकी कमाई भी पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स और स्मृति मंधाना की ब्रांड वैल्यू सबसे अधिक बढ़ी है। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रनों की पारी खेली थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेमिमा की एंडोर्समेंट फीस अब 75 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये तब पहुंच गयी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद ही उनके पास 10 से 12 अलग-अलग कैटेगरी के ब्रांड्स से करार के प्रस्ताव आने लगे। वहीं मंधाना पहले से ही महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर हैं। वो इस समय हिंदुस्तान यूनिलीवर, नाइक , हुंडाई , हरबेलाइफ , एसबीआई, गल्फ आइल, और पीएबी मैटलाइफ जैसे 16 प्रमुख ब्रांड्स का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। विश्व कप जीत के बाद उनकी फीस भी 1.5 से 2 करोड़ रुपये प्रति ब्रांड तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विश्वकप जीत से भारतीय महिला क्रिकेट पूरी तरह से बदल जाएगा।

वैभव अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में नजर आयेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल और अंडर 19 क्रिकेट में धूम मचाने वाले 14 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज के लिए पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। आईपीएल के बाद वैभव ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी। अब वैभव के निशाने पर पाकिस्तान ए टीम रहेगी। का भारत ए टीम में आईपीएल के छह खिलाड़ियों को अवसर मिला है। इमर्जिंग स्टार्स टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर 2025 तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें भारत के ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ ग्रुप बी में रखा गया है.

ये टूर्नामेंट कतर में खेला जाएगा और

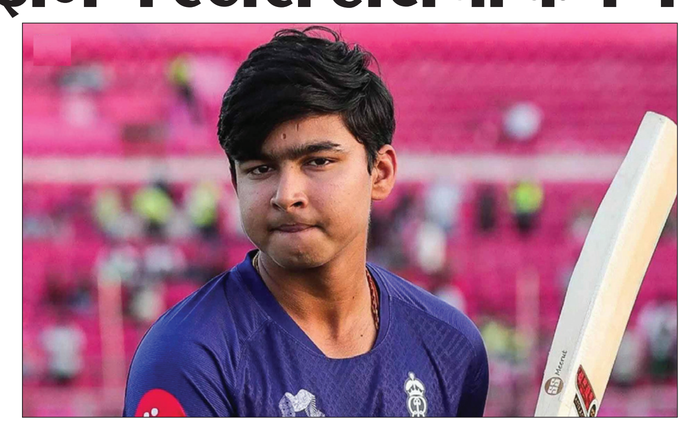

इसका आयोजन एशियाई क्रिकेट परिषद कर रही है। इसमें भारत ए की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा करेंगे। वहीं पंजाब के ऑलराउंडर नमन धीर उप-कप्तान रहेंगे। आईपीएल 2025 के स्टार प्रियांश आर्य को भी पहली बार टीम में अवसर मिला है। जितेश अभी ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम से खेल रहे हैं। उन्होंने तीसरे टी20 में 22 रनों की पारी खेलकर प्रभावित किया था। जितेश ने इस साल की शुरुआत में आरसीबी के विजयी अभियान के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था और निचले क्रम में 176 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए की टीम: प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर) रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजापनीत सिंह, विजय कुमार वैश्य, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा.

स्टैंड-बाय खिलाड़ी: गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख रशीद.

वीनस विलियम्स की ऑकलैंड क्लासिक में होगी वाइल्ड कार्ड एंट्री

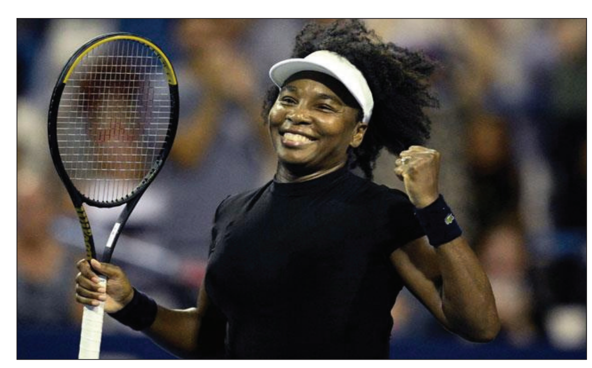

वॉशिंगटन । सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में वापसी करेंगी। उन्हें इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विलियम्स 16 महीने के ब्रेक के बाद 2025 के बीच में प्रतियोगिता में लौटीं। उन्होंने वाशिंगटन में वर्ल्ड नंबर 35 पेटन स्टर्न्स पर यादगार जीत के साथ वापसी की, जहां वह टूर-लेवल पर महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्हें एकल और युगल में यूएस ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की 11वीं सीड कैरोलिना मुचोवा को तीन सेट तक टक्कर दी और कनाडाई उभरती हुई स्टार लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, 'वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा असर रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को एक्शन में देखने का यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।' ऑकलैंड क्लासिक पांच से 11 जनवरी 2026 तक चलेगा। यह18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट होगा।

राहुल और सुंदर आईपीएल 2026 में बदल नहीं पायेंगे टीमें

नई दिल्ली । पिछले कुछ समय से वॉशिंगटन सुंदर और केएल राहुल के आईपीएल 2026 में नई टीमों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलने की चर्चाएं चल रही थीं। वहीं अब आई एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो की ही टीमों ने इन्हें रिलीज करने से इंकार कर दिया है। ऐसे में अब ये दोनों खिलाड़ी किसी नई फ्रेंचाइज़ी से नहीं जुड़ सकते हैं। ये कहा जा रहा था कि सुंदर को सीएसके लेना चाहती है, जबकि राहुल को केकेआर पर पर करार संभव नहीं हो पाया। सीएसके दिग्गज स्पिनर आर अश्विन की जगह पर सुंदर को चाहती थी और इसके लिए उसने प्रयास भी किया पर गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने सुंदर को देने से इंकार कर दिया। वहीं दूसरी ओर, केएल राहुल को लेकर खबर थी कि वे दिल्ली कैपिटल्स की जगह पर वह केकेआर से खेल सकते हैं पर ये संभव नहीं हुआ। इसका कारण है कि केकेआर वरुण चक्रवर्ती और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को ट्रेड में नहीं देना चाहती। ऐसे में कैपिटल्स भी राहुल को छोड़ने तैयार नहीं है।

साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, पंत की वापसी, शमी को फिर नहीं मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। 14 नवंबर से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए शुभमन गिल को कप्तान और ऋषभ पंत को उपकप्तान एवं विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। इस चयन के साथ ही टीम में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले हैं।जहां ऋषभ पंत की वापसी सबसे बड़ी खबर रही, वहीं तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को एक बार फिर टीम से बाहर रखा गया है।

घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन और चयन को लेकर हाल में हुई जुबानी जंग के बाद यह माना जा रहा था कि शमी की टेस्ट टीम में वापसी होगी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका नहीं दिया। इससे क्रिकेट जगत में फिर से चर्चाएं तेज़ हो गई हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए कई मायनों में अहम होगी। एक ओर शुभमन गिल की कप्तानी की परीक्षा होगी, तो दूसरी ओर ऋषभ पंत की वापसी टीम को नई ऊर्जा देगी। वहीं, मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी ने चयन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि युवा खिलाड़ियों से सजी यह टीम विदेशी धरती पर कितनी मजबूती से प्रदर्शन करती है।

टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

ऋषभ पंत की शानदार वापसी

ऋषभ पंत की टीम में वापसी लंबे इंतजार के बाद हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हुई गंभीर चोट के बाद पंत लगभग एक साल तक क्रिकेट से दूर रहे। साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ हालिया मुकाबलों में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस और फॉर्म दोनों साबित कीं। चयनकर्ताओं ने इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें उपकप्तान की ज़िम्मेदारी सौंपी है। उनकी वापसी से भारत की बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों विभागों में मजबूती आएगी।

शुभमन गिल को मिला बड़ा अवसर

युवा बल्लेबाज़ शुभमन गिल को पहली बार टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। लगातार अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए बीसीसीआई ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय टीम के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है और गिल को अगले कप्तान के रूप में तैयार करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

आकाश दीप को मिला डेब्यू का मौका

युवा तेज गेंदबाज़ आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। बंगाल के इस गेंदबाज़ ने घरेलू क्रिकेट और इंडिया 'ए' टीम में शानदार प्रदर्शन किया है। चयनकर्ताओं ने उन्हें आगामी सीरीज में डेब्यू करने का मौका देने का संकेत दिया है। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज नई गेंद के मोर्चे पर टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि स्पिन विभाग में रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव शामिल हैं।

सीरीज का शेड्यूल

दो मैचों की यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) का हिस्सा होगी। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में होगा।

भारत 'ए' वनडे टीम का भी ऐलान

बीसीसीआई ने भारत 'ए' वनडे टीम की भी घोषणा की है। टीम की कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे, जबकि रुतुराज गायकवाड़ उपकप्तान होंगे। इस टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा को शामिल नहीं किया गया है। टीम में ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और खलील अहमद जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

कोच ट्रॉट और बल्लेबाजी कोच पुटिक विश्वकप तक ही रहेंगे अफगानिस्तान टीम के साथ

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और बल्लेबाजी कोच एंड्रयू पुटिक टी20 विश्व कप 2026 तक ही टीम के साथ रहेंगे। विश्वकप के बाद ये दोनो ही अपना कार्यकाल आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। ट्रॉट जुलाई 2022 में कोच बने थे। उन्होंने इस तीन साल में टीम को बदलकर रख दिया है। इसी कारण टीम आज सीमित

ओवरों के प्रारुप टी20 में एक बेहतर टीम बनकर उभरी है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा, कोचिंग में बदलाव किसी भी टीम के विकास के लिए जरुरी होता है। यह बदलाव अफगानिस्तान टीम की लंबी अवधि की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी कोच पुटिक भी टीम से अलग हो रहे हैं। पुटिक इसी साल जनवरी 2025 में टीम से जुड़े थे। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ट्रॉट के मार्गदर्शन में अफगानिस्तान टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। टीम पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट 2024 टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। इसके अलावा 2023 एकदिवसीय विश्व कप में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ जीत हासिल की थी। ट्रॉट ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, अफगानिस्तान टीम के साथ काम करना मेरे लिए काफी खुशी की बात रही है।

इक्क कुड़ी की निर्माता बनने पर बोलीं शहनाज गिल

अभिनेत्री, गायिका और अब निर्माता बनीं शहनाज गिल अपनी सादगी, जोश और बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाती हैं। शहनाज ने शुक्रवार को आज अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा है। बतौर निर्माता फिल्म उनकी पहली फिल्म इक्क कुड़ी आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि उनके दिल के भी बहुत करीब है। शहनाज का कहना है कि ये उनकी अभी शुरुआत है। आगे उन्हें बहुत कुछ करना है। इंटरव्यू में शहनाज कहती हैं कि इक्क कुड़ी उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का वह सफर है जिसे वह हमेशा अपने साथ लेकर चलेंगी। इस फिल्म ने उन्हें एक कलाकार के साथ-साथ एक निर्माता के रूप में भी परखा है।

निर्माता की जिम्मेदारी संभालने के बारे में शहनाज ने कहा, निर्माता बनने के साथ मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां थीं, कहानी चुनने से लेकर फिल्म की पूरी टीम को संभालने तक। मुझे इक्क कुड़ी की कहानी इतनी पसंद आई कि मैंने तय किया कि इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि निर्माण की जिम्मेदारी भी मैं खुद उठाऊंगी। यह फिल्म ऐसी थी जिसे बनाना जरूरी था। शहनाज ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर एक दांव लगाया है और अब देखना यह है कि दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी मिलती है। शहनाज ने अब तक अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाई हैं। वह सिंगर, एक्ट्रेस, रियलिटी शो स्टार और अब प्रोड्यूसर हैं, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि अब वह आगे क्या करना चाहती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अभी तो मैंने शुरुआत की है, अभी तो बहुत कुछ बाकी है।

शहनाज का मानना है कि हर नया अनुभव कुछ सिखाता है और इक्क कुड़ी उनके करियर का सबसे भावनात्मक अध्याय है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में डेब्यू किया हो, लेकिन वह इस फिल्म को अपना सबसे खास और नजदीकी प्रोजेक्ट मानती हैं। इक्क कुड़ी की कहानी एक ऐसी लड़की के सफर को दिखाती है जो अपने लिए सही जीवनसाथी की तलाश में है। फिल्म के लेखक और निर्देशक अमरजीत सिंह हैं। पहले यह फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ के कारण इसे आगे बढ़ाकर 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में उतारा गया।

कपिल शर्मा संग किस किस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी पारुल गुलाटी

मनोरंजन जगत में लंबे समय तक मेहनत और संघर्ष के बाद जब किसी कलाकार को बड़ा मौका मिलता है, तो वह न सिर्फ उनके करियर का बल्कि उनके जीवन का भी अहम मोड़ बन जाता है। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए यह पल अब आ चुका है। करीब 15 साल के सफर के बाद, वह आखिरकार अपनी पहली बॉलीवुड थियेट्रिकल फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर उतरने जा रही हैं। फिल्म का नाम है किस किस को प्यार करूं 2, जिसमें वह भारत के कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।इस मौके को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे उनकी मेहनत का हर छोटा कदम अब एक सुंदर इनाम में बदल गया है।

पारुल ने कहा, इतने वर्षों में मैंने कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होना हर अभिनेता का सपना होता है। जिंदगी जैसे अब एक चक्र पूरा कर चुकी है। इतने सालों में बहुत कुछ किया, पर बड़ी स्क्रीन पर खुद को देखना हर कलाकार के लिए जादुई पल होता है। इस बार यह जादू और भी खास है, क्योंकि मेरे साथ इस फिल्म में कपिल शर्मा हैं, जो अपने हास्य और टाइमिंग के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए कई मायनों में यह बेहद खास है। मैं पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हूं और इस अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस फिल्म के जरिए सीखने और जीने के नए तरीके दर्शकों को दिखाने जा रही हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक नया अध्याय है, जो मेरे करियर की दिशा को और ऊंचाई देगा।

किस किस को प्यार करूं 2 में पारुल और कपिल के साथ हीरा वरीना, त्रिधा चौधरी और आयशा खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का मोशन पोस्टर 23 अक्टूबर को जारी किया गया, जिसमें कपिल शर्मा के किरदार की जिंदगी में चार दुल्हनों के आने से होने वाली अफरा-तफरी दिखाई गई। दर्शकों को यह झलक देखकर ही अंदाजा हो गया है कि फिल्म में खूब हंसी-मजाक और मनोरंजन होने वाला है। फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है, जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है और 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म 2015 में आई कपिल शर्मा की डेब्यू फिल्म किस किस को प्यार करूं का सीक्वल है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। पहले भाग में अरबाज खान, मंजरी फडनिस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

शाहरुख खान के साथ काम करना एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह है

ज्वेल थीफ और कबीर सिंह जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता टीवी और हिंदी सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं। निकिता ने खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म, शाहरुख खान और सोशल मीडिया के जरिए होने वाली कास्टिंग पर खुलकर बात की। अभिनेत्री निकिता दत्ता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के होते विस्तार और कास्टिंग को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ बड़े पर्दे पर ही अभिनेताओं को पसंद किया जाता था, लेकिन अब ओटीटी की वजह से कई माध्यम विकसित हो गए हैं। अब दर्शक जितना पर्दे पर बड़े स्टार्स को देखना पसंद करते हैं, उतना ही ओटीटी पर। उन्होंने सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए होने वाली कास्टिंग पर कहा, पहले ऐसा नहीं होता था। अब कास्टिंग से पहले आपका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखा जाता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। कास्टिंग प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, ना कि सोशल मीडिया फॉलोवर्स के आधार पर। निकिता ने शाहरुख खान के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना उनके लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह है। उन्होंने कहा, जब से मैंने इस इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया है, तब से यह मेरा सपना रहा है। अब भी यही ड्रीम प्रोजेक्ट है कि बस शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल जाए। फिल्म कबीर सिंह निकिता के लिए बहुत खास रही। इसी फिल्म से निकिता को टीवी के बाद बड़े पर्दे पर पहचान मिली। उन्होंने कहा कि कबीर सिंह फिल्म ने मेरी जर्नी में बदलाव लाया, लोगों ने उस फिल्म से मुझे पहचाना और बहुत प्यार दिया। कबीर सिंह के लिए हमेशा मेरे दिल में खास जगह रहेगी। बता दें कि निकिता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में घरत गणपति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अवॉर्ड के साथ प्यारी सी फोटो भी शेयर की थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ टीवी पर हिट सीरियल भी दिए हैं। उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल, 2016 में एक दूजे के वास्ते, और 2017 में हासिल में काम किया।

एक्टर बने निर्देशक लोकेश कनगराज वामिका गब्बी संग लड़ाएंगे इश्क

डायरेक्टर के तौर पर लोकेश कनगराज ने साउथ सिनेमा में कई हिट फिल्में बनाई हैं। 'कैथी', 'विक्रम' और 'कुली' जैसी फिल्मों में उन्होंने

कार्थी, कमल हासन और रजनीकांत जैसे एक्टर के साथ काम किया। अब लोकेश एक्टिंग की दुनिया में एंट्री ले चुके हैं। शनिवार को उनकी अपकमिंग फिल्म 'डीसी' का टाइटल टीजर सामने आया। इसमें लोकेश का अलग ही अंदाज दिखा।

टाइटल टीजर में खून से लथपथ दिखे लोकेश

फिल्म 'डीसी' के टाइटल टीजर में लोकेश की एंट्री दमदार तरीके से होती है, उनका किरदार खून से लथपथ नजर आता है। लोकेश ने एक्सप्रेशन भी इंटेंस दिए हैं। आगे टीजर में वामिका गब्बी दिखाई देती हैं। उनका लुक काफी सिंपल दिखा। दोनों किरदार एक आइने में एक-दूसरे को देखते हैं और टीजर खत्म हो जाता है।

मेकर्स ने लिखा खास मैसेज

'डीसी' का टाइटल टीजर सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, 'गर्व से पेश करते हैं 'डीसी', इसमें लोकेश कनगराज और वामिका गब्बी लीड रोल में हैं।' इस फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध ने दिया है।

आदित्य सरपोतदार ने बताया क्या है 'शक्ति शालिनी' में खास?

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड का सबसे सफल और पसंद किया जाने वाला यूनिर्स है। इस यूनिवर्स की हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' को भी दर्शकों ने पसंद किया है और फिल्म 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है। अब दर्शकों को यूनिर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार है। अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म में 'सैयारा' फेम स्टार अनीत पड्डा नजर आएंगी। अब इस फिल्म और अनीत पड्डा को लेकर 'थामा' के निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने अमर उजाला से खास बातचीत की।

बंगाली लोककथा से प्रेरित है 'शक्ति शालिनी'?

'शक्ति शालिनी' को लेकर जब पूछा गया कि क्या यह फिल्म बंगाली लोककथा से प्रेरित है? तो आदित्य सरपोतदार ने जवाब देते हुए कहा कि ऊपर से देखा जाए तो हां, उसमें बंगाली फोक का एक संदर्भ है। लेकिन असल में यह एक बहुत स्ट्रॉन्ग इंडियन फोक स्टोरी है। यह कहानी सिर्फ एक रीजन की नहीं, पूरे भारत की आत्मा से जुड़ी है। जैसे भेड़िया अरुणाचल प्रदेश की लोककथा पर थी, स्त्री दक्षिण भारत की लोककथा से प्रेरित थी और मुंज्या महाराष्ट्र की फोक स्टोरी पर आधारित थी। वैसे ही शक्ति शालिनी भी भारतीय मिथ और लोक परंपरा से जुड़ी हुई है। अभी ज्यादा नहीं बता सकता, लेकिन वक्त आने पर सब कुछ साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में इतनी कहानियां हैं, जो हमारी मिट्टी, संस्कृति और परंपरा से निकली हैं। हॉरर अब सिर्फ डराने का जरिया नहीं रहा, यह अब हमारी जड़ों की खोज बन गया है। शक्ति शालिनी उसी जर्नी का हिस्सा है।

अनीत पड्डा में है कुछ नया करने की भूख फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा के बारे में बात करते हुए आदित्य सरपोतदार ने कहा कि मैंने अनीत का काम सैयारा से पहले उनकी वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में देखा था। उस शो की शूटिंग ऊटी में हुई थी और जब हम थामा की शूटिंग के लिए वहीं पहुंचे, तो मेरे लोकेशन

डायरेक्टर ने उस सीरीज का जिक्र किया। मैंने उसे देखा और तभी समझ गया कि इस लड़की में एक अलग रेंज है। वह कभी टॉमबॉय जैसी बिंदास लगती है, तो कभी इमोशन से भरी, सहमी हुई लड़की की तरह। ये रेंज बहुत कम एक्ट्रेसेज में होती है। अनीत की सबसे बड़ी खूबी है उनकी भूख। एक आर्टिस्ट में जो सीखने और बेहतर करने की प्यास होती है, वो उनमें साफ दिखती है। वो अपनी परफॉर्मेंस के साथ एक्सपेरिमेंट करने से डरती नहीं हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि वह इस यूनिवर्स में कुछ नया लेकर आएंगी और अपनी अलग पहचान बनाएंगी।

ऑडियंस का इंटरेस्ट बना रहना जरूरी जब आदित्य सरपोतदार से पूछा गया कि क्या वे इस फिल्म का हिस्सा हैं, तो उन्होंने कहा कि शक्ति शालिनी से जुड़ना मैं जरूर चाहूंगा। अभी थामा रिलीज हुई है, तो हमें थोड़ा वक्त चाहिए यह तय करने के लिए कि आगे कौन सी फिल्म कब आएगी और किस दिशा में यूनिवर्स को ले जाएगी। सबसे जरुरी है कि ऑडियंस का इंटरेस्ट हाई बना रहे। इसलिए इन फिल्मों का बैक टू बैक आना जरुरी है। फिलहाल सभी एक्टर्स और टीम के अपने कमिटमेंट्स हैं, तो हमें यह समझना होगा कि कौन सी कहानी पहले बढ़ेगी और कौन बाद में।

व्यस्त रहो खुश रहो

अगर आप कामकाजी हैं तो तय है कि आप पर काम का बोझ भी ज्यादा होगा। अपने काम के इस बोझ को खुद पर हावी न होने दें। अपने व्यवहार में हल्का-सा बदलाव लाकर न सिर्फ आप खुश रहकर ऑफिस में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं, बल्कि अपने रिश्तों को भी पहले की तुलना में बेहतर तरीके से सहेज और संवार सकती हैं।

कार्यस्थल हो या घर, यदि आप अपने काम से खुश नहीं हैं तो इसका प्रभाव आपके काम पर पड़ता है। यह संभव है कि आपके आसपास का माहौल तनाव और चिंता उत्पन्न करने वाला हो, पर यह भी सही है कि जटिल परिस्थितियों का सामना करने के लिए स्वस्थ मस्तिष्क और शरीर की जरूरत होती है। अस्वस्थ जीवनशैली और कार्यस्थल का तनाव आपके लिए गंभीर परिणाम देने वाला साबित हो सकता है। तन को स्वस्थ रखने के लिए जहां अच्छा खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली होना जरूरी है, वहीं स्वस्थ मस्तिष्क और असरदार काम के लिए सकारात्मक सोच का होना जरूरी है।

व्यस्त रहना यानी संबंधों को मधुर बनाना

जर्नल ऑफ फैमिली साइकोलॉजी के अनुसार कार्यस्थल पर जिम्मेदारी वाले काम करते हुए व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपनी शादी से अधिक खुश रहती हैं। चार साल तक किए गए इस अध्ययन में 169 जोडे शामिल किए गए। यह सर्वे उन महिलाओं के लिए हैरतभरा हो सकता है, जो निजी जीवन और काम की व्यस्तता के बीच खुद को हर समय तनावग्रस्त महसूस करती हैं। आमतौर पर माना भी यह जाता है कि कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाओं की शादीशुदा जिंदगी में खुशियां कम होती जाती हैं। शोध में कार्यस्थल पर काम और पति के साथ संबंधों का अध्ययन किया गया है। इस नतीजे के संभावित कारण इस प्रकार हो सकते हैं..

करियर में सफल होना आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपने बारे में अच्छा महसूस करती हैं। संतुष्टि की यह भावना संबंधों पर भी सकारात्मक असर डालती है। पति-पत्नी दोनों का व्यस्त रहना दोनों के बीच समानता का संबंध उत्पन्न करता है, साथ ही घरेलू जिम्मेदारियों में आपसी सहयोग भी बढ़ाता है। एक-दूसरे के लिए समय कम मिलने की विवशता को समझते हुए पति-पत्नी, एक-दूसरे के साथ अधिक से अधिक क्वालिटी समय बिताने की कोशिश करते हैं।

कार्यस्थल पर यूं रह सकती हैं खुश

अच्छा चुनाव करें- करियर के संबंध में गलत फैसले बड़े महंगे साबित होते हैं। अत- कोई भी निर्णय सोच-समझकर लें। यदि काम आपकी रुचि और एटीट्यूड के मुताबिक है तो आप उसे कम समय में या चुनौतियों के बीच भी बेहतर तरीके से कर सकेंगी। ऐसे करियर में जाना आपको तरक्की की ओर ले जाता है।

अपने एटीटयूड को बदलें

जीवन की तरह करियर में भी काफी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। जब अच्छा हो रहा होता है, तो आपको अच्छा लगने लगता है। पर, जब चीजें विपरीत होती हैं तो निराशा और उदासीनता जन्म लेने लगती हैं। ऐसे में सकारात्मक दृष्टिकोण होना मददगार साबित होता है। ध्यान रखें कि आपके अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक एटीटयूड बेहद अहम है।

दूसरों को दोष न दें

ऑफिस में काम समय पर पूरा नहीं होना, कभी काम में अधिक गलतियां रहना, घर के सदस्यों और ऑफिस के सहकर्मियों के साथ मतभेद होना या तरक्की न मिलना, अपने साथ कुछ भी बुरा होने का कारण दूसरों को मानने लगना हमारे दुख को और बढ़ा देता है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि आप काम और तनाव की दोहरी जिम्मेदारियां संभाल रही हैं, ऐसे में कभी-कभार कामों के अव्यवस्थित होने की गुंजाइश भी रहती है। पर यदि आप ऐसे समय में अपनी प्रतिक्रिया पर नियंत्रण करके दूसरों को दोषी नहीं ठहरातीं तो आप खुद को बड़े तनाव से बचा सकती हैं। ऐसा करने से दूसरों के साथ संबंधों में खटास भी नहीं आएगी।

हर काम के लिए खुद को दोषी न ठहराएं

जितना दूसरों को दोषी न ठहराना खुश रहने के लिए जरूरी है, उतना ही जरूरी यह भी है कि आप अपने या दूसरों के साथ होने वाली हर बात के लिए खुद को दोषी न ठहराएं। दूसरों के लिए दुखी होना या उनके प्रति सहानुभूति होना आपकी संवेदनशीलता को दिखाता है, पर यदि आप हर बात के लिए खुद को दोषी मानती हैं तो इससे दूसरों के लिए आपको कटघरे में खड़ा करना आसान हो जाता है। लगातार ऐसा होना आपमें हीनता का भाव उत्पन्न करेगा और आप दूसरों के व्यवहार से दुखी भी रहेंगी। आपके आसपास जो भी हो रहा है, इसके लिए खुद को दोषी ना ठहराएं।

क्रोध से मुक्ति

जटिल परिस्थितियों में गुस्सा आना सबसे आसान प्रतिक्रिया होती है। आक्रोश में ना आते हुए अपनी बात सही व स्पष्ट शब्दों में पहुंचाना सही होता है, पर बिना जाहिर किए लंबे समय तक अपने गुस्से को बनाए रखना आपकी ऊर्जा और उत्साह को कम कर देता है। बेहतर है कि आप खुद को और दूसरों को क्षमा करना सीखें, साथ ही उन कारणों को भूलने का प्रयास करें, जिनके कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। आप तुरंत ऊर्जावान महसूस करेंगी और काम के प्रति आपको अच्छा लगने लगेगा।

खाना खजाना

स्वाद भरा बेसन ढोकला

सामग्री – बेसन –2 छोटी कटोरी, नींबू का रस – 2 चम्मच, नमक –स्वादानुसार, तेल – 3 छोटे चम्मच, फरूट साल्ट – 1 छोटा चम्मच, हल्दी –1 छोटे चम्मच, अदरक – 1 इंच कद्दूकस की हुई

गार्निश के लिए – राई – 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च – 2 से 3 लंबी कटी हुई, नमक – आधा छोटा चम्मच, चीनी – 1 छोटा चम्मच, तेल – 1 छोटा चम्मच, हरा धनिया – आधी छोटी कटोरी, एक नींबू – रस निकला हुआ

विधि – बेसन को एक बाऊल में डाल लें, उसमें नमक, नींबू का रस, तेल, अदरक का पेस्ट और हल्दी डाल कर पानी की मदद से अच्छी तरह मिला लीजिए। याद रहे गुठली नहीं पडऩी चाहिए, अगर आप को पेस्ट गाढ़ा लगता है तो पानी और डालें। पेस्ट को उतना गाढ़ा रखें जितना इडली बनाने के लिए रखते हैं। अब बेसन के पेस्ट को 20 मिनट के लिए ढक कर रखें, ताकि बेसन फूल जाए। एक पतीले में 2 गिलास पानी डाल लें, उसके अन्दर एक जाली वाला स्टैंड रखिए और पतीले को अच्छी तरह ढक दीजिए, गैस को मद्धम आंच पर चलाएं। 20 मिनट बाद बेसन को चम्मच से अच्छी तरह मिला लें और उसमें फरूट साल्ट डाल लें। पेस्ट को चम्मच से मिला लीजिए, पेस्ट को ज्यादा देर तक मिलाना नहीं है क्योंकि ज्यादा मिलाने से फरूट साल्ट में से हवा निकल जाएगी। थाली में चारों तरफ तेल लगा लें, फिर पेस्ट को उसमें डाल दीजिए। उस थाली को पतीले में स्टैंड के ऊपर रख कर ढक दें। अब 15 से 20 मिनट तक आग पर पकने दीजिए। फिर चाकू को ढोकले के अंदर डाल कर देखिए कि चाकू पर चिपक तो नहीं रहा, अगर ढोकला चिपक रहा हो तो गैस को थोड़ा और चलने दीजिए। जब ढोकला चिपकना बन्द हो जाए तब गैस बन्द करें और ठंडा होने के बाद चाकू से चारों तरफ से ढोकले को निकाल लीजिए। ढोकले को आप एक प्लेट में निकाल लीजिए । उसके बाद ढोकले को किसी भी साइज में काट लें। इसे बर्फी या चौकोर शेप में काटा जाता है। अब पैन में एक चम्मच तेल डाल लें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें राई डाल दीजिए और राई के चटकने के बाद हरी मिर्च डालें। चम्मच से 2 से 3 बार चला लीजिए उस के बाद नमक और चीनी डालिए, उसमें एक कटोरी पानी डालें। उबाल आने तक पकने दें, उसके बाद गैस बंद करें और ठंडा होने के बाद ढोकले के ऊपर चम्मच की मदद से डाल दीजिए। इस तरह से डालिए ताकि पूरा पानी ढोकलों के ऊपर आ जाए। ढोकला बन कर तैयार है।

सब्जियों से सजा लाजवाब ब्रैड पिज्जा

सामग्री – ब्रैड – 4 पीस, प्याज – 1 बारीक कटा हुआ, टमाटर – 1 बारीक कटा, गाजर – 1 कद्दूकस की हुई, शिमला मिर्च – 1 बीज निकाल कर बारीक कटी हुई, हरी मिर्च कटी हुई – 1 छोटा चम्मच, धनिया – थोड़ा-सा बारीक कटा हुआ, चिली सॉस – आधा छोटा चम्मच, सूजी – एक चौथाई कप, मलाई – एक-चौथाई कप, नमक – स्वादानुसार, तेल – 1 छोटा चम्मच

विधि – ब्रैड स्लाइस तिकोने काट लीजिए, बाकी सामग्री अच्छी तरह मिला लीजिए और उसे 5 मिनट के लिए रख दीजिए। ब्रैड के टुकड़ों पर एक तरफ सारी सामग्री फैला दें। एक नॉन स्टिक तवे पर तेल डालें, जब तेल गर्म हो जाए तब उसमें ब्रैड के टुकड़े रख दीजिए और उन्हें हल्की आंच पर भूरा होने तक दोनों तरफ से सेंक लें। ब्रैड पिज्जा बन कर तैयार है, टमाटर की चटनी के साथ गर्मा-गर्म परोसें।

काजू चिक्की

सामग्री – 250 ग्राम काजू, 250 ग्राम चीनी या गुड़, 2 छोटे चम्मच घी

विधि – काजू को 2 टुकड़ों में काट लीजिए। कड़ाही में एक छोटा चम्मच घी डाल कर गर्म कीजिए, घी में चीनी डालिए और मिला दीजिए। तेज या मध्यम आग पर चीनी को पिघलने दीजिए। चीनी को चम्मच से लगातार चलाते रहिए, चीनी तले में लगनी नहीं चाहिए।जैसे ही चीनी पूरी तरह पिघल जाए, आग बन्द कर दीजिए, कटे हुए काजू डाल कर अच्छी तरह मिलाइए। चिकनी की गई थाली या समतल जगह को चिकना करके, काजू मिश्रण को उसके ऊपर रखिए, बेलन को घी लगाकर चिकना कीजिए, चिक्की के मिश्रण को इच्छानुसार पतला या मोटा बेल लें। चिक्की के गर्म ही रहने तक जिस आकार में आप चिक्की के टुकड़े करना चाहते हैं यदि चाकू से निशान डाल दें, तो टुकड़े उसी आकार में तोड़े जा सकते हैं। ठंडा होने पर चिक्की के टुकड़े चाकू से नहीं, हाथ से ही अपने पसन्द अनुसार कर लीजिए। तैयार काजू की चिक्की को एयर टाइट कंटेनर में भर कर रख लीजिए।

केसरिया लड्डू

सामग्री – बेसन तीन कटोरी (दरदरा पिसा हुआ), चीनी दो कटोरी, – इलायची पाऊडर एक छोटा चम्मच, एक-चौथाई कटोरी काजू अथवा बादाम, केसर 5-6 लच्छे, चुटकी भर मीठा पीला रंग, देसी घी तलने के लिए, एक-चौथाई कप दूध

विधि – बेसन को छान कर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिलाएं और पानी से घोल तैयार कर लें। अब एक पतीले में पानी एवं शक्कर मिला कर एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसल कर डाल दें। साथ ही पिसी इलायची भी डाल दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की छलनी या झारे की सहायता से थोड़ी-थोड़ी करके सारे घोल की बूंदी बनाती जाएं और चाशनी में डालती रहें। जब बूंदी पूरी तरह से चाशनी पी ले, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगा कर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। लड्डू बनाते समय सभी पर एक-एक काजू अथवा बादाम रख कर हाथ से दबा दें। अब गणपति बप्पा को घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डुओं का भोग लगाएं।

ऑनलाइन डेटिंग
जोड़ियां बनाने का नया तरीका

इंटरनैट की मदद से जीवन साथी की तलाश अब कोई नया मुद्दा नहीं रह गया बल्कि अधिकांश युवा एवं प्रौढ़ अकेले रह रहे लोग अपने लिए साथी की तलाश हेतु सोशल नैटवर्किंग की मदद लेने लगे हैं। चैटिंग के माध्यम से एक-दूसरे को जानने के बाद वे लोग पर्सनली मिलना चाहते हैं ताकि इस संबंध को एक प्रैक्टीकल शेप दी जा सके। अगर आप भी इंटरनैट के माध्यम से अपने प्यार की तलाश कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें...

सावधानी जरूरी

- यदि ऑनलाइन साथी की तलाश कर रही हैं तो विभिन्न सर्च इंजन की सहायता लें, साथ ही ऑनलाइन फ्रैंड से रियल लाइफ में मिलने का निर्णय लें तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी पहली मुलाकात के लिए वह जगह पब्लिक प्लेस हो।
- इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ऑनलाइन डेटिंग के बारे में थोड़ी-सी भी लापरवाही आपके लिए खतरा बन सकती है।
- भले ही विदेशों में यह सब काफी कॉमन हो परंतु अब अपने देश में भी ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज कम नहीं है। बेशक ऑनलाइन डेटिंग से मनचाहा साथी भी मिल जाता है लेकिन इस आभासी दुनिया में छल करने वालों की भी कमी नहीं है।

साइट्स की पहचान

कुछ साइट्स हैं जो यह निर्णय करती हैं कि आप किससे मिलें जबकि कुछ साइट्स आपको आवश्यक डेट के बारे में सलाह देती हैं। सबसे जरूरी बात आप इन साइट्स की कीमत को जरूर जांच लें, छोटी और क्षेत्रीय साइट्स को भी नजरअंदाज न करें।

ईमानदारी से बनाएं प्रोफाइल

यह सही है कि ऑनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपनी उम्र, बैकग्राऊंड या आदतों के बारे में झूठी जानकारी देने से बचना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अपने बारे में बहुत अधिक जानकारी भी न दें और सीक्रेट्स तो बिल्कुल भी शेयर न करें, भले ही आप सामने वाले व्यक्ति को पहचानती ही क्यों न हों।

थोड़ी बेईमानी की उम्मीद

- विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑन लाइन डेटिंग रिलेशन बनाने की अपेक्षा एक तरह से विज्ञापन होता है। यह ऐसा विज्ञापन है जो अतिशयोक्तिपूर्ण कथन और झूठ से भरा होता है।
- दोस्ती करने वाले को यह उम्मीद होती है कि सामने वाला व्यक्ति अपनी बैस्ट फोटो अपलोड करेगा जबकि वह अपनी कम उम्र की फोटो के साथ ही अपने वजन को भी कई किलो छिपा जाता है।
- ये बातें भले ही बहुत छोटी-छोटी नजर आती हैं, फिर भी इसी बात से अंदाजा लगा कर चलें कि वह और भी कई बातों में झूठ बोल रहा होगा, अत- हर बात को स्वयं परखना बहुत जरूरी है।

फ्रॉड से बचें

किसी भी नई तकनीक के समान ही ऑनलाइन डेटिंग के भी कुछ नकारात्मक पहलू हैं। इनमें से सबसे बड़ी बात फ्रॉड की है। बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय सहायता संघ भी वजूद में हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट्स पर भी मौजूद हैं और अक्सर इस तरह के मैसेज भेज कर दावा करते हैं कि कुछ लोग हैं जो मुसीबत में हैं और उनके पास पैसे नहीं हैं। अगर कोई व्यक्ति विशेषत- जो दूसरे देश से हो तो उससे तुरंत नाता तोड़ लें।

जासूस बनना बुरा नहीं

- जिससे ऑनलाइन मिली हैं और फिर उस व्यक्ति से वास्तव में मिलने जा रही हैं तो उनके बारे में थोड़ी जांच-पड़ताल भी करें।
- इसके लिए मल्टीपल सर्च इंजन का सहारा लें। आपराधिक बैकग्राऊंड की भी जांच करें। इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुसार जो वह है वह सच है।

बच्चों की शिक्षा में
माँ-बाप की भागीदारी जरूरी

बच्चे के सहज और स्वाभाविक विकास के लिए स्कूल एक महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चा स्कूल के माहौल में ही अपने दूसरे साथियों के साथ तालमेल बिठाना सीखता है। उसकी स्वयं की छवि भी स्कूल में जाकर ही बनती है। वहीं पर उसे अपनी कार्यक्षमता का अहसास भी होता है। बच्चे के लिए घर से बाहर की पहली दुनिया स्कूल ही होती है।

आमतौर पर होता यह है कि बच्चे को स्कूल भेजने के बाद कई बच्चों के माता-पिता स्वयं को तमाम जिम्मेदारियों से मुक्त मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा अब सिर्फ स्कूल की जिम्मेदारी बन गया है। कई बार देखने में आता है कि बच्चों की शिक्षा में माता-पिता जितनी रुचि लेते हैं उसका खासा असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है। जिन बच्चों के माता-पिता बच्चों के स्कूल से लौट कर आने के बाद उनकी डायरी देखते हैं, समय-समय पर उनका होमवर्क करवाते हैं वे बच्चे पढ़ाई में अपेक्षाकृत ज्यादा अच्छे निकलते हैं।

बच्चे के स्कूल से लौट कर घर आने के बाद मां की जिम्मेदारी बनती है कि वह बच्चे के गुजरे छोटे से छोटे अनुभव के साथ अपनी साझेदारी करे ताकि बच्चा उस माहौल में ढल सके। आमतौर पर देखने में आता है कि बच्चा स्कूल से घर लौट कर आने के बाद गंदे हाथों से ही कुछ भी खा पी कर अपने दूसरे भाई-बहनों के साथ खेलने में लग जाता है और दूसरे दिन जब स्कूल जाने का समय होता है तो उसे अपने अधूरे होमवर्क और गंदी यूनीफार्म में ही बेमन से स्कूल जाना पड़ता है।

बच्चा जब स्कूल से लौट कर आए तो मां को इसके लिए पहले से ही पूरी तैयारी रखनी चाहिए। बच्चे के आने के बाद उसके हाथ-मुंह धुला कर, उसकी यूनीफार्म बदल कर उसे दोपहर का खाना खिलाना चाहिए। बच्चा स्कूल से लौट कर आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्वयं को ही समझता है। बच्चे के खाना खाने के दौरान ही उसके स्कूल में उसके साथ क्या कुछ गुजरा, विषय पर उससे पूछा जा सकता है।

कामकाजी माता-पिता के बच्चे अकसर स्कूल से लौटने के बाद या तो क्रेच में जाते हैं या फिर घर में आने के बाद घरेलू नौकरों या दादा-दादी के संरक्षण में रहते हैं। ऐसे बच्चों के माता-पिता भले ही दोपहर में न सही लेकिन शाम को आफिस से लौटने के बाद या फिर रात के खाने के समय उसके स्कूल के अनुभवों के बारे में पूछ सकते हैं।

अकसर स्कूल में शिक्षकों की शिकायत रहती कि कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों का पूरा ध्यान नहीं रखतीं जिससे ऐसी माताओं को अपराधबोध महसूस होता है। उन्हें इस अपराधबोध से थोड़ा उबरना पड़ेगा। ऐसी महिलाओं को चाहिए कि वह चाहे जहां कहीं भी हों लेकिन बच्चे के स्कूल से आते ही कम से कम उससे फोन पर तो बात कर ही लें।

ध्यान रखें कि आप जो भी समय बच्चे को दे रहे हैं उसकी उपयोगिता हो। यह जरूरी नहीं है कि बच्चे के सामने हर समय मौजूद रहें। लेकिन आपके बच्चे के मन में आपकी मौजूदगी सदा बनी रहे, इसके लिए प्रयास जरूर करें।